



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 29] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 17, 1993 (आषाढ़ 26, 1915)  
No. 29] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 17, 1993 (ASADHA 26, 1915)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 4 [PART III—SECTION 4]

सांख्यिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

सरकारी और बैंक लेखा विभाग

बम्बई, दिनांक 17 जुलाई 1993

भारत के राजपत्र में 20 अप्रैल 1946 को प्रकाशित तथा 29 अप्रैल 1954 की अधिसूचना सं. एफ.० (9)/70 बी/52 और भारत के दिनांक 21 फरवरी 1990 के असाधारण राजपत्र सं. 67 के अन्तर्गत तथा संशोधित लोक श्रृण अधिनियम, 1944 की धारा 28 के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा बनाये गये नियमों के नियम 18 के अनुसरण में (30 नवम्बर, 1992 को समाप्त माह के मिये) निम्नलिखित सूची खी गई अर्थात् ऐसी प्रतिभूतियों के बारे में एतद्वारा विज्ञापित की जाती है जिन के सम्बन्ध में इस बात का विश्वास करने के लिये प्रथम दृष्टया आधार मौजूब हैं कि प्रतिभूतियां खी गई हैं और आवेदकों का वादा न्यायोचित है। नीचे लिखे गये संबंधित आवेदकों से इतर सभी व्यक्ति जिनका इन प्रतिभूतियों पर किसी प्रकार का दावा हो, तत्काल मुख्य लेखाकार भारतीय रिजर्व बैंक केन्द्रीय कार्यालय, सरकारी और बैंक लेखा विभाग, केन्द्रीय श्रृण प्रभाग, बम्बई को सूचित करें। सूची के भागों में विभाजित की गई हैं। भाग "क" में अभी पहली बार विज्ञापित प्रतिभूतियां शामिल की गई हैं और भाग "ख" में पूर्व विज्ञापित प्रतिभूतियों की सूची दी गई है।

सूची "क"

—कुछ नहीं—

## सूची "ख"

प्रतिभूति की संख्या	मूल्य व ग्राम	किसके नाम जारी की	किस तारीख से ब्याज दिया	प्रतिलिपि जारी करने एवं या भुगतान मूल्य की प्रदायगी के लिये बाधेदारों का/के नाम	आदेश संख्या एवं जारी करने की तारीख	लोक ऋण अधिनियम 1944 के अन्तर्गत सूची के प्रकाशन की तारीख जिसमें प्रतिभूति पहली बार प्रकाशित की गई थी
1	2	3	4	5	6	7

## कलकत्ता मण्डल

## 3 प्रतिशत परिवर्तन ऋण 1946

सी० ए 200355	.	.	1,000	शशीभूषण घोष कान्स्ट्रक्शन	16-9-1962	वैद्यनाथ मण्डल संयुक्त प्रबन्धक का आदेश दिनांक 8-10-92 (डी० बाई० सं० एल सी ओ 65 92-93 दिनांक 13-10-92) फाइल सं० I-2491	---	
सी ए, 198799	.	.	1,000	वही	वही	वही	वही	---
सी ए 206485	.	.	200	पंचानन मण्डल (मृत)	वही	वही	वही	---
सी ए 206486	.	.	500	वही	वही	वही	वही	---
सी ए 206487	.	.	1,000	वही	वही	वही	वही	---
सी ए 206488	.	.	1,000	वही	वही	वही	वही	---

## 3 प्रतिशत प्रथम विकास ऋण 1970-75

सी ए 055364	.	500	पंचानन मण्डल (मृत)	15-10-1962	वैद्यनाथ मण्डल संयुक्त प्रबन्धक का आदेश दिनांक 8-10-92 डी बाई सं एल सी ओ 65/ 92-93 दिनांक दिनांक 13-10-92) फाइल सं० I-2491	---
-------------	---	-----	-----------------------	------------	---	-----

## 9 प्रतिशत ऋण 2013

सी ए 000099	2,00,000	भारतीय रिजर्व बैंक जारी करने के बाद ब्याज नहीं दिया गया	पी के मित्रा, डी के चौधरी और भार सी नागधी न्यासी, नेशनल कं सि ज्यूट सील कामगार भविष्य निधि	संयुक्त प्रबन्धक का आदेश दिनांक 28-10-92 (डी बाई सं एल सी ओ 91/92-93 दिनांक 13-10-92 फाइल सं० I-2467
सी ए 001005	5,00,000	वही	वही	वही

## 3 प्रतिशत परिवर्तन ऋण, 1946

सी ए 295665	.	1,000	अन्नपूर्णा वासी	16-3-73	अन्नपूर्णा वासी संयुक्त प्रबन्धक का आदेश दिनांक 4-8-92 (डी बाई सं एल सी० ओ 19/92-93 दिनांक 5-8-92 फाइल सं० I-2427	---
-------------	---	-------	-----------------	---------	--	-----

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

## मद्रास मण्डल

## राष्ट्रीय सुरक्षा स्वर्ण बांड 1980 "बी" सीरीज

एम एस 017532	9 ग्राम	सी पी करुप्पय्या (अब मृत)	27-10-67	के० धनलक्ष्मी	जे एम डी वाय सं० 119 दिनांक 19-5-92 (एस एन 2627)	
एम एस 035316	2 ग्राम	बी पी फिलिप	वही	बी पी फिलिप	जे एम डी वाय सं० 48 दिनांक 12-10-92 (एल एन 2628)	
एम एस 016504	10 ग्राम	जी सभापति	27-10-66	जी सभापति	जे एम डी वाय सं० 64 दि० 29-10-92 (एल एन 2255)	

## नागपुर मण्डल

## राष्ट्रीय सुरक्षा स्वर्ण बन्धपत्र, 1980 श्रृंखला 'बी'

एन जी 001481	30 ग्राम	सत्यनारायण तिवारी (मृत)	27-10-66	योगेश नारायण तिवारी	सी ओ 380 30-6-92	--
--------------	----------	----------------------------	----------	------------------------	---------------------	----

## बंगलूर मण्डल

## 3-1/2 प्रतिशत राष्ट्रीय योजना ऋण, 1964

बी एल 001568	500-00	भारतीय रिजर्व बैंक	19-4-58	के तिप्पय्या	फाइल सं एल एन 305 प्रबन्धक का आदेश दिनांक 14-9-89 और दिनांक 12-12-89 का केन्द्रीय कार्यालय का अनुमोदन	--
--------------	--------	--------------------	---------	--------------	--	----

## कानपुर मण्डल

## राष्ट्रीय सुरक्षा स्वर्ण बन्धपत्र, 1980 श्रृंखला 'ए'

के एन 000462	12 ग्राम	महाबीर प्रसाद डागा	27-10-66	महाबीर प्रसाद डागा	सी ओ आई आर 2304/50 दिनांक 30-3-88 एल एन जी 138	5-11-88
--------------	----------	-----------------------	----------	-----------------------	---	---------

(ह०) अपठनीय  
मुख्य लेखाकार,  
भारतीय रिजर्व बैंक  
केन्द्रीय कार्यालय,  
सरकारी और बैंक लेखा विभाग,  
केन्द्रीय प्रक्षिण प्रभाग  
बम्बई-400051

## भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान

बम्बई-900 005, दिनांक 16 अप्रैल 1993

सं० 35/डब्ल्यू सी०ए०(5)/9/92-93--इस संस्था की अधिसूचना सं० 3 एस०सी०ए (4) 3/92-93 दिनांक 27-11-92, 3 डब्ल्यू०सी०ए०(4) 5/92-93 दिनांक 1-12-92, 3 डब्ल्यू/सी०ए०(4) 7/92-93 दिनांक 26-2-93, 35 डब्ल्यू० सी०ए०(4) 8-2-93 दिनांक 29-3-93 के सन्दर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1988 के नियम 20 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 19 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः उनके आगे दी गई तिथियों से स्थापित कर दिया है।

क्रम सं०	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1	2	3	4
1,	003459	श्री पटेल अनुप्रसाद गोर्धनभाई एफसीए चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अनु जी पटेल एण्ड कं० 5 आनन्द सागर अपार्टमेंट आनन्दनगर सोसायटी के पास, न्यू इंडिया मील के पीछे बरोडा 390 005	01-10-92

क्र. सं.	सदस्यता सं.	नाम एवं पता	दिनांक	1	2	3	4
2.	007546	श्री लालानी जगमोहन डालीचन्द एफसीए चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार जे डी लालानी एण्ड कं. बाडिया हाउस 3रा मंजला ओ नं० 70, 9 बी, कावसजी पटेल स्ट्रीट कोर्ट बम्बई 400 001।	01-10-92	12.	012967	श्री बोदी जम्बदोद रुस्तम ए० सी०ए०, सी०-32 दर्शन अपार्टमेंट्स माउण्ट प्लैजेंट रोड बम्बई 400006	01-10-92
3.	008729	श्री रामचन्द्र राव बी सोता एसीए मुख्य प्रबन्धक, सेंट्रल बैंक आफ इंडिया, 35 बी, एल० टी० रोड, माहोम, बम्बई 400 016।	01-10-92	13.	013102	श्री शोचे मल्हारी गोपालकृष्णा, ए० सी०ए०, चिंतामणि नगर 3 बिल्डिंग सं 1 फ्लैट सं 6 बिचवेवाडी पुणे 411037	01-10-92
4.	010131	श्री भट्ट पुष्पावदन कृष्णलाल एफसीए 9 सोमेश्वर सोसायटी, वासीन रोड, गदापुरा, बरोडा 390015।	01-10-92	14.	013386	श्री खत्री हस्तकांत शिबजी ए०सी०ए०, 36 बी मोहन नगर दत्तमंदिर रोड, डहाणुकरवाडी कांदिवाली (प०) बम्बई 400067	01-10-92
5.	010429	श्री पटल जगदीशचन्द्र पुरुषोत्ता एसीए 2, हेमंकि क्रिसेंट, घोरमील, ओन्टेरीओ, केनेडा एल 3 टी 2 डब्ल्यू 9।	01-10-92	15.	013562	श्री सत्यमूर्ति राजगोपालन ए० सी०ए० ए/4 कलीफटन बिला नेन जुहु, बम्बई 400049	01-10-92
6.	011254	श्री तविकर दत्तात्रय हरीसन एसीए सूरज अपार्टमेंट्स, "ए" विंग, शान्ति आश्रम, बोरीवली (प) बम्बई 1।	01-10-92	16.	014604	श्री परमार मधुसूदन बालजीभई, ए० सी०ए० चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार एम बी परमार एण्ड कं ए-5 नीलकमल, 2 री हसनाबाद नेन सांताक्रुज (प०), बम्बई 400054	01-10-92
7.	011752	श्री प्रधातराघी एस० एफसीए, चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार, 8 चन्द्र निवास कालनी रोड सायन (प) बम्बई 400 022	01-10-92	17.	014749	श्री मोदी प्युश गिरधारीलाल, ए०सी०ए०, 14/बी० विश्वनगर सोसाइटी जीव राज पार्क रविनगर वेजलपुर के पीछे, अहमदाबाद 380051	01-10-92
8.	012069	श्री पाटील शिवकुमार बालकृष्णा एफसीए पी ओ बाक्स 10971 नरोबी केन्या	01-10-92	18.	016851	श्री शाह महेन्द्र मोहनलाल एफ सी०ए० चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार, ए 15 बर्मा बिला बिलभाई रोड विलेपार्ले (प०) बम्बई 400056	01-10-92
9.	012309	श्री सन्धु आनन्द श्रीधर एफसीए चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार 105 मेरीलैण्ड अपार्टमेंट्स डी के सन्धु मार्ग चैम्बुर बम्बई 400 071।	01-10-92	19.	017996	श्री अडबानी सुरेश प्रीतम सिंघ, ए०सी०ए०, ए/2, मेफेअर गार्डन्स, 36 लिटल गिम्स रोड, मालाबार हिल, बम्बई 400006	01-10-92
10.	012758	श्री शेट जनक कृतीकान्त एफसीए 3412 लेक ट्राइल ड्राइव मेटायरी एलए 70003 यू०एस०ए०	01-10-92	20.	019194	श्री श्रीधरन के० बी० एफ सी०ए०, चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार, द्वारा रीसन इन्फॉर्मेशन, मैनेजमेंट रिसोर्सेस इंडिया प्रा० लि०, 115 एस०डी०एफ०-4 सिन्हा, अग्रेरी बम्बई-400096	01-10-92
11.	012827	श्री पारेख दीपक जयस्तीलाल एफसीए 21 दीनानाथ अपार्टमेंट्स, महात्मा गांधी रोड कांदिवाली विलेज कांदिवाली (प) बम्बई 400 067।	01-10-92	21.	022196	श्री कुमार बी०एस ए सी०ए०, फ्लैट सं० ए-33/006 योगी कुटीर को०-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, योगी नगर, बोरीवली (प०), बम्बई-400077	01-10-92

1	2	3	4
22. 022872	श्री वल पी०के०, ए० सी०ए०, 32/22 धुन्वावन औरंग सोसाइटी ठाणा-400601	01-10-92	
23. 023260	श्री श्रीनिवासन ए०, ए०सी०ए० चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार द्वारा: बी०एम संघनाम, ए-2 अवर्णा अपार्टमेंट्स 75 एस०बी रोड अंधेरी (प०) बम्बई-400038	01-10-92	
24. 023851	श्री श्रीवास्तवा शैलेश, ए० सी०ए० चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार घर सं 12, 13-1270 तरनाका सिकन्दराबाद-300017 (ए०पी०)	01-10-92	
25. 023957	श्री शेट्टी जयकुमार शानभन्ध, ए० सी०ए० चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार जय श्रीविकासभूमि बिल्डिंग 1317, सी० - चार्टर्ड लक्ष्मीपुरी कोल्हापुर-416002	01-10-92	
26. 024696	श्री श्रीनिवासन ए०, ए० सी०ए० फाईनेन्स मैनेजर, बेमुराम इंस्ट्रुमेंट्स क० बी०एम० सी० पो०ओ० बाक्स 843 मनामा सलतन आफ बहरीन	01-10-92	
27. 027016	श्री बी०के० कुरीआधन ए०सी०ए० चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अमिस्टेट एकाउण्ट्स मैनेजर रेवेन्यू एकाउण्ट्स एजर इंडिया सांताक्रुज बम्बई-400029	01-10-92	
28. 030110	श्री जोशी अनिल रामचन्द्र ए० सी०ए०, चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार फ्लैट सं 18 नार्थ काम्प्लेक्स उम्लबाडी रोड नासिक-422002	01-10-92	
29. 030386	श्री दांगड श्रीनिवास बन्सीलाल ए० सी०ए० चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार, 250 जे० 6 ए शनिवार पेठ औरंगजेब रोड पूना-411030	01-10-92	
30. 030495	श्री कवम हरीभाऊ मानम ए० सी०ए० चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार 41/16 बीया टार नेट कालोनी पूना-411004	01-10-92	
31. 030752	श्री जयशेखर जी०एस ए० सी० ए० चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार 6/67, एल-8 अमर कुंज, वेस्तम सागर बीपक नगर बम्बई-400089	01-10-92	

1	2	3	4
32. 030805	श्री सीमी मेघराज पुरुषोत्तम ए० सी०ए० 200 माउथ सदर बाजार मेघयान शोलापुर-413003	01-10-92	
33. 031335	श्री मन्सूरी युनुस मोहम्मदकुतेन, ए०सी०ए० चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार, 301/2, सर्वोदय कमिशियल सेंटर, 3 रा माला, जी०पी०ओ० नजदीक, मालापोस रोड. अहमदाबाद-380001	01-10-92	
34. 31438	श्री राका रमेश पन्नालाल ए० सी० ए० चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार रमेश पी० राका एण्ड क० 537, सदाशिव पेठ, जोधके चौक पूना-411030	1-10-92	
35. 31673	श्री जोशी बंकीमचन्द्र बन्नीलाल ए० सी० ए० चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार बंकीम जोशी एण्ड क०, 23 गोकुल सोसाइटी सिधबाई माता रोड प्रताप नगर बरोडा-390004	1-10-92	
36. 31781	श्री मोदी हरीबहन कांतिलाल ए०सी० ए० ए/15 फलस्तुती सोसाइटी, पांच फनल, भरुच-392001	1-10-92	
37. 31864	श्री शाह सरेमल पूनमचन्द ए० सी० ए० चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार सरेमल एण्ड क० 7-ए अंजना चेम्बर्स इंग्लीश सिनेमा के पीछे पांचकुवा अहमदाबाद-380002	1-10-92	
38. 31879	श्री बोरा रमेश उत्तमचन्द ए० सी० ए० चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार आर० पु० घोरा एण्ड क० बलाक म० टी० 395 आशिया सोसायटी पूना सतारा रोड, पूना-411037	1-10-92	
39. 32127	श्री अग्रवाल सुभाष चंद्र ए० सी० ए० चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार, 2-ए कीर्ति महल, पहल. माला, 192, डा० डी० एन० रोड, बम्बई-400001	1-10-92	
40. 32356	श्री पाटणकर चारुचन्द्र गणेश ए० सी० ए० 1, सिद्धार्थ, 124-डी, इरांदावाता, पूना-411004	1-10-92	

1	2	3	4	1	2	3	4
41. 032413	श्री अयासाजी धर्मविल शितलदास ए० सी० ए०, 7, कृष्णा अपार्टमेंट्स, बैंक आफ इण्डिया के बाजू में, ममी नगर, अहमदाबाद-380008	1-10-92		50. 035384	श्री जैन प्रवीणकुमार मीनालाल, ए० सी० ए० चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार प्रवीण ए० जैन एम्ब कं., 4, गायत्री चैम्बर्स, आर० सी० दत्त रोड, बड़ौदा-390007	1-10-92	
42. 032848	श्री चम्पन रोहित हरिचन्द्र, एफ० सी० ए०, चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार, रोहित चम्पन एण्ड कम्पनी, 24, जांबूलबाड़ी दर्शन बिल्डिंग, आर नं० 25, 1 ला माला, बम्बई-400002	1-10-92		51. 035728	श्री पटेल हरोभाई धयाभाई, ए० सी० ए० चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार, एच० पटेल एण्ड कम्पनी, 20/बी, दिव्या हाउसिंग कम्प्लेक्स ई० एस० आई० हास्पिटल के पीछे, गोली रोड, बड़ौदा-390015	1-10-92	
43. 033000	श्री नारायणस्वामी हरीहरन, बी० काम एच०, ए० सी० ए०, चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार, एच० नारायणस्वामी एण्ड कं० 12/2 पद्मलोकनी, पेरुतम सागर, चेन्नूर, बम्बई-400089	1-10-92		52. 036313	श्री कलवन्त सिंह पूरन सिंह, ए० सी० ए० चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार बी-14, 3रा माला, प्रेम सागर अपार्टमेंट, एच० बी० एस० मार्ग, कुर्ली, बम्बई-400070	1-10-92	
44. 033100	श्री ईनामदार मोहम्मद इकबाल, हाफिज एस०, ए० सी० ए०, एच/204, बीना बीना अपार्टमेंट्स, आचार्य दीदे मार्ग, शिवडी-(प०), बम्बई-400015	1-10-92		53. 036492	श्री शाह प्रागनेश जीतेन्द्र कुमार, ए० सी० ए० चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार बी/9, वर्षमान कृपारो हाउस, सर्बोदय नगर नजदीक, 2, सोला रोड, अहमदाबाद-380061	1-10-92	
45. 033217	श्री साज वसन्त घोंडू, ए० सी० ए० पो० ऑ० बॉक्स 10213, मुंबई- मु० ए० ई०	1-10-92		54. 036507	श्री नवाबे प्रसाद जर्नादन, ए० सी० ए०, 255, फरबा पेठ, पूना-411011	1-10-92	
46. 033268	श्री देव राजेंद्र रजनीकांत, बी० काम हावर्स एफ० सी० ए०, ब्लाक नं० 6, 3रा माला, तेजपाल बिल्डिंग पंगुली हुजेस रोड, बम्बई-400007	1-10-92		55. 036514	श्री मेहता दर्शन वसन्त लाल ए० सी० ए० चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार श्रीजी निवास, बी/4, एच० एल० सी० सी० एण्ड डी० ओ० आई० सोसाइटी, नवरंगपुरा अहमदाबाद-380009	1-10-93	
47. 033866	श्री चोकसी मुकुंद रणछोड़लाल ए० सी० ए० ए/1 सुदीप टैरेस, मोती देसाई पोल, सोनी फालिया, सूरत	1-10-92		56. 036833	श्री सोनीगारा केवल चन्द मीठागल, ए० सी० ए० चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार के० एम० सीमीगारा एण्ड कं० बी-201 कल्पतरू प्लाजा, 224, भवानी पेठ, पूना-411022	1-10-92	
48. 034728	श्री शशि कान्त, एफ० सी० ए० चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार, शशि कान्त एण्ड असो० लायर्स चैम्बर्स, एडीजे० गुजरात हाई कोर्ट, आश्रम रोड, अहमदाबाद-380009	1-10-92		57. 036841	श्री मदन कमल साजपतराय, ए० सी० ए० चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार 58/1, बीमानगर सेटेलाइट रोड, अहमदाबाद-380015	1-10-92	
49. 034883	श्री देसाई नितिन लालचन्द्र, एफ० सी० ए० चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार एन० बी० देसाई एण्ड कम्पनी 5, किरण वीक्षित रोड, अपो० पार्क कामेज परेल (पू०) बम्बई-400057	1-10-92					

1	2	3	4	1	2	3	4
58.	037152	श्री शाह सुनील चम्बुलाल, ए० सी० ए० घाटई प्राप्त लेखाकार 19, सैटेलाईट बंगलोर, अपो० सुकोमल फ्लेट्स, रामदेव नगर, सैटेलाईट रोड, अहमदाबाद-380054	1-10-92	66.	039994	श्री सूबेदार राजीव श्रीकृष्णा, ए० सी० ए० घाटई प्राप्त लेखाकार केसी हाउस 19/वी, सखाराम क्रि रोड आफिस : एल० जे० रोड, मिवाजी पार्क के नजदीक, बम्बई-400016।	1-10-92
59.	037180	श्री लबाना प्रवीन धीरजलाल ए० सी० ए० घाटई प्राप्त लेखाकार सरेमई एण्ड कं० 7 ब, अंजना चेम्बर्स, इंग्लिश सिनेमा के पीछे, पंचकुवा अहमदाबाद-380001	1-10-92	67.	039999	श्री बालाजी बी, ए० सी० ए० 10/57 ए, जेमीनी पेस्तम सागर, चेम्बुर, बम्बई-400089।	1-10-92
60.	037573	श्री गावसकर महेश काशीनाथ, एफ० सी० ए० घाटई प्राप्त लेखाकार एम० के० गावसकर एण्ड कं०, 3, 28, लोकमान्य नगर, पूणे-411030	1-10-92	68.	040078	श्री ठक्कर रमिकान्त चम्बुलाल, ए० सी० ए० घाटई प्राप्त लेखाकार 205, बेला चेम्बर्स, एम० सी० हार्ड स्कूल के सामने, सालाटवाडा, बड़ीदा-390001।	1-10-92
61.	038303	श्री सुब्रमणियन राजगोपाल ए० सी० ए० घाटई प्राप्त लेखाकार बी/2, शाहकार डा० आम्बेडकर रोड मुलूंड (पश्चिम) बम्बई-400080	1-10-92	69.	040519	श्री भिन्डरवाला सोमेश्वरी ह्यालिमजली ए० सी० ए० घाटई प्राप्त लेखाकार 2840, बार्म स्प्रिंग रोड, अपार्टमेंट-19, कोलम्बस, जार्जिया-31904 यू० एस० ए०	1-10-92
62.	038663	श्री देशपाण्डे अनिल वसन्त ए० सी० ए० डिप्टी एकाउण्ट्स आफिसर महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रीसिटी बि०, 19/11, बीरा रिकलेमेशन, बांदरा (प०), बम्बई-400050	1-10-92	70.	040738	श्री गनका आशिष मनाह्वारकान्त ए० सी० ए० घाटई प्राप्त लेखाकार 406 ए, वाघबाडी 1ला माला, कालेबा देवी रोड, बम्बई-400002।	1-10-92
63.	039117	श्री अय्यर प्रकाश श्रीनिवासन ए० सी० ए० वाक्स 6198 बोराको, पापजा, न्यू गुडना	1-10-92	71.	040974	श्री ठक्कर योगेश हरीदास ए० सी० ए० घाटई प्राप्त लेखाकार 13, त्रिजेश, हरिदास नगर सोसायटी, शिपोली रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-400092	1-10-92
64.	39233	श्री शाह राजेश कुमार शास्त्रीलाल ए० सी० ए० घाटई प्राप्त लेखाकार मालाड अपार्टमेंट्स 337, आनन्द रोड, 3 रा माला, ब्लाक नं० 9, मालाड (प०) बम्बई-400064।	1-10-92	72.	041076	मिस लम्डा गोतिका ए० सी० ए० द्वारा ए० एन० जेड वीनलेस बैंक 90, एम० जी० रोड बम्बई-400001	1-10-92
65.	039650	श्री डांका दिनेश राजेश्याम ए० सी० ए० घाटई प्राप्त लेखाकार डी-52/ 1383 आवर्षा नगर बरली बम्बई-400025।	1-10-92	73.	041153	श्री जैन निरमल वसन्ता, अंबरलाल ए० सी० ए०, 108, श्याम महल सी० अप्रवाल मार्केट सी, विले पार्क (पूरब), बम्बई-400057	1-10-92

1	2	3	4	1	2	3	4
74.	041356	श्री श्रीमान रमेश भाई लखा भाई ए० सी० ए., चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार आर० लखा भाई एण्ड कं० छात्रमति शिक्षाधी काम्पलेक्स रोड, आनन्द नगर के पीछे, बहिर्गर (पूरब) बम्बई-400067।	1-10-92	83.	043041	मिस वीरबानी सोना बेहारीलाल ए० सी० ए०, मुनीन ली रोस्ट्राज, कालीना, बम्बई-400061	1-10-92
75.	041685	श्री बेलकेरी नन्देन्द्र गणपती ए० सी० ए०, न्यू मिस्वर होम फ्लैट नं० 22 पेरी फास रोड, मास्टर विनायक मार्ग बांद्रा (पूरब) बम्बई-400050।	1-10-92	84.	043111	श्री राजगीपालन टी० ए० सी० ए०, 65/ए-4, बृन्दावन, ठाणे-340060।	1-10-92
76.	041803	श्री कनाकगिरी श्रीनिवास ए० सी० ए०, वेपुटी मैनेजर (इन्टरनल अडिटर) इन्स्यू जैड० ओ०, यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया 8वां माला, सीसी 1, बल्ड ट्रेड सेंटर बम्बई-400005	1-10-92	85.	043144	श्री पी० आंगरे आशुतोष वेकुण्ड, ए० सी० ए०, प्लॉट नं० 7, प्रमेय अपार्टमेंट्स बंसी लाल नगर, औरंगाबाद-431005	1-10-92
77.	041819	श्री कडापा बसन्त राजेराव ए० सी० ए० 41, सह्यावास सोसायटी, कर्वे नगर, पूना-411032	1-10-92	86.	043304	श्री उपाध्याय चन्द्र कांत नटवरलाल ए० सी० ए०, चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार, सी० एन० उपाध्याय एण्ड कं० सी/47 विमल नाथ सोसायटी, अहमदाबाद-380024	1-10-92
78.	042332	श्री माला शङ्कर हाउसिनी ए० सी० ए०, 46 सारंग स्ट्रीट, मिठाई वाला बिल्डिंग, बम्बई-400003	1-10-92	87.	043579	श्री शमीर रानी राजेन्द्र कुमार ए० सी० ए०, चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार सी/4, अम्बिका नगर गहाड-421103 थाना।	1-10-92
79.	042414	श्री चुन्हा रबी विसेंट ए० सी० ए०, 2-ई सनवला अपार्टमेंट, 10 जे, माउंट प्लीसेन्ट रोड, बम्बई-400006	1-10-92	88.	043629	श्री लोका मालील कुमार ए० सी० ए०, चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार 18 प्रोल्ड वीरा हाऊस, जी० पी० रोड, गोरगांव (पश्चिम) बम्बई-400062	1-10-02
80.	042614	श्री अश्वराम रामकृष्ण शंकर ए० सी० ए०, चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार एस० राम कृष्ण जी-3, ग्राम, अपार्टमेंट्स, विष्णु नगर नौपाडा थाना-4000602	1-10-92	89.	043838	श्री कोमल कुमार शर्मा ए० सी० ए०, बी 19/4, न्यू एयर पोर्ट कालोनी विले पार्क (पूरब) बम्बई-400099	1-10-92
81.	042661	श्री टोडी विजय कुमार ए० सी० ए०, चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार, विजय टोडी एण्ड एसो० ए-26 गोपाल सदन, बला मन्डिर रोड, मानाड (पूरब) बम्बई-400097	1-10-92	90.	044194	श्री विनायक कृष्ण चौधरी ए० सी० ए०, चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार, विनायक चौधरी एण्ड कं० संजीवन 85, स्वावलम्बी नगर नागपुर-444022	1-10-92
82.	042757	श्री कुलकर्णी राजीव विष्णु पन्त, ए० सी० ए०, जी० एस० कोका एण्ड कं० 32, स्वप्न नगरी कर्वे रोड पूना-411043	1-10-92	91.	044331	श्री अनन्त जनार्दन तबाधे ए० सी० ए०, चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार, 253, कसबा पेठ, पूना-411011	1-10-92

1	2	3	4	1	2	3	4
92.	044334	श्री बुद्धीराज बेकटा रामना मूद ए० सी० ए० चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार ए-54 कावेरी रिलिफ रोड मालाड (पश्चिम) बम्बई-400064	1-10-92	100.	045912	श्री अग्रवाल ललित दीनदयाल ए० सी० ए० चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार श्री अग्रवाल भवन, एम० ए० मार्ग, बायंदर-401101	1-10-92
93.	044542	श्री श्रीमन्मथ विजय शिवलाल ए० सी० ए०, चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार 10/11 शुक्रवार पेठ, पुना-411002	1-10-92	101.	045991	श्री आर० नारायणन, ए० सी० ए० द्वारा आर० कृष्णमूर्ती, ए-74, माला टावर लोन्गवेल्लाला निक रोड, अन्धेरी (पश्चिम) बम्बई-400058	1-10-92
94.	044626	श्री राकेश हनुमान मय नगाटा ए० सी० ए०, चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार नगाटा पैलेस, वाक्कर चौक, सेन्ट्रल एवेन्यू, नागपुर 440002	1-10-92	102.	070973	श्री मेहता राजेन्द्र ए० सी० ए०, चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार ए/11, तक्षशिला, मेटेलाईट प्लाजा के तजदीक सटेलाईट रोड कार्नेर, अहमदाबाद-380015	1-10-92
95.	044685	श्री जोशी सुरेश चन्ना ए० सी० ए०, चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार एफ० साउथ कावोनी, पो० ओ० बाक्स अम्बुजानगर, अम्बुजानगर पो० आ० गुजरात-362720	1-10-92	103.	072153	श्री शर्मा उत्तम कुमार ए० सी० ए० एडमिनि० आफिसर वि यू इण्डिया एप्रोरेम कं० लि० 210200 1 ला माला, द्वारकेश बिल्डिंग, के अहमदाबाद-380001	1-10-92
96.	045077	श्री मनोष दधीच ए० सी० ए०, गरिमा इन्वैस्टमेंट शेयर एण्ड स्टॉक ब्रोकर, 4 था माला, उस्मान मंगिल, छत्रेरी बाजार बम्बई-4000031	1-10-92	104.	072699	श्री महेश चन्ना बंगालीआ, ए० सी० ए० चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार, द्वारा विहीओकान, गंगापूर कम्पाउण्ड अहमदनगर, महाराष्ट्र	1-10-92
97.	045551	श्री हेमन्तनी दीपक बासुदेव ए० सी० ए०, चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार 29/451, आजाद नगर बोग बेसार्ई रोड, अन्धेरी (पश्चिम) बम्बई-400058	1-10-92	105.	072898	श्री मन्मथ सुनील ए० सी० ए० 402 ए, बरोव स्ट्रीट, स्टील बेंचमर्स, बम्बई-400009	1-10-92
98.	045628	श्री सोमया धनेश केशवजी ए० सी० ए०, चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार फ्लैट नं० बी/13 नालन्दा, प्लॉट नं० 64 बाधि, नई बम्बई-400705	1-10-92	106.	073532	श्री एल० के० महेशवरी आई ए० सी० ए० मैनेजर फायनान्स, श्री इण्डस्ट्रीज लि०, गांव-राजोडा बावला, अहमदाबाद-382220	1-10-92
99.	045762	श्री शाह राजेश पन्ना लाल ए० सी० ए०, चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार 282, नेवीवाडा, साई नाथ काम्पलैक्स कानेश रोड 1 ला माला, मिडवेली-421302	1-10-92	107.	073750	श्री विरेन्द्र के० कुम्भाट, ए० सी० ए०, चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार, कुम्भाट् बी०, एण्ड एमोसिपट्टस सी-122, एलबी, अपार्टमेंट, रिंग रोड, सूरत-395002	1-10-92

ए० के० मजूमदार,  
सेक्रेटरी,

(वार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

कलकत्ता-700071, दिनांक 11 मई 1993

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1993

सं० 3-ई सी०ए०(8)/6/92-93-वार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम, 1988 के विनियम 10(1) खण्ड (बीन) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सदस्य को जारी किया गया प्रैक्टिस प्रमाण-पत्र उसके आगे दी गई तिथि से रद्द कर दिया है क्योंकि वह अपना प्रैक्टिस प्रमाण पत्र को रखने के इच्छुक नहीं है।

सं० एन-12/13/1/93-यो० एवं बि०—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 97 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्मचारी राज्य बीमा निगम, कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 में निम्नलिखित मसौदा संशोधन करना चाहता है जिन्हें उक्त धारा की उपधारा (1) द्वारा यथा अपेक्षित रूप में उसमें प्रभावित होने वाले सभी सम्भावित व्यक्तियों की सूचना के लिए प्रकाशित किया जाता है तथा एतद्वारा नोटिस दिया जाता है कि भारत के राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख के 30 दिन बाद मसौदा संशोधनों पर विचार किया जाएगा।

क्रम सं०	सदस्यता सं०	नाम एवं पता	दिनांक
1.	55401	श्री बन्धुयोगाधराय अभिजीत, ए० सी० ए०, 2-ए, टाकुर गधाकाला लेन, बागबाजार, कलकत्ता-700003	1-2-93

ए० के० मजूमदार,  
सचिव

दिनांक 17 मई 1993

कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम,  
1950 के मसौदा संशोधन

सं० 3-ई० सी०ए०(8)/7/92-93-रेगुलेशन 10(1) की धारा (4) अर्थात् वार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स के रेगुलेशन 1988 के अधिनियम 10(2) (बी) के साथ पढ़ा जाए, के अनुसार एतद्वारा सूचना दी जाती है कि निम्नलिखित सदस्यों का कार्य करने का प्रमाण पत्र उनके आगे दी गई तिथियों से रद्द कर दिये गये हैं क्योंकि उन्होंने कार्य प्रमाण पत्र हेतु वार्षिक शुल्क का भुगतान नहीं किया था।

1. कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम 1950 के विनियम 98 के उप विनियम (iii) तथा विनियम 103-क के उप विनियम (2) के नीचे परन्तुक (i) में (अ) बीमारियों की सूची की क्रम संख्या 22 के बाद निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात्:--

23. फेलियर/जटिलताओं सहित हृदय कपाट रोग।

24. क्रोनिक रक्त का असफल होना।

25. आठ सप्ताह की अवधि से अधिक हैमोपरेनिम।

26. निचले सिरा का पोस्ट-ट्रोमेटिक मजकल अम्पुटेरिज्म।

27. संक्रमण रहित 50 प्रतिशत से अधिक जलना।

28. क्रोनिक अस्थिमयुता के साथ कम्पाउण्ड फ्रैक्चर।

29. कोन्स्ट्रिक्ट हृदय फेलियर के साथ क्रोनिक कोर-पनमोनेन।

(व) बीमारियों की सूची की क्रम संख्या 15 पर वर्णित बीमारी जो "जलोदर सहित जिगर सिरोसिस" के रूप में जानी जाती है, में परिवर्तन करके "जिगर सिरोसिस" कर दिया जाएगा।

उक्त मसौदे के संशोधनों के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति से निर्धारित अवधि के अन्दर प्राप्त होने वाली आपत्ति अथवा सुझाव पर निगम द्वारा विचार किया जाएगा।

क्र० सं०	सदस्यता सं०	नाम एवं पता	दिनांक
1	2	3	4
1.	40182	श्री सुबोधो के० रंगत कुमार, ए० सी० ए० लिब्रेरी अशाउ, नगर, भुवनेश्वर 751007	9-12-91
2.	50912	श्री वनर्जी सुरोजीत, ए० सी० ए०, 44, पी० एन० मुखर्जी रोड, 24 परगा खारदाह	9-12-91
3.	53651	श्री मुखर्जी प्रोमत्ता, ए० सी० ए० बिरला टेक्नीकल सर्विज, अपोअिट होट स्ट्रुप मिल, राऊरकेला स्टील प्लांट, राऊरकेला 769 011	9-12-91
4.	53981	श्री दोषी आनन्द, ए० सी० ए० फाइनेन्शियल कन्ट्रोलर सेलर्स पैमोज (कीन्या) लि., पी० बाक्स नं० 47329, नेरोबी	9-12-91
5.	54068	श्री गंगार अजयकुमार, ए० सी० ए० 11, सरत बोप रोड, कलकत्ता-700 020	1-10-92

ए० के० मजूमदार,  
सचिव

भगवती प्रसाद,  
बीमा आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 17 जून 1993

सं० बी-33(13)-19/92-स्था०-4—कर्मचारी राज्य बीमा (माधारण) विनियम 1950 के विनियम-10 के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 25 के अनुवर्ण में तथा निगम की अधिवृत्ति सं० बी-33(13)-19/87-स्था०-4, दिनांक 28-3-1989 तथा संशोधित दिनांक 13-12-89 का अति-क्रमण करते हुए अध्यक्ष, कर्मचारी राज्य बीमा निगम एतद्वारा हिमाचल प्रदेश राज्य के लिए क्षेत्रीय बोर्ड का पुनर्गठन करते हैं जिसमें निम्न-लिखित सदस्य होंगे, अर्थात् :—

- |  |  |
|--|--|
| 1. राज्यपाल के सलाहकार<br>त्रिभाषल प्रदेश सरकार<br>(जो अन्य विभाग का कार्य देखते हैं)  | अध्यक्ष  |
| 2. सचिव (स्वास्थ्य),<br>हिमाचल प्रदेश सरकार  | उपाध्यक्ष  |
| 3. सचिव (श्रम),<br>हिमाचल प्रदेश सरकार   | सदस्य  |
| 4. निदेशक,<br>स्वास्थ्य सेवाएँ तथा परिवार कल्याण,<br>हिमाचल प्रदेश   | कर्मचारी राज्य<br>बीमा योजना<br>के सीधे प्रभारी<br>अधिकारी<br>प्रदेन सदस्य |
| 5. उप निहत्तमा आहुते,<br>कर्मचारी राज्य बीमा निगम<br>उत्तरी जोन, नई दिल्ली   | प्रदेन सदस्य   |
| 6. आयुक्त एवं सचिव,<br>श्रम एवं रोजगार विभाग,<br>शिमला, हिमाचल प्रदेश सरकार  | राज्य के बासी<br>कर्मचारी राज्य<br>बीमा निगम<br>सदस्य—प्रदेन<br>सदस्य      |
| 7. श्री मुनसुत चौधरी,<br>सेमर्स पम्प्रीस मेनिटी पेपर लि.,<br>बानोटीवाला, जिला सोनन,<br>हिमाचल प्रदेश।                                  | नियोजकों के<br>प्रतिनिधि   |
| 8. श्री योगेन्द्र दिवान<br>हिमाचल प्रदेश का उत्पादक<br>12-ए सेंटर-3 परबान,<br>जिला सोनन, हिमाचल प्रदेश                                 | नियोजकों के<br>अतिरिक्त प्रति-<br>निधि                                     |
| 9. श्री एम० गी० जैन<br>सेमर्स मनेचा केवल<br>मेहातपुर जिला उन्ना,<br>हिमाचल प्रदेश  | —यही—  |
| 10. श्री अणोक गुप्ता<br>प्रबन्धक निदेशक<br>हिमाचल प्रदेश सी० प्रा० लि०<br>गोखलदा तथा मिह,<br>पनवटा साहिब जिला भिरमौर,<br>हिमाचल प्रदेश | —यही—  |
| 11. श्रीमती काना सुह,<br>अध्यक्ष इंटरक<br>35, माल, शिमला।  | कर्मचारियों के<br>प्रतिनिधि  |

12. श्री विजय मिश्र  
महागविष भारतीय मजदूर मध,  
गोख एवं डाकखाना याधेरा  
बाया मलोह, जिला उन्ना,  
हिमाचल प्रदेश

कर्मचारियों के  
अतिरिक्त  
प्रतिनिधि

13. श्री कामेश्वर पण्डित,  
अग्रिष्ठ उपाध्यक्ष  
एंटक, स्किपन विभा,  
शिमला-2

—यही—

14. श्री हेमराज  
ट्रेड यूनियन केन्द्र,  
हिमाचल प्रदेश,  
9, बाया बिल्डिंग,  
शिमला-3

—यही—

15. क्षेत्रीय निदेशक,  
कर्मचारी राज्य बीमा निगम,  
पंजाब क्षेत्र, चण्डीगढ़

सदस्य—सचिव

खनिज परिवार,  
महामिदेशक

श्रम मंत्रालय

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 23 जून 1993

सं. 2/1959/डी. एन. आई. /एकजाम/89/भाग-1/  
2419—जहाँ अनुसूची में उल्लिखित नियोक्तियों के (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण छूट के लिए आवेदन किया है) जिसे हमने इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोइ अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 1(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-2 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना के प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1) में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना के क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त क्रॉयम्बटूर में स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत बोल प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूँ।

## अनुसूची-I

क्रम सं०	स्थान का नाम व पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० सं०
1. मै० गायत्री सिविकेट हण्डस्ट्रीज प्रा० लि० पोस्ट बाकस नं० 13, कलवार (पो० आ०) नं० 13, उडी रोड दिवुपालयम पिन: 641301		टी० एन०/21834	1-11-90 से 31-10-93	2/5020/93— डी० एल० आई०
2. मै० कोनरी ट्रेडिंग, मोरान बाग, अबनगो रोड, कोयम्बरूर-641018		टी एन, 21997	1-3-90 से 28-2-93	2/5019/93— डी० एल० आई०

## अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियाँ भेजेंगी और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी को प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुसूचित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसका नाम भारत बाबरक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/नाम निर्देशितों के प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना धष्टकोष स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिगत दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि वह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम,  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/बी. एल. आई./एकज/89/भाग-1/  
2427—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं में (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूँकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अवधिगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई

है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-11 में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

## अनुसूची-I

क्रम सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	भारत सरकार की अधिसूचना में प्रकाशित दिनांक व संख्या जिसके द्वारा छूट प्रदान की गई है।	छूट की समाप्ति तिथि	छूट बढ़ाई जाने की तिथि	के० प्र० नि० आ० फा० सं०
1	2	3	4	5	6	7
1.	मै० टामरे मिहप लि० उद्योगीशालयम (जो पहले मै० कोयम्बटूर कमला मिहप लि० के नाम से जाने जाती थी) कोयम्बटूर 641015	टी० एन/68	एस-35014(291) 83-पार्ट-II एस० एस० -1	23-12-89	24-12-89 से 23-12-92	2/967/89- डी० एल० आई०
					24-12-92 से 23-12-95	
2.	मै० दि टुडियालुर कोओपरेटिव एग्री-कल्चर्स सर्विसोस लि० टुडियालुर पो० आ० कोयम्बटूर	टी० एन०/6326	2/1959/डी० एल० आई०/छूट/पार्ट-I 21-5-90	27-6-91	28-6-91 से 27-6-94	2/250/ डी० एल० आई०/
					85	
3.	मै० संजु इलेक्ट्रीकल्स इण्डस्ट्रीज लि० 12वां कि०मी० पुवाई रोड मलुमीचामपनी पो० बी० कोयम्बटूर-641021	टी० एन/7169	2/1959/डी० एल० आई०/छूट/पार्ट-1/ 77८/दिनांक 3-5-91	28-2-91	1-3-91 से 28-2-94	2/3497/91- डी० एल० आई०
4.	मै० नमिननाडु टैक्सटाईल कारपोरेशन लि०, 12, ब्रूजर रोड, कोयम्बटूर-641018	टी० एन/7510-ए	एड-35014/185/85-एस एस-II दिनांक 3-9-85	2-9-88	3-9-88 से 2/1204/डी० एल० 2-9-91 आई०/85	
					3-9-91 से 2-9-94 तक	
5.	मै० डेक्कन एरिडएरटम एण्ड प्रोविंगम लि० टी० एन/7841-ए एस० एफ० नं० 293 पीएल/रोड, मालुमीचामपनी कोयम्बटूर-641021	टी० एन/7841-ए	2/1959/डी० एल० आई०/छूट/89- पार्ट-1 दिनांक 28-8-90	28-2-91	1-3-91 से 28-2-94	2/2434/90- डी० एल० आई०
6.	मै० साउथन ग्रैस टूल्स लि० चेहिवल्लयम रोड मैथीमीचामपेटी पोस्ट, कोयम्बटूर 641021	टी० एन०/8256	2/1959/डी० एल० आई०/छूट/89 पार्ट-1 दिनांक 26-2-90	28-2-91	1-3-91 से 28-2-94	2/3117/90- डी० एल० आई०
7.	मै० कोयम्बटूर गीटी कोओपरेटिव बैंक 119, डा० ननशापा रोड, कोयम्बटूर-641018	टी० एन०/3250	एस-35014/52/84/पी० जी० एस० एस० एस० II दिनांक 15-1-88	2-6-90	23-6-90 से 22-6-93 तक 23-6-93 से 22-6-96 तक	2/1046/90- डी० एल० आई०

## अनुसूची II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसे विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समीक्षा के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस वृत्ति में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पानिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की वृत्ति में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक द्वारा स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की दीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

रा. 2/1959/डी. एल. आई./एकअम/89/भाग-1/2435--जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजताओं में (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

धुकि में, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग बंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, क्योंकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निधि सहवृद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को अभिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

## अनुसूची-I

क्रम सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	भारत सरकार के अधिसूचना में प्रकाशित दिनांक व सं० जिसके द्वारा छूट प्रदान की गई	छूट की समाप्ति तिथि	छूट बढ़ाई जाने की तिथि	क० भ० नि० आ० फा० सं०
1	2	3	4	5	6	7
1.	सै० मालिक क्रोम कम्पनी वार्डगाम रोड रानीपेट 632401 नार्थ सरकार डिस्ट्रिक्ट मद्रास	टी० एन०/2229-ग	2/1959/डी० एन० आई०/छूट/89- पार्ट-1 दिनांक 17-11-89	31-12-91	1-1-92 से 31-12-95	2/2607/90- डी० एल० आई०
2.	सै० नार्थ सरकार डिस्ट्रिक्ट सद्योदया संघ लि० 10-11 न्यू गिटिंग बाजार बैलोर 632004	टी० एन०/2981-ग	बही दिनांक 18-9-90	28-2-90	1-3-90 से 28-2-93	2/2003/89- डी० एल० आई०
3.	सै० माउथन स्वीचमियर लि० प्लाट नं० 7 एम० टी० एच० रोड मद्रास-58	टी० एन०/3469	बही दिनांक 19-2-92	29-10-91	30-10-91 से 20-10-94	2/503/81- डी० एल० आई०
4.	सै० प्रिंटिनिया इण्डस्ट्रीज लि० एच० टी० एच० रोड पाली मद्रास-50	टी० एन०/4843	बही दिनांक 4-10-90	28-2-90	1-3-90 से 28-2-93	2/2929/90- डी० एल० आई०
5.	सै० ईस्ट इण्डिया मेरामिक्स 54, निरुपाशी- पुरम बैलोर-632056	टी० एन०/6287	2/1959/डी० एल० आई०/छूट/89- पार्ट-1 दिनांक 29-8-90	28-2-90	1-3-90 से 28-2-93	2/2726/90- डी० एल० आई०
6.	सै० उद्दियार बैकरी हाउस, 10 सरदार पटेल रोड मद्रास-20	टी० एन०/9643	एम-3504/57/88/एम० एम-11 दिनांक 26-7-88	25-7-91	26-7-91 से 25-7-94	2/1759/88- डी० एल० आई०
7.	सै० एनिकटोन इंजीनियरिंग इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० सी-17 कुमरी सैन रोड अम्बालूर इण्डस्ट्रीयल एस्टेट मद्रास-58	टी० एन०/10531	2/1959/डी० एल० आई०/छूट/89 पार्ट-1 दिनांक 10-5-90	28-2-92	1-3-92 से 28-2-95	2/2400/93- डी० एल० आई०
8.	सै० हलबटोन इण्डिया टाईप-II युनिट नं० 9 डा० सी० एम० टी०, एस्टेट श्रीमन्न मियार मद्रास-600041	टी० एन०/12170	बही दिनांक 17-1-89	31-8-90	1-9-90 से 31-8-93	2/258/90- डी० एल० आई०
9.	सै० इन्टर नेशनल सर्विस 44-45, राजा जी स्पाई मद्रास-1	टी० एन०/16445	बही दिनांक 4-10-89	31-8-90	1-9-90 से 31-8-93	2/2570/92- डी० एल० आई०
10.	सै० इक्विट्रानिक्स कारपोरेशन आफ तमिलनाडु लि० चौथी मजिल 135 माउन्ट रोड मद्रास-2	टी० एन०/16633	बही दिनांक 21-8-90	28-2-90	31-3-93 से 28-2-93	2/1088/89- डी० एल० आई०
11.	सै० कोरडिका मैनुफैक्चरींग (ई०) लि० अबादी पोतामली रोड मद्रास-17	टी० एन०/17352	बही दिनांक 1-8-90	30-6-91	1-7-91 से 30-6-94	2/2632/90- डी० एल० आई०
12.	सै० बुरन्दल फुड्स प्रा० लि० 2 मारी मलाइ तगर विगलमैर जिला (मद्रास)	टी० एन०/19272	बही दिनांक 12-7-91	31-8-92	1-9-91 से 31-8-95	2/3606/91- डी० एल० आई०
13.	सै० डकीवेक प्रा० लि०, 2 डा० लायर रोड टी० नगर मद्रास-17	टी० एन०/19675	बही दिनांक 9-3-90	28-2-92	1-3-92 से 28-2-95	2/2415/90- डी० एल० आई०

## अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के कण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध लाभ दशाएँ जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जग वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिफल के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति-युक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को ब्यगल हो जाने दिया जाता है तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्दार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एन. आई./एकजम/89/भाग-1/  
2443--जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकाओं के (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण छूट के लिए आवेदन किया है) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई जलब अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 1(क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ मेलन अनुसूची II में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-) में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त मद्रास ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत विल प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूँ।

## अनुसूची-I

क्रम सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० प्र० नि० आ फा० सं०
1. मै० जर्नल ओरिंटल (एशिया) लि० आर० एम०-84/1, माला बाड़ू, पावकुम, पोंडु-चेरी-605007		पी० सी०/296	1-4-92 से 31-3-95	2/5080/93- डी० एल० आई०
2. मै० मद्रास सेंट्रल को ओ० बैंक लि०, 114/1 प्रकाशन मलाई मद्रास		टी० एन०/4142	1-9-89 से 31-8-92	2/5078/93- डी० एल० आई०
3. मै० ट्रांसकोर पी० बाक्स नं० 8621, टाईप 11/4, इवसट्रोनिक कैम्पस, विल्लुमीपुर मद्रास-600041		टी० एन०/10173	1-9-89 से 31-8-92	2/5079/93- डी० एल० आई०
4. मै० हारीता फिनांस, 8 हाइ रोड, मद्रास-6		टी० एन०/22683	1-5-91 से 31-4-94	2/2269/89- डी० एल० आई०

## अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके बराबर नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विण्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 का उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुत संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के तुलना बट्ट पर प्रेषित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों में अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभवे हैं।

3-159GI/93

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदाय राशि से कम है जो कर्मचारी की उस वक्ता में संदाय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, यहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम को, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की वक्ता में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कादर नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/ 1959/डी. एन. आई./एकजम/89 / भाग-1 2457—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण छूट के लिए आवेदन किया है) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी

निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 1(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-II में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1 में) उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना का क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त मद्रास ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत डील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूँ।

#### अनुसूची-I

क्र० सं० स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० सं०
1. मैं० इनोर फाउंडरीज लि०, इन्दौर, मद्रास	टी०एन०/2984	1-5-92 से 30-4-95	2/5089/93- डी० एल० आई०
2. मैं० एम० एम० इन्टरप्राइजिज आरती चेम्बर, 11, फ्लोर, अना सलाई, मद्रास-600006	टी० एन०/26082	1-4-92 से 31-3-95	2/5091/93- डी० एल० आई०

#### अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेंगे और ऐसे लेखा रखेंगे तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेंगे जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेंगे जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेंगे।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेंगे और उसकी वास्तव आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेंगे।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेंगे, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल है जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभूत है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेद्य राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संवेद्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिवक वारिस/नाम निर्वाहियों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेंगे।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देना।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिगत की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त,

कंटोनमेंट बोर्ड मोरार

दिनांक अप्रैल 1993

सं० का०नि०आ० 1/69/सी०ए०-एम० सी० —मोरार छावनी में भवनों के परिनिर्माण और पुनः परिनिर्माण के विनियमन के लिए उप-विधियों में संशोधन करने वाली निम्नलिखित उपविधियां जो भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना सं० का०नि० आ० 103, दिनांक 18 फरवरी 1958 के साथ प्रकाशित की गई थी, छावनी अधिनियम 1924 (1924 का 2) की धारा 284 में यथा अपेक्षित छावनी बोर्ड की सूचना सं० 1/69 सी ए-एम०सी दिनांक 01 मई, 1992 के साथ ऐसे सभी व्यक्तियों से 30 मई 1992 तक आक्षेप और सुझाव आमंत्रित करने के लिए प्रकाशित की गई थीं जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है;

और छावनी बोर्ड मोरार द्वारा अनुबद्ध अवधि के भीतर जनता से कोई आक्षेप और सुझाव प्राप्त नहीं हुए;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिनियम की धारा 284 की उप-धारा (1) में अपेक्षित रूप में उक्त उपविधियों का सम्यक्तः अनुमोदन और पुष्टि कर दी है;

अतः अब छावनी बोर्ड, मोरार, उक्त अधिनियम की धारा 186 और धारा 282 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार की पूर्ण मजूरी से, मोरार छावनी में भवन के परिनिर्माण और पुनः परिनिर्माण का विनियमन करने वाली उपविधियों में, जो भारत के राजपत्र भाग 2 खण्ड 4 में का० नि० आ सं० 103 दिनांक 18 फरवरी, 1958 में प्रकाशित हुई थीं। निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात्:

1. (i) संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ — इन उपविधियों का संक्षिप्त नाम मोरार छावनी (भवनों का परिनिर्माण या पुनः परिनिर्माण) संशोधन उपविधियों, 1993 है।

(ii) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।

2. (i) उपविधि 3 में "30 सेंटीमीटर माप बराबर एक सेंटीमीटर" शब्दों और अंकों के स्थान पर, "एक मीटर बराबर एक सेंटीमीटर" शब्द रखे जायेंगे।

(ii) उपविधि 7 में "भूतल 4 मीटर" शब्दों और अंक के स्थान पर "भूतल 3 मीटर" शब्द और अंक रखे जायेंगे।

(iii) उपविधि 18 के परन्तु निम्नलिखित उपविधि जोड़ी जायगी, अर्थात्:— 19 नए निर्माण के लिए और जहाँ छावनी बोर्ड द्वारा मकान संख्या आवंटित कर दी गई है अधिकतम निर्मित क्षेत्र भूखंड के कुल क्षेत्र के 80% से अधिक नहीं होगा। सामने की ओर खुला छोड़ा गया स्थूलतम क्षेत्र लंबाई में 2 मीटर से कम नहीं होगा और निर्मित भाग के एक ओर चौड़ाई में, 1 मीटर से कम नहीं होगा।

(फा० सं० 12/5 सी०/डी० ई०/91)

के० पी० शर्मा,  
छावनी कार्यपालक अधिकारी  
मोरार

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

बम्बई, दिनांक 26 मई 1993

सं० यू० टी०/डी० बी० डी० एम०/2454 ए/एन० पी० डी० 71 बी०/92-93 बढ़ती मासिक आय यूनिट योजना बोनस सहित 1992 (II), [जी० एम० आई एस० बी०-92 (II)] के प्रावधान जो भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 की धारा 21 के अन्तर्गत बनाए गए हैं और जिसे दिनांक 09 नवम्बर 1992 को हुई बैठक में कार्य-कारिणी समिति ने अनुमोदन किया है, इसके नीचे प्रकाशित किए जाते हैं।

बढ़ती मासिक आय यूनिट योजना बोनस सहित 1992 (II)

के प्रावधान

(जी० एम० आई एस० बी०-92 (II))

भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 (1963 का 52) की धारा 21 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय यूनिट ट्रस्ट का बोर्ड एनवद्वारा निम्नलिखित यूनिट योजना बनाता है।

संक्षिप्त शीर्षक और योजना का आरंभ

(1) यह योजना बढ़ती मासिक आय यूनिट योजना बोनस सहित 1992 (II) (जी० एम० आई एस० बी०-92 (II)) कही जाएगी।

(2) यह योजना 16 दिसम्बर 1992 से आरंभ होगी।

(3) यूनिटों की बिक्री 16 दिसम्बर 1992 से 28 जनवरी, 1993 तक 43 दिनों के लिए की जायेगी।

बशर्ते अक्षय या कार्यपालक न्यासी योजना के अन्तर्गत योजना आरंभ होने के पश्चात् यूनिटों की बिक्री किसी भी समय प्रमुख समाचार पत्र के माध्यम से 7 दिनों की सूचना देकर या अन्य किसी माध्यम से जैसा निश्चय किया जाएगा, स्थगित कर सकते हैं या बढ़ा सकते हैं।

मासिक आय यूनिट योजना अतिरिक्त बोनस सहित वृद्धि 9 (एम० आई० एस० जी०) (9) और बढ़ती मासिक आय यूनिट योजना 87 (II) [जी० आई० यू० एस० 87 (ii)] के अन्तर्गत यूनिट धारकों के लिए परिवर्तन विकल्प

दो नियत कालीन योजनाएं अर्थात् एम० आई० एम० जी० 9 और जी० आई० यू० एम० 87 (II) 31-12-1992 को समाप्त हो जाएगी। इन योजनाओं के अन्तर्गत यूनिट धारकों को इस योजना की यूनिटों में अपनी धारित राशि को परिवर्तन करने की अनुमति दी जाएगी। 1-1-1993 से परिवर्तन प्रभावित होगी और इस योजना की यूनिटों में (50 यूनिटों के गुणों में परिवर्तन के बाद यदि कोई मूल्य वृद्धि या शेष राशि हो उन्हें छोड़कर) परिवर्तित की जायेगी। शेष राशि जो 50 यूनिटों के गुणों में नहीं है उन्हें मूल्य वृद्धि राशि के साथ यूनिटधारकों को वापस कर दी जायेगी। परिवर्तन के बाद ये यूनिटधारक इस योजना के यूनिट धारकों के समान समझे जायेंगे और तदनुसार उन पर सभी प्रावधान लागू होंगे।

## II. परिभाषाएं :

इस योजना में जब तक कि विषयवस्तु में अन्यथा अपेक्षित न हो :

- (क) "अधिनियम" का अर्थ है भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963;
- (ख) "स्वीकृति तिथि" ट्रस्ट द्वारा यूनिटों की बिक्री या पुनः खरीद के लिए ट्रस्ट को भेजे गए आवेदन पत्र के संदर्भ में स्वीकृति तिथि का अर्थ है उक्त तिथि जब ट्रस्ट संतुष्ट होकर आवेदन पत्रों को स्वीकार करता है और समझता है कि यह सही है।
- (ग) "आवेदन" का अर्थ है योजना के अन्तर्गत कोई आवेदक और आवेदन पत्र में दिए गए बकल्पिक आवेदक को भी सम्मिलित किया जाएगा जब मानसिक विकलांग व्यक्तियों के लाभ के लिए यूनिटें बेची जा रही हों।
- (घ) "परिवर्तन करने वाला" से अभिप्रेत है और इसमें एम० आई० एम० जी० 9 और जी० आई० यू० एम० 87 (II) के अन्तर्गत सभी यूनिट धारक शामिल होंगे जिन्होंने अपनी धारित राशि के लिए इस योजना की यूनिटों में परिवर्तित करने का विकल्प चुना है।
- (ङ) "पात्र संस्था" का अर्थ है पात्र ट्रस्ट जिसे भारतीय यूनिट ट्रस्ट साधारण विनियम 1964 के अन्तर्गत परिभाषित किया गया है और निजी ट्रस्ट जिसे लिखत अनुदेश के माध्यम से निर्मित किया गया है और अप्रति संप्रहणीय हो या धर्मार्थ ट्रस्ट या धार्मिक ट्रस्ट या धर्मदा या पंजीकृत समिति जिसे केन्द्रीय या राजस्व अधिनियम जो अब प्रचलित है के अन्तर्गत या द्वारा निर्देशित नियंत्रित या पर्यवेक्षित किया गया है या पंजीकृत सहकारी समिति सम्मिलित होगा।
- (च) "मानसिक विकलांग व्यक्ति" का अर्थ है कोई व्यक्ति जो ऐसी मानसिक असमर्थता से पीड़ित है जिसके कारण वह जीवन के सामान्य कार्यों को निभा नहीं सकता और ऐसा ही पंजीकृत चिकित्सक द्वारा भी प्रमाणित किया गया है।
- (छ) जारी समझी जाने वाली यूनिटों की संख्या का अर्थ है बिक्री की गई और बकाया बची यूनिटों की समग्र संख्या।
- (ज) "व्यक्ति" में पात्र संस्था जैसा कि ऊपर परिभाषित किया गया है, शामिल होगा।
- (झ) "मान्यता प्राप्त शेयर बाजार" का अर्थ है ऐसा शेयर बाजार जो उस समय के लिए प्रतिभूति संहिता (विनियम) अधिनियम 1956 (1956 का 42) के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त है।
- (ञ) "विनियम" का अर्थ है भारतीय यूनिट ट्रस्ट सामान्य विनियमावली 1964 जो अधिनियम की धारा 43 (1) के अन्तर्गत बनाई गई है।

- (ट) "समिति" का अर्थ है, किसी राज्य या केन्द्रीय उस समय लागू विधि के अन्तर्गत स्थापित समिति के अन्तर्गत पंजीकृत समिति।
- (ठ) "यूनिट" का अर्थ है यूनिट पूंजी में 10 रुपये के अंकित मूल्य का एक अविभक्त शेयर।
- (ड) योजना के अन्तर्गत "यूनिट धारक" का प्रयोग 'आवेदक' के लिए होता है।
- (ढ) नाबालिग के मामले में 'बकल्पिक आवेदक' का अर्थ है नाबालिग की ओर से आवेदन करने वाले जनक के अलावा कोई अन्य जनक।
- (ण) अथवा सभी अभिव्यक्तियों, जो यहां परिभाषित नहीं की गई हैं, किंतु अधिनियम में परिभाषित हैं, का वही अर्थ होगा जो अधिनियम में दिए गए हैं।

## III. प्रत्येक यूनिट का अंकित मूल्य।

प्रत्येक यूनिट का अंकित मूल्य 10 रुपये होगा।

यूनिटों के लिए आवेदन पत्र :

- (1) यूनिटों के लिए आवेदन केवल निवासियों द्वारा ही किया जाएगा

अर्थात् :—

- (क) व्यक्ति अकेला या अन्य व्यक्ति के साथ संयुक्त रूप में : उत्तरजीवी आधार पर
- (ख) माता-पिता, सोतेला माता-पिता या नाबालिग की ओर से : अन्य विधिक अभिभावक निवासी। कोई भी आवेदन व्यस्क और नाबालिग संयुक्त रूप में नहीं पेश कर सकते हैं।
- (ग) कोई पात्र संस्था योजना के अन्तर्गत परिभाषित अ-प्रतिस्पर्धीय निजी ट्रस्ट के सहित
- (घ) कोई व्यक्ति जो किसी अन्य व्यक्ति के लाभ के लिए है जो मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति है।
- (ङ) योजना के अन्तर्गत परिभाषित समिति।
- (च) एक पंजीकृत सहकारी समिति।
- (छ) अन्य निर्गमित निःकाय बैंक सहित और कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 25 के अन्तर्गत धारित अलाभकारी कम्पनियां किंतु उन अन्य कम्पनियों को छोड़कर जो कम्पनी अधिनियम 1956 के अन्तर्गत पंजीकृत हैं।
- (ज) जिस निवेशक ने एम० आई० एम० जी० 9 और जी० आई० एम० 87 (II) को धारित राशि को इस योजना में परिवर्तन करने के विकल्प का चयन किया है।
- (झ) हिन्दू अविभक्त परिवार
- (2) आवेदन ऐसे फार्म में किया जाएगा जो ट्रस्ट के अध्यक्ष कार्यपालक न्यासी द्वारा अनुमोदित किया जा सके।
- (3) मानित आवेदन के संबंध में आवेदन न्यूनतम 500 यूनिटों के लिए किया जाएगा और इसके बाद 50 के गुणों में। इसी प्रकार संबंधी विकल्प के अन्तर्गत आवेदन कम से कम 200 यूनिटों के लिए किया जाएगा और इसके बाद 50 गुणों में।

- IV. (1) किसी आवेदक द्वारा आवेदित यूनिटों के लिए उसके आवेदनपत्र के साथ नकद चेक या ड्राफ्ट द्वारा भुगतान किया जाएगा। चेक या ड्राफ्ट उक्त नगर के अन्तर्गत स्थित बैंक की किसी शाखा पर आहरित होना चाहिए जहां कार्यालय हो और आवेदन पत्र वहां जमा किया जा रहा हो।

किंतु यदि आवेदक जहाँ पर ट्रस्ट कार्यालय है इससे बिस्म स्थान पर यूनिटों के आवेदन जमा करना चाहते हैं तो वे अपने आवेदन पत्र को आवेदित यूनिटों के लिए बैंक ड्राफ्ट के साथ बैंक ड्राफ्ट प्रसार घटाकर भेज सकते हैं।

- (2) यदि भुगतान बैंक द्वारा किया जाता है तो स्वीकृति तिथि ट्रस्ट द्वारा बैंक प्राप्त करने की तिथि होगी या प्राधिकृत बैंक या संग्रहण केन्द्र की निर्धारित शाखा द्वारा बशर्ते कि बैंक की राशि प्राप्त हो गई हो। यदि ड्राफ्ट द्वारा भुगतान किया जाता है तो स्वीकृति तिथि उक्त ड्राफ्ट निर्गत होने की तारीख होगी बशर्ते उक्त ड्राफ्ट की राशि प्राप्त हो गई हो साथ ही ट्रस्ट द्वारा या प्राधिकृत बैंक की निर्धारित शाखा या संग्रहण केन्द्र द्वारा आवेदन पत्र उक्त अवधि के अन्तर्गत प्राप्त हो गया हो जो ट्रस्ट द्वारा उचित समझा जाएगा। यदि आवेदित यूनिटों के लिए भुगतान के वास्ते जमा की गई राशि आवेदित यूनिटों के लिए देय राशि से कम है तो आवेदक को उतनी कम संख्या यूनिटें जारी की जाएगी जितनी योजना के अन्तर्गत की जाती तथा शेष राशि उन्हीं को उसके खर्च पर उस रूप में वापस कर दी जाएगी जिस रूप में ट्रस्ट सही समझेगा।

- (3) यूनिट प्रमाण पत्र पंजीकृत डाक द्वारा रिकार्डेड डिलीवरी से पावती के साथ या बिना पावती के आवेदक द्वारा दिए गए पते पर भेज दिया जाएगा। प्रेषित यूनिट प्रमाण-पत्र के खो जाने नुकसान होने, गलत डिलीवरी या नहीं डिलीवरी मिलने के संबंध में ट्रस्ट उत्तरदायी नहीं होगा।

- (4) पाल संस्था या निगमित निकाय को ट्रस्ट द्वारा निर्गत प्रमाणपत्र पाल संस्था/निगमित निकाय के नाम पर ही जारी किया जाएगा।

- (5) आवेदन पत्र को स्वीकार करने या अस्वीकार करने का ट्रस्ट का अधिकार।

योजना के अन्तर्गत यूनिटों के जारी करने के लिए प्राप्त आवेदन पत्रों को स्वीकार करने या अस्वीकार करने का एक मात्र विवेकाधिकार ट्रस्ट को रहेगा। योजना के अन्तर्गत आवेदन करने वाले किसी व्यक्ति की पात्रता या अन्यथा के संबंध में ट्रस्ट का निर्णय अन्तिम होगा।

- (6) आवेदक को यूनिटें जारी करने से पहले योजना के अन्तर्गत गतों को पूरा करना होगा :

योजना के अन्तर्गत यूनिटों के लिए आवेदन करने वाले व्यक्तियों को आवेदन करने की उनके पात्रता को ट्रस्ट को सुनिश्चित करना होगा और ट्रस्ट को सभी अपेक्षाओं को पूरा करना होगा। ट्रस्ट की तृप्ति के लिए बैसी अपेक्षाओं का अनुपालन या अन्यथा ट्रस्ट के एक मात्र विवेक पर होगा। जो व्यक्ति गलत घोषणा कर यूनिटें रखता है वह यूनिट प्रमाणपत्र को निरस्त किए जाने का भागी होगा और उसका नाम यूनिट धारकों के रजिस्टर से काट दिया जाएगा ऐसी स्थिति में ट्रस्ट को अधिकार होगा कि वह यूनिटों की पुनर्खरीद सम मूल्य पर करे और गलती से भुगतान किए गए आय वितरण की राशि की वापसी पुनर्खरीद आय से करे और शेष राशि को वापस कर दे। इस राशि पर कोई व्याज भी नहीं मिलेगा चाहे ट्रस्ट को पुनर्खरीद करने और आवेदन को पुनर्खरीद राशि प्रेषित करने में जितना भी समय लगे।

#### V. यूनिटों की बिक्री :

यह माना जाएगा कि यूनिटों की बिक्री के लिए संविदा स्वीकृति की तिथि को पूरी हुई है। बिक्री के लिए संविदा की समाप्ति पर ट्रस्ट यथा संभव इसके बाद आवेदक को एक यूनिट प्रमाण पत्र जारी करेगा जिसमें यूनिटों का उल्लेख होगा।

#### VI. यूनिटों की पुनर्खरीद :

- (1) केवल यहाँ दी गई परिस्थितियों को छोड़कर ट्रस्ट 1 फरवरी 1996 के पहले पुनर्खरीद नहीं करेगा।

- (2) मासिक आय विकल्प :

ट्रस्ट योजना चालू रहने के दौरान 01 फरवरी 1996 के बाद पुनर्खरीद के लिए यूनिट प्रमाणपत्र/पत्रों की प्राप्ति पर सम मूल्य पर पुनर्खरीद करेगा। किंतु उनके लिए यूनिट प्रमाणपत्र की दूसरी ओर के फार्म विधिवत रूप से भरे होने चाहिए और प्रमाणपत्र में अंकित सभी यूनिटें पुनर्खरीद के लिए प्रस्तुत की जानी चाहिए। यूनिट प्रमाणपत्रों में अंकित यूनिटों की आंशिक पुनर्खरीद की अनुमति नहीं दी जाएगी। यूनिट धारक पुनर्खरीद के लिए आवेदन करते समय तब तक बकाया सभी अवसत आय विवरण वारंटों को और पुनर्खरीद माह के वारंटों की भी ट्रस्ट को सौंपना होगा। ट्रस्ट यूनिट प्रमाण पत्र पुनर्खरीद के लिए स्वीकार करने के बाद भविष्य के महीनों को यूनिटों के लिए आय वितरण वारंट देने को बाध्य नहीं होगा और नाही पुनर्खरीद मूल्य पर कोई व्याज देय होगा। प्रमाणपत्र और अवसत आय वितरण वारंट प्राप्त होने पर ट्रस्ट उसे अपने पास निरसन के लिए रखेगा।

- (3) पूर्ववर्ती उप-खण्डों में किसी बान के होते हुए यदि यूनिट धारक जब तक बकाया आय वितरण वारंटों को नहीं सौंपता तब तक ट्रस्ट भविष्य में देय आय वितरण वारंट की राशि को पुनर्खरीद मूल्य से घटाकर और शेष राशि को यूनिट धारक को देने के लिए स्वतन्त्र होगा। ट्रस्ट द्वारा यूनिट प्रमाणपत्र स्वीकृत करने पर भविष्य का आय वितरण स्वीकृति माह के आय वितरण सहित यूनिट-धारक को प्राप्त नहीं होगा और ऐसी बकाया आय वितरण राशियों पर ट्रस्ट का दावा रहेगा।

- (4) किसी भी यूनिट धारक को पूरा वर्ष मासिक आधार पर आय पाने के लिए उसे यूनिटों को पूरा वर्ष रखना चाहिए। यदि यूनिट धारक वर्ष के कुछ महीनों के लिए यूनिटें रखता है तो यूनिटों की धारण अवधि के लिए आनुपातिक आधार पर आय वितरित की जाएगी। उसे किसी भी कलेंडर माह की पूरी अवधि के लिए धारक बना रहना होगा। माह के किसी अंश को चाहे वह कितने दिनों का भी हो, उसे सदैव छोड़ दिया जाएगा।

- (5) यूनिट धारक की मृत्यु की स्थिति में संबंधित प्रमाणपत्र और मृतक यूनिट धारक के नाम बकाया अवसत आय वितरण वारंट को वैध प्रतिनिधि या नामित द्वारा ट्रस्ट के पास जमा करने पर ट्रस्ट, बाबे की पुष्टि के संबंध में औपचारिकताओं की पूर्ति होने पर, सम मूल्य पर यूनिटों की पुनर्खरीद करेगा और बाबे के निपटान की तिथि तक बकाया आनुपातिक यासिक आय वितरणों का भुगतान करेगा और यह पूरे महीने की अवधि के लिए किया जाएगा।

- (6) ट्रस्ट द्वारा पुनर्खरीद की गई यूनिटों का भुगतान कटौतियों के बाद यदि कोई हो, स्वीकृति तिथि के बाद, आवेदक द्वारा आवेदन पत्र में सूचित पद्धति से यथाशीघ्र किया जाएगा। आवेदक को बकाया राशि पर किसी भी कारण से कोई व्याज देय नहीं होगा और प्रेषण का लागत (डाक खर्च सहित) या ट्रस्ट द्वारा भेज गए बैंक या ड्राफ्ट की बसूली आवेदक द्वारा ही दिया जाएगा।

## संचयी बिकल्प

संचयी बिकल्प के मामले में ट्रस्ट यूनिट प्रमाणपत्र में समाविष्ट यूनिटों की पुनर्खरीद नियमित आधार पर घोषित पुनर्खरीद मूल्य पर करेगा। यूनिट धारक को अवश्य सुनिश्चित करना चाहिए कि पृष्ठ भाग पर दिए गए फार्म को अच्छी तरह भरा गया है और प्रमाणपत्र में समाविष्ट सभी यूनिटें पुनर्खरीद के लिए जमा की गयी हैं। आंशिक पुनर्खरीद की अनुमति नहीं दी जाएगी।

## VII. यूनिटों की पुनर्खरीद पर प्रतिबंध

योजना के किसी प्रावधान में किसी बात के होते हुए ट्रस्ट यूनिटों की पुनर्खरीद के लिए उत्तरदायी नहीं होगा :-

- (i) उक्त दिवसों में जब कि वे कार्य दिवस नहीं हैं; और
- (ii) उक्त अवधि के दौरान जबकि यूनिट धारकों के रजिस्टर बहियों और लेखों की वार्षिक बन्दी (ट्रस्ट द्वारा यथा अधिसूचित) के कारण बन्द रहती है।

## स्पष्टीकरण :

इस योजना के प्रयोजन के लिए "कार्य दिवस" का अर्थ होगा एक ऐसा दिन जो निम्नलिखित दोनों में कोई भी दिवस नहीं है।

- (i) परक्राम्य लिखित अधिनियम 1981 के अन्तर्गत महाराष्ट्र राज्य में या वैसे अन्य राज्यों में जहां ट्रस्ट की अपनी शाखाएं हैं, अधिसूचित हो, या
- (ii) भारत के राजपत्र में ऐसे "दिवस के रूप में" अधिसूचित हो जिस दिन ट्रस्ट का कार्यालय बन्द रहेगा।

## VIII. बिक्री और पुनर्खरीद मूल्य

- (1) यूनिटों की बिक्री के दौरान यूनिटों का मूल्य सम-मूल्य पर होगा।

मासिक आय बिकल्प के अन्तर्गत अवलम्ब अवधि के बाद पुनर्खरीद सममूल्य पर होगा।

संचयी बिकल्प के अन्तर्गत अवलम्ब अवधि के बाद संचयी बिकल्प के लिए पुनर्खरीद मूल्य निम्नवत निकाला जाएगा।

जिस दिन का पुनर्खरीद मूल्य निर्धारित किया जाता है "उसके तुरन्त पहले कार्य दिवस को" "कारोबार" की समाप्ति के मूल्य से उसकी आस्तियों में भाग देकर पुनर्खरीद मूल्य निकाला जाएगा।

इसकी आस्तियों से देयता को घटाकर जो आकस्मिक देयताएं नहीं हैं को घटाकर या प्रारंभिक पूंजी के संबंध में देयताएं और यूनिट पूंजी प्रारंभिक राशि सहित यदि कोई उक्त कार्य दिवस को कारोबार के बन्द होने के समय हो, को उक्त दिन के कारोबार की समाप्ति के समय तक जारी समझी जाने वाली यूनिटों की संख्या से भाग देकर तथा उससे उक्त राशि को घटाकर जो ट्रस्ट की राय में दलाली कमीशन तथा करों यदि कोई है, को देने, स्टाम्प ड्यूटी और अन्य प्रकार जो ट्रस्ट द्वारा निवेशों की वसूली से संबंधित है के लिए पर्याप्त है और गिरवी प्रवृत्ति वाले मूल्यों को अधिकतम 5 पैसे प्रति यूनिट द्वारा समायोजित कर पुनर्खरीद मूल्य निकाला जाएगा।

- (2) खण्ड XXV में विनिर्दिष्ट तरीके से योजना की समाप्ति की स्थिति में ट्रस्ट पुनर्खरीद मूल्य का निर्धारण निम्न रूप से करेगा। योजना की समाप्ति के लिए अधिसूचित तिथि को कारोबार की समाप्ति पर योजना से संबंधित आस्तियों के मूल्य में योजना से संबंधित देयताओं को घटाएँ और बकाया यूनिटों की संख्या से उसमें भाग दें ट्रस्ट की राय में दलाली, कमीशन यदि कोई है, स्टाम्प शुल्क और निवेशों की वसूली के संबंध में कोई अन्य खर्च और योजना के संबंध में आस्तियों का यूनिट धारकों के वितरण और अन्य समायोजन को

पूरा करने के लिए जो आवश्यक है, उन्हें उनसे घटाएँ/ उक्त स्थिति में प्रति यूनिट आस्ति का अन्य वितरण योग्य घटक के लिए सममूल्य के अलावा पुनर्खरीद मूल्य होगा जो ट्रस्ट द्वारा अपने लेखा परीक्षकों के संतोषजनक रीति से निकाला जाएगा और जिस रूप में बोर्ड उसे अनुमोदित करेगा।

बशर्ते कि इन प्रावधानों में किसी बात के हुए पुनर्खरीद मूल्य भी निम्नवत निकाला जाएगा। नियतन की अवधि के संदर्भ में योजना को आश्रित आस्तियों के मूल्य में उसी अवधि के संदर्भ में योजना से संबंधित देयताओं को घटाकर तथा उक्त तिथि को कारोबार की समाप्ति पर यूनिटों की संख्या से उस रूप में भाग देकर जैसा बोर्ड निर्धारित करेगा पुनर्खरीद मूल्य निकाला जाएगा। इस रूप में पुनर्खरीद निकालने में ट्रस्ट और यूनिट धारकों के हित को ध्यान में रखा जाएगा।

## IX. अन्तिम पुनर्खरीद मूल्य का प्रकाशन :

योजना की समाप्ति पर खण्ड XXV में दिए गए तरीके से ट्रस्ट यथाशीघ्र अन्तिम पुनर्खरीद मूल्य निकालने के बाद इस रूप में प्रकाशित करेगा जो वह उचित समझेगा।

## X. इस योजना के संबंध में आस्तियों का मूल्यांकन :

- (1) खण्ड VIII के उप खण्ड (2) के अन्तर्गत आस्तियों के मूल्यांकन के प्रयोजन के लिए आस्तियों का विभाजन निम्नलिखित रूप में होगा (क) नकद राशि (ख) निवेश (ग) अन्य आस्तियां।

- (2) निवेशों का मूल्यांकन निम्नलिखित को शामिल कर लिया जाएगा।

अ. (क) शेयर बाजार के किसी कार्य दिवस को बन्द होने के मूल्य जिस पर इस योजना संबंधी धारित प्रतिभूतियों का मूल्यांकन किया जाता है, किंतु जहां एक से अधिक शेयर बाजारों में प्रतिभूति का भाव कोट किया जाता है, उक्त प्रतिभूति के मूल्य निर्धारण का तरीका ट्रस्ट द्वारा निश्चित किया जाएगा।

- (ख) जहां संगत अवधि के दौरान कोई निवेश का व्यवहार नहीं किया गया या किसी स्वीकृत शेयर बाजार में उसका मूल्य भी कोट नहीं किया गया। ऐसी परिस्थिति में जिसे ट्रस्ट निवेश का उचित मूल्य समझेगा।

- (ब) इस में निम्नलिखित को जोड़ कर—

- (क) ब्याज अर्जित करने वाली जमा राशियों के मामले में प्रेषभूत ब्याज किंतु अप्राप्त।

- (ख) सरकारी प्रतिभूतियों और डिबेंचरों के मामले में प्रेषभूत ब्याज किंतु अप्राप्त और

- (ग) बिना लाभांश के कोट किए गए इक्विटी शेयरों और तरजीही शेयरों के मामले में कोई घोषित लाभांश किंतु अप्राप्त।

- (3) अन्य आस्तियों का मूल्यांकन उनकी बहियों में अंकित मूल्य पर किया जाएगा।

## XI. यूनिट प्रमाणपत्र का फार्म :

यूनिट प्रमाण पत्र इसके संलग्न "फार्म ए" में होगा। प्रत्येक यूनिट प्रमाणपत्र में एक विवेक संख्या जिसकी यूनिटों का यह प्रमाणपत्र है उतनी संख्या और यूनिट धारक का नाम रहेगा।

**XII. यूनिट प्रमाणपत्र तैयार करने की विधि :**

जैसा न्यासी बोर्ड समय-समय पर निर्धारित करेगा, यूनिट प्रमाणपत्र उत्सर्ण या लिथोग्राफ या मुद्रित किया जाएगा और ट्रस्ट द्वारा विधिवत रूप से अधिकृत दो व्यक्तियों द्वारा ट्रस्ट की ओर से हस्ताक्षरित होगा। प्रत्येक ऐसा हस्ताक्षर स्वहस्ताक्षरित होगा या किसी यांत्रिकी विधि से लाया गया होगा। जब तक यूनिट प्रमाणपत्र इस रूप में हस्ताक्षरित नहीं होगा तब तक वह मान्य नहीं होगा। इस रूप में हस्ताक्षरित यूनिट प्रमाणपत्र मान्य होगा और इस बात के होते हुए बाध्यकारी होगा कि इनके पहले किसी व्यक्ति जिसका हस्ताक्षर उस पर है ट्रस्ट की ओर से यूनिट प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने का अधिकृत व्यक्ति नहीं रहा हो किन्तु इस रूप में तैयार किया गया यूनिट प्रमाणपत्र में यदि किसी अधिकृत व्यक्ति का हस्ताक्षर है तो प्रमाणपत्र जारी होने के पहले कोई व्यक्ति जिसका हस्ताक्षर उस पर है, ट्रस्ट की ओर से यूनिट प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने का अधिकृत व्यक्ति नहीं रहा हो, किन्तु इस रूप में तैयार किया गया यूनिट प्रमाणपत्र में यदि किसी अधिकृत व्यक्ति का हस्ताक्षर है जो प्रमाणपत्र जारी होने के समय मृत है; ट्रस्ट किसी तरीके से जिसे वह सर्वोत्तम समझता है प्रमाणपत्र पर विद्यमान उक्त व्यक्ति के हस्ताक्षर को रद्द कर सकता है और किसी अन्य अधिकृत व्यक्ति का हस्ताक्षर उस पर करवा सकता है। इस रूप में जारी यूनिट प्रमाणपत्र भी मान्य होंगे।

**XIII. यूनिट प्रमाणपत्रों के संबंध में ट्रस्ट की मान्यता नहीं दिया जाना :**

- (1) कोई व्यक्ति जो धारक के रूप में पंजीकृत है और उसके नाम कोई यूनिट प्रमाणपत्र जारी किया गया है, केवल वही ट्रस्ट द्वारा यूनिट धारक के रूप में मान्य होगा और यह समझा जाएगा कि केवल उसे ही कोई अधिकार स्वत्वाधिकार या हित इनमें या उक्त यूनिट प्रमाणपत्रों में है जिन्हें वे प्रस्तुत करते हैं और ट्रस्ट उक्त यूनिट धारक को उनका एक मात्र स्वाभिमान सकता है और किसी अन्यथा नोटिस से या किसी भी ट्रस्ट के क्रियान्वयन के लिए जारी किसी नोटिस या मित्राव इसमें स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट है या किसी कार्यक्षेत्र के सभ्य न्यायालय द्वारा कोई आदेश है जिससे किसी ट्रस्ट या ईशियटी या अन्य हित को माय्यता देना है जिसमें कोई यूनिट प्रमाणपत्र या प्रस्तुत यूनिटों का अधिकार प्रमाणित होता है, से भी बांधा नहीं होगा।
- (2) जब कोई व्यक्ति मानसिक विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिए आवेदन करता है और ट्रस्ट द्वारा स्वीकार किया जाता है, ट्रस्ट किसी ट्रस्ट की नोटिस को नहीं देगा। आवेदक की मृत्यु होने पर ट्रस्ट सभी कार्यों के लिए योजना के अन्तर्गत आवेदक या आवेदन फार्म में "वैकल्पिक आवेदक" के रूप में उल्लिखित व्यक्ति से सम्पर्क रखेगा। इस योजना के प्रावधानों के अधीन प्रत्येक यूनिट धारक को यह हक दिया जाएगा कि किसी एक या अपने सभी यूनिट प्रमाणपत्रों को एक या अधिक यूनिट प्रमाणपत्र को ऐसे मूल्यवर्ग में जैसा वो चाहे विनिमय कर सकता है। यूनिटों की कुल संख्या समान होनी चाहिए। ऐसे विनिमय के लिए आवेदन करते समय यूनिट धारक ट्रस्ट को अपना यूनिट प्रमाणपत्र/पत्रों को सौंपना होगा और ट्रस्ट को नया यूनिट प्रमाणपत्र/पत्रों के जारी होने के संबंध में रूपया का भुगतान करना होगा (यदि सेय हो)।

**XIV. जब प्रमाणपत्र कटे-फटे, विरूपित, लापता आदि है, यूनिट प्रमाणपत्रों का विनिमय और प्रक्रिया :**

- (1) इस योजना के प्रावधानों के अधीन यदि कोई प्रमाणपत्र कट-फट जाता है या चिस-पिट या विरूपित हो जाता है

तो ऐसे मामले में ट्रस्ट अपने विवेक के अनुसार स्व-स्वाधिकारी व्यक्ति को उनके बचले में नए यूनिट प्रमाणपत्र जारी करेगा। कोई नया यूनिट प्रमाणपत्र जब तक जारी नहीं किया जाएगा जब तक कि ट्रस्ट को ;

- (i) मूल प्रमाणपत्रों के कटे-फटे होने, टूटने, विरूपित होने, खो जाने, चुरा लिया जाने या गूट होने के संतोष-जनक साक्ष्य के साथ प्रस्तुत नहीं किए जाते ;
  - (ii) तथ्यों की जांच के संबंध में सभी खर्चों का भुगतान नहीं किया जाता ;
  - (iii) कटे-फटे या चिस-पिट या विरूपित यूनिट प्रमाणपत्रों को दिया नहीं जाता; और प्रत्यपित नहीं किया जाता ; और
  - (iv) उक्त क्षतिपूर्ति बन्धपत्र जो अपेक्षित है जमा नहीं किया जाता ;
- (2) इस खण्ड के प्रावधान के अन्तर्गत ऐसे प्रमाणपत्रों को जारी करने का बाधित्व ट्रस्ट का नहीं होगा।

**XV. यूनिट धारकों का रजिस्टर :**

यूनिट धारकों के पंजीकरण के संबंध में निम्नलिखित प्रावधान होंगे।

- (1) यूनिट धारकों की एक रजिस्टर ट्रस्ट द्वारा रखी जाएगी और रजिस्टर में निम्नलिखित दर्ज की जाएगी;
- (क) यूनिट धारकों के नाम और पते;
- (ख) प्रमाणपत्र की विवेक संख्या और प्रत्येक उक्त व्यक्ति द्वारा धारित यूनिटों की संख्या और
- (ग) उक्त व्यक्ति को यूनिटों के जो उनके नाम में हैं, धारक बनने की तिथि।
- (2) किसी यूनिट धारक द्वारा नाम या पता में किया गया कोई परिवर्तन ट्रस्ट के लिए अधिमूर्चित करना होगा जो उक्त परिवर्तनों के संबंध में संतुष्ट होने पर और अपेक्षित उक्त औपचारिकताओं को पूर्ति कर रजिस्टर में तबनुसार परिवर्तन करेंगे। आवेदक, जिन्होंने मानसिक विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिए यूनिटों आवेदित की हैं, की मृत्यु पर होने वाले परिवर्तनों को रजिस्टर में तबनुसार दर्ज किया जाएगा।
- (3) केवल रजिस्ट्रारों के बन्द रहने की अवधि को छोड़कर इसके पश्चात इस संबंध में अन्तर्विष्ट प्रावधानों के अनुसार कार्य अवधि के दौरान (ट्रस्ट द्वारा लगाए गए उचित प्रतिबंधों के अधीन किन्तु प्रत्येक कारोबार के दिन कम से कम दो घंटे निरीक्षण के लिए खुला होना चाहिए)। यूनिट धारकों के लिए बिना कोई शुल्क के खुला रहेगा।
- (4) रजिस्टर उक्त समय पर और उक्त अवधि के लिए बन्द रहेगा जो ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा किन्तु किसी भी वर्ष में 30 दिनों से अधिक समय के लिए बन्द नहीं रहेगा। उक्त बन्धों की सूचना का विज्ञापन ट्रस्ट द्वारा उक्त समाचार पत्रों में दिया जाएगा जो बोर्ड द्वारा निर्दिष्ट किया जाएगा।
- (5) किसी भी यूनिट के संबंध में रजिस्टर में कोई स्पष्ट निहित और स्वतन्त्र सूचना नहीं अंकित की जाएगी।

XVI. पात्र संस्था का पंजीकरण नाबालिग मानसिक विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिए आवेदक द्वारा आवेदन पत्र :

- (1) पात्र संस्थाएं नियमित निकाय और समितियां (सहकारी समितियों सहित) यूनिट धारक के रूप में पंजीकृत किए जायेंगे।
- (2) कोई व्यक्ति जो एक जनक, सीतेला जनक या किसी नाबालिग के अन्य विधिक अभिभावक है और यूनिटों का धारक है और अधिनियम की धारा 21 की उप धारा (2ए) में प्रावधानित सीमा तक और इसके अनुसार उनके साथ व्यवहार करता है। यदि आवश्यक हुआ तो उक्त वयस्क व्यक्ति ट्रस्ट को उस रूप में जैसा कि विनिर्दिष्ट होगा नाबालिग की उमर का साधु और नाबालिग की ओर से यूनिटों के साथ व्यवहार करने तथा धारण करने की क्षमता प्रस्तुत करेगा। ट्रस्ट को यह अधिकार होगा कि आवेदन पत्र में उक्त वयस्क द्वारा किए गए विवरण पर बिना साध्य के कार्यवाई करें।
- (3) जहां किसी व्यक्ति द्वारा किसी अन्य ऐसे व्यक्ति के लाभ के लिए आवेदन पत्र दिया है जो मानसिक रूप से विकलांग है ट्रस्ट उसके कथन और जमा किए गए प्रमाणपत्रों पर कार्यवाई करेगा और ऐसा करते हुए यह समझा जाएगा कि ट्रस्ट सदाभाव-पूर्वक कार्यवाई कर रहा है। ट्रस्ट को यह अधिकार होगा कि वह केवल आवेदन के साथ व्यवहार करे और उसकी मृत्यु होने की स्थिति में बैकल्पिक आवेदक के साथ सभी प्रयोजनों के लिए धीरे-धीरे ट्रस्ट द्वारा उक्त आवेदक या बैकल्पिक आवेदक को, यूनिटों के संबंध में किया गया कोई भुगतान ट्रस्ट के लिए सही भुगतान होगा।
- (4) जब कभी अपेक्षित होगा पात्र संस्थाएं नियमित निकाय या समितियां ट्रस्ट को सभी संगत कागजात प्रस्तुत करेगी जिनमें यूनिटों में आवेदकों को निवेशित करने की क्षमता जैसे प्रमाणित मेमोरेण्डम और आर्टिकल उप विधियां आदि कार्यालय पदाधिकारी को प्राधिकृत करते हुए प्रबंध समिति के संकल्प की प्रतिलिपि और अपेक्षित मुकदरानामा की एक प्रति दर्शाई हुई होगी।

XVII. ट्रस्ट को उन्मोचन करने पर यूनिट धारक द्वारा रसीद :

प्रमाणपत्रों की यूनिटों के संबंध में यूनिट धारकों द्वारा उन्हें भुगतान की गयी मुद्रा का रसीद ट्रस्ट के लिए अच्छा उन्मोचन (गुड डिस्चार्ज) माना जाएगा।

XVIII. यूनिट धारकों द्वारा नामांकन :

- (1) एकल या दो यूनिट धारकों द्वारा संयुक्त रूप में धारित यूनिट धारक नामांकन करने या रद्द करने के अधिकार का प्रयोग विनियमों में दी गई सीमा तक किया जा सकता है।
- (2) यूनिट धारक चाहे माता-पिता या नाबालिग की ओर से आवेदन करने वाले वंश अभिभावक, समितियां नियमित, निकाय और आवेदक जो मानसिक विकलांग व्यक्तियों के लाभ के लिए आवेदन करते हैं को नामांकन करने का अधिकार नहीं दिया जाएगा।

XIX. यूनिटों का अंतरण :

- (1) इस योजना के अन्तर्गत मासिक आय विकसन के अन्तर्गत अंतरण नहीं किया जा सकता। ट्रस्ट द्वारा निश्चित शर्तों को पूरा करने पर संघी विकल्प के अन्तर्गत यूनिटों का अंतरण किया जा सकता है। परन्तु यूनिट धारक अंतरण पाने के लिए अपनी यूनिटों की गिरबी बैंक के पास रख सकता है किन्तु इनसे संबंधित आय को गिरबी नहीं रख सकता और ट्रस्ट गिरबी रखने पर अपनी रिक्तियों में

वर्ज करता है। गिरबी धारित बैंक को अंतरिती यूनिट धारक के रूप में पंजीकृत किया जाएगा।

- (2) संघी विकल्प के अन्तर्गत प्रत्येक यूनिट धारक लिखित अनुदेश द्वारा ट्रस्ट के अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित फार्म से अपने द्वारा धारित यूनिटों का अंतर कर सकता है। यदि अंतरणकर्ता या अंतरिती द्वारा धारित यूनिटों 50 के गुणजों में न हों तो अन्तरण पंजीकृत नहीं किया जाएगा।
- (3) अन्तरण का प्रत्येक अनुदेश अंतरणकर्ता और अंतरिती द्वारा हस्ताक्षर किया जाएगा और अंतरणकर्ता अंतरित यूनिटों का तब तक के लिए धारक बना रहेगा जब तक अंतरिती का नाम रजिस्टर में दर्ज नहीं किया जाता है।
- (4) अन्तरण का प्रत्येक लिखित विधिवत रूप से मुद्रांकित होगा यदि कानून के अन्तर्गत इसका मुद्रांकन वांछित है और ट्रस्ट के पास पंजीकरण के लिए आवश्यक यूनिट प्रमाणपत्र/पत्रों और अन्य साध्य जिसे अन्तरणकर्ता के हक या यूनिटों के अन्तरण के लिए उसके अधिकार के समर्थन में ट्रस्ट को आवश्यकता पड़े के साथ छोड़ देना चाहिए। लगाए जाने वाले स्टाम्प के मूल्य के परिकलन के लिए प्रत्येक यूनिट का अंकित मूल्य 10/- रु० होगा अर्थात् सममूल्य या पुनर्बरीद मूल्य पर जो भी अधिक होगा उस मूल्य पर होगा।
- (5) अन्तरण का प्रत्येक लिखित संगत प्रमाण पत्रों के साथ बहियों की बन्दी की अवधि के कम से कम 1 माह पहले पंजीकरण के लिए ट्रस्ट के पास जमा की जानी चाहिए। यदि ट्रस्ट की बहियों में अन्तरण का पंजीकरण बहियों की बन्दी की अवधि के बाद की जाती है, जैसा भी मामला हो, अन्तरण के पहले की अवधि के लिए प्रोद्-भूत लाभों का अन्तरणकर्ता को भुगतान किए जायेंगे।
- (6) अन्तरण के प्रभाव के रूप में यूनिटों की प्रकृति में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं होगा अर्थात् अंतरिती संघी विकल्प से मासिक आय विकसन में परिवर्तन पा नहीं सकता।

XX. यूनिट धारक की मृत्यु या दिवालापन :

- (1) यूनिट धारक की मृत्यु होने की स्थिति में नामिती वह के व्यक्ति होगा/होंगे जो ट्रस्ट द्वारा ऐसे व्यक्ति के रूप में मास्य होगा/होंगे जो विनियमों के अन्तर्गत यूनिटों के संबंध में ट्रस्ट से राशि पाने के अधिकारी हैं।
- (2) यूनिट धारक द्वारा वंश नामांकन न देने पर केवल मृत यूनिट धारक के निष्पादक या प्रशासन को या भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 (1925 का 39) के खंड X के अन्तर्गत जारी किया गया उत्तराधिकार प्रमाणपत्र के धारक को ही ट्रस्ट द्वारा यूनिटों पर स्वत्वाधिकार माना जाएगा।
- (3) मासिक आय विकसन के अन्तर्गत यूनिट धारक की मृत्यु पर कोई भी व्यक्ति जो यूनिटों का हकदार बनेगा जिसे पर्याप्त समझे उसे स्वत्वाधिकार की साध्य प्रस्तुत करना होगा। आवेदक द्वारा वाचा संबंधी सभी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद मृतक के छाते में जमा यूनिटों की पुनर्बरीद मूल्य को सममूल्य पर भुगतान किया जाएगा।

(4) ऐसी परिस्थिति में जब कि यूनिट प्रमाणपत्र के अस्तित्व एक मात्र नामिती एक व्यक्ति है जो यूनिटों को रखने का पात्र है तब उक्त नामिती की इच्छा पर मृतक के नाम जमा सभी यूनिटों के पुनर्बंसीद मूल्य प्राप्त करने के बबले नामिती को यह अनुमति दी जाएगी कि वह एक यूनिट धारक के रूप में यूनिटों को रख सकता है और यूनिट धारक के रूप में पंजीकृत बना रह सकता है और न्यूनतम धारण की शर्तों के अधीन उसके नाम में यूनिट प्रमाण-पत्र जारी किया जा सकता है जिसे उसने अपेक्षा की थी।

(5) किसी आवेदक की मृत्यु की स्थिति में जिसने मानसिक विकलांग व्यक्ति लाभ के लिए यूनिटों के बास्ते आवेदन किया है ट्रस्ट वैकल्पिक आवेदक के साथ व्यवहार करेगा मानो वही आवेदक था। इसके अतिरिक्त आवेदक या वैकल्पिक आवेदक की मृत्यु की स्थिति में जैसा भी मामला हो विद्यमान आवेदक किसी अन्य व्यक्ति को अपना वैकल्पिक आवेदक के रूप में नियुक्त करेगा।

अवलम्ब्य अवधि के दौरान संघी विकल्प के अन्तर्गत हिस्सा लेने वाले किसी यूनिट धारक की मृत्यु की स्थिति में ट्रस्ट दावे का निपटारा करेगा और वंश उत्तराधिकार नामिती को पुनर्बंसीद मूल्य का भुगतान करेगा जो यूनिटों के अंकित मूल्य के बराबर होगा और मासिक आय योजना के अन्तर्गत समझौता की तिथि तक लाभांश का भुगतान किया होगा।

#### XXI. निवेश की सीमा :

- (1) ट्रस्ट द्वारा किसी भी योजना की तिथि से किसी भी कम्पनी की प्रतिभूति में निवेश की राशि उक्त कम्पनियों की वकाया राशि और जारी प्रतिभूतियों की राशि का 15% से अधिक नहीं होनी चाहिए। बशर्ते कि पूंजी ने उक्त निवेशों की समय राशि न औद्योगिक उपक्रमों द्वारा प्रारंभ में जारी किसी भी समय उक्त तिथि की कुल राशि 5% से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- (2) उप-खण्ड (1) में निर्धारित की गई सीमा ट्रस्ट के निवेशों में बांडों और डिबेंचरों और किसी कम्पनी की जमा राशियों सुरक्षित या असुरक्षित में लागू नहीं होगी।

#### XXII. आय वितरण :

यूनिट धारक को मासिक आय विकल्प या संघी विकल्प में शामिल होने का विकल्प रहेगा। यह योजना में निवेश करते समय ही किया जाएगा और एक बार दिया गया विकल्प अंतिम होगा।

(अ) मासिक आय विकल्प :

योजना के अंतर्गत निम्नलिखित शर्तों पर आय वितरण किया जाएगा :

- (1) पहले दो वर्षों के लिए 14 प्रतिशत परिपक्वता पर न्यूनतम 2 प्रतिशत की पूंजी वृद्धि के साथ अगले तीन वर्षों के लिए 14.3 प्रतिशत आय वितरण राशि मासिक आधार पर देय होगा जो योजना की आय या अन्य संबंधित कारणों पर आधारित होगा और ट्रस्ट द्वारा पुनरीक्षण के अधीन होगा।
- (2) प्रत्येक महीने के लिए आय वितरण, निम्नलिखित माह के प्रारम्भ में देय होगा और ट्रस्ट द्वारा ऐसी पूर्व अदायगी व्यवस्था के अन्तर्गत किया जाएगा या कोई अनुदेश जो ट्रस्ट द्वारा बिनिदिष्ट बैंक की शाखाओं में सममूल्य पर भुनाए जा सकते हैं। ऐसी यूनिटों जो ट्रस्ट द्वारा स्वीकृत आवेदन पत्र के अन्तर्गत महीने के 15वें दिन को या उससे पहले देय गये हों, पूरे महीने के आय वितरण के लिए पात्र होंगे और यदि यूनिटें महीने के 15वें

दिन के बाद देयी गयी हों, केवल आय महीने की आय वितरण के पत्र होंगे। यदि आवेदक ने संघी विकल्प का चयन किया है, 31 जनवरी, 1993 तक की अवधि के लिए एक समेकित वारंट का भुगतान किया जाएगा।

लाभांश पाने का हक कार्यग्रहण तिथि पर निर्भर रहेगा जो निम्नवत होगा :-

16-12-92 से 31-12-92 अर्द्ध मासिक लाभांश  
01-01-93 से 15-01-93 -- सम्पूर्ण मासिक लाभांश  
16-01-93 से 28-01-93 -- अर्द्ध मासिक लाभांश

(3) बशर्ते 30 जून, 1993 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए एक आय वितरण वारंट भेजा जाएगा और यूनिट धारक को 31 जनवरी, 1993 तक के महीनों के लिए 56 उत्तर दिनांकित-आय वितरण वारंट प्रेषित किए जाएंगे। किन्तु ट्रस्ट उक्त उत्तर दिनांकित अवधि के लिए उत्तर दिनांकित आय वितरण वारंट भेजने का अधिकार अपने पाम सुरक्षित रखता है कि यह किस रूप में निष्पत्ति करे।

(4) उप-खण्ड (3) के प्रावधानों के अधीन मासिक आधार पर आय वितरण के भुगतान के लिए वारंट यूनिट धारकों को एक साथ भेज दिए जाएंगे और ये वारंट उस रूप में दिनांकित किए जाएंगे कि जब प्रत्येक वारंट भुगतान के लिए परिपक्व होने यूनिट धारक उसे भुना सकेगा। प्रत्येक वारंट की वैधता 3 महीनों के लिए होगी। वैधता अवधि की समाप्ति के पहले यूनिट धारक द्वारा वारंट न प्राप्त होने की स्थिति में, ट्रस्ट द्वारा भुगतान करने का बाध्य नहीं होगा।

(5) पुनर्बंसीद की स्थिति में, जो रहेगा पूर्ण रूप से किया जाता है, यूनिट धारक द्वारा अक्ट वारंटों को न सौंपने पर, बाव के महीनों के लिए वेय वारंटों को वह भुनाने का हकदार होगा और जो वेय वारंट यूनिट धारकों के पाम परिपक्वता की तिथियों तक हैं, उनकी राशि पुनर्बंसीद मूल्य से घटा दी जाएगी।

(6) यूनिट धारक की मृत्यु की स्थिति में, यदि एकमात्र नामिती यूनिटें धारण करने के पात्र हैं और यूनिटों का धारण जारी रखना चाहते हैं, तब एकमात्र नामिती आवश्यक संशोधन के लिए भविष्य के महीनों पाम वारंटों को ट्रस्ट को नोटने के लिए बाध्य होगा। किन्तु ऐसा नामिती को यूनिटों का धारण जारी रखना चाहता है, उन अवधि के दौरान किसी भी प्रकार का व्याज या अतिपूर्ति का हकदार नहीं होगा। मृत यूनिट धारक के पक्ष में जारी किये गये वारंटों को नये प्रविष्ट यूनिट धारकों के पक्ष में संशोधन ट्रस्ट करेगा।

(7) किसी आवेदक की मृत्यु की स्थिति में जहां मानसिक रूप से विकलांग किसी अन्य व्यक्ति के लाभ के लिए किसी व्यक्ति द्वारा आवेदन दिया जाता है, वैकल्पिक आवेदक भावी मातों के सभी बिना भुनाए गए आय वितरण वारंटों को आवश्यक सुधार के लिए वापस करने को बाध्य होगा। किन्तु ऐसे वैकल्पिक आवेदक उस अवधि के दौरान किसी भी प्रकार का व्याज/अतिपूर्ति के हकदार नहीं होंगे। मृत यूनिट धारक के पक्ष में जारी किये गये वारंटों को नये प्रविष्ट आवेदक के पक्ष में ट्रस्ट द्वारा संशोधन किया जाएगा।

(8) पूर्ववर्ती उप-खण्ड में किसी बात के होते हुए, ट्रस्ट आय वितरण निमाही, अर्ध-वार्षिक या वार्षिक आधार पर जैसा मामला हो करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। यदि कार्य साधकता खर्च यूनिट धारकों का व्याज और अन्य परिस्थितियों ट्रस्ट को ऐसा करने के लिए प्रेरित करती है। ऐसी स्थिति में ट्रस्ट दो प्रमुख अंग्रेजी के दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित कर यूनिट धारकों को सूचित करेगा। उपर्युक्त आशय की ट्रस्ट द्वारा अधिसूचना के बाव किसी भी यूनिट धारक को आय वितरण मासिक आधार पर दावा करने का अधिकार नहीं होगा।

## (8) (ब) संघीय विकल्प :

इस विकल्प के अंतर्गत किसी यूनिट धारक द्वारा भाग लेने के अधिकार का प्रयोग करते हुए 5 वर्षों की अवधि के अंत में द. 20.25 प्रति यूनिट के पुनर्बाँट मूल्य पर अपने पास जमा यूनिटों की पुनर्बाँट की जा सकती है।

## बोनस लाभांश की घोषणा :

योंमें विकल्पों के अंतर्गत मूल निवेश पर बोनस लाभांश दिया जाएगा, जिसे तीसरे वर्ष की समाप्ति पर घोषित किया जाएगा (परिपक्वता पर वेय)। यह उन यूनिट धारकों को दिया जाएगा जो योजना की समाप्ति तक योजना में शामिल हैं जैसा कि खण्ड XXV में दिया गया है।

## परिपक्वता में पूंजी वृद्धि :

योजना को परिपक्वता तक जितनी भी पूंजी वृद्धि संग्रह हुई हो उसे योजना की समाप्ति पर यूनिटधारकों को वितरित की जाएगी।

## XXIII लेखों का प्रकाशन :

ट्रस्ट यथाशीघ्र जो प्रत्येक वर्ष के 30 जून के बाद की अवधि हो सकती है बोर्ड द्वारा निश्चित की गयी विधि से लेखों को प्रकाशित करेगा जिसमें उस तिथि को समाप्त अवधि के दौरान योजना का कार्य प्रदर्शित किया जाएगा। ट्रस्ट किसी यूनिटधारक से लिखित रूप से प्राप्त अनुरोध पर प्रकाशित लेखों की एक प्रति उसे भेजेगा।

## XXIV योजना में परिवर्तन और संशोधन :

समय-समय पर बोर्ड योजना में कोई परिवर्तन/संशोधन कर सकता है जो सरकारी राजपत्र में अधिसूचित किया जाएगा।

## XXV योजना की समाप्ति :

1 फरवरी 1998 को योजना पूर्ण रूप से समाप्त हो जाएगी। सभी यूनिटधारक जिन्होंने इस योजना में उसकी पूर्ण अवधि के लिए हिस्सा लिया है उन्हें यूनिटों का अंतिम पुनर्बाँट मूल्य जो उक्त प्रयोजन हेतु निश्चित किया जाएगा उसे भुगतान किया जाएगा। रजिस्ट्रार या निगम कार्यालय में निश्चित उम्मेद्वि प्रमाण पत्र की प्राप्ति से 3 सप्ताहों के भीतर ट्रस्ट यूनिट-धारकों को पुनर्बाँट मूल्य का भुगतान करेगा। इस रूप में निकासी गया पुनर्बाँट मूल्य पर कोई भी अलावा किसी प्रकार का अन्य लाभ जैसे पुनर्बाँट मूल्य में वृद्धि या लाभांश में वृद्धि अनुवर्ती अवधि के लिए नहीं संचित होगा। पुनर्बाँट के लिए प्राप्त यूनिट प्रमाण पत्रों को निरस्तकरण के लिए रखा जाएगा।

## XXVI यूनिट धारकों के लिए योजना का बाध्यकारी होना :

योजना के प्रावधानों में किसी बात के होते हुए समय-समय पर किए जाने वाले संशोधन इस योजना को शर्तें प्रत्येक यूनिटधारक पर बाध्यकारी होंगी और प्रत्येक अन्य व्यक्ति जो उसके माध्यम से बाधा करता है मानो स्पष्ट रूप से घोषित किया है कि वे इन रूप में उत पर बाध्यकारी होगा।

## XXVII यूनिटधारकों के लिए लाभ :

पूँजी प्रारक्षित राशि और अतिरिक्त राशि यदि कोई योजना की समाप्ति के समय केवल यूनिटधारकों को उपलब्ध होगी तो इसके सम्बन्ध में योजना के अंतर्गत प्रोद्भूत सभी लाभों को केवल उन्हीं यूनिटधारकों के बीच वितरण योग्य होगा जो इसकी बन्दी के समय तक पूर्ण अवधि के लिए यूनिटों के धारक थे।

## XXVIII उपलब्ध करायी जाने वाली योजना की प्रति :

सभी संशोधनों सहित योजना की एक प्रति ट्रस्ट के कार्यालय में निरीक्षण के लिए कार्यालय के कार्यकाल के दौरान उपलब्ध रहेगी। किसी भी व्यक्ति को आवेदन करने पर तथा 5/- रु० की राशि जमा करने पर इसे भेजी जा सकती है।

## XXIX प्रावधानों के अर्थ लगाने का अधिकार :

यदि किसी भी प्रावधान के स्पष्टीकरण में कोई संदेह उत्पन्न होता है तो अध्यक्ष या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक ग्यासी को योजना के प्रावधानों का अर्थ लगाने का अधिकार होगा जो योजना की आधारभूत संरचना के विपरित या किसी रूप में प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला नहीं होगा और यह निर्णय अंतिम होगा।

## XXX प्रावधानों का सिविलीकरण / परिवर्तन / संशोधन :

ट्रस्ट के अध्यक्ष या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक ग्यासी कठिनाइयों को कम करने के उद्देश्य से या योजना के अबाध और महज परिचालन के लिए योजना के किसी प्रावधान को सिविल/परिवर्तित या संशोधित कर सकते हैं जिन मामलों में किसी यूनिटधारक या यूनिटधारकों के वर्ग के लिए यह आवश्यक समझा जाएगा।

## हस्तांतरणीय

बहुती मासिक आय यूनिट योजना बोनस सहित 1992 (ii)

[जी एम आई एस बी - 92 (ii)] के अंतर्गत यूनिटों की पुनर्बाँट के लिए आवेदन पत्र।

दिनांक : -----

प्रति

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

मैं / हम -----

भारतीय यूनिट ट्रस्ट बहुती मासिक आय यूनिट योजना बोनस सहित 1992 (ii) जी एम आई एस बी - 92 (ii) की ----- यूनिटों का पंजीकृत धारक हूँ / हैं। मैं / हम ----- यूनिटों बेचने का इच्छुक हूँ / हैं\*\* और प्रस्ताव करता हूँ / करते हैं\*\* कि भारतीय यूनिट ट्रस्ट सममूल्य पुनर्बाँट मूल्य पर / ट्रस्ट द्वारा\*\* निर्धारित / बालू\*\* मूल्य पर पुनर्बाँट मूल्य पर इस आवेदन पत्र से संबंधित यूनिटों की खरीद करें।

यूनिटों का मूल्य मुझे / हमें नगर / बैंक / बैंक थ्रूट मेरे / हमारे बचत पर भुगतान किया जाए।

साक्षी का हस्ताक्षर

धारक का हस्ताक्षर

1

2

साक्षी का हस्ताक्षर :

नाम : -----

पेशा : -----

पता : -----

केवल कार्यालय के प्रयोग के लिए

स्वीकृति तिथि

\*संघीय विकल्प के मामले में आंशिक पुनर्बाँट की अनुमति दी जाएगी।

\*\*जो लागू नहीं हो, उसे काट दें।

नकदी भुगतान की अनुमति तब ही दी जाएगी, यदि राशि 10,000 रु० से अधिक न हो।

## प्रतीक

## भारतीय यूनिट ट्रस्ट

(भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 के अन्तर्गत निगमित)  
बहुती मासिक आय यूनिट योजना बोमस सहित 1992 (ii)  
जी एम आई एस बी-92 (ii) (मासिक आय और संबंधी)

## (अनुबं XI)

यूनिट प्रमाण पत्र सं०

यूनिटों की सं०

यह प्रमाणित किया जाता है कि इस प्रमाण पत्र में नामांकित व्यक्ति निम्न-लिखित यूनिटों के पंजीकृत धारक है।

भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 (1963 का 52) के प्रावधानों, उसके अन्तर्गत बनाए गए विनियमों और बहुती मासिक आय यूनिट योजना बोमस सहित 1992 (ii) [(जी एम आई एस बी-92 (ii))]

नाम :

## हुते भारतीय यूनिट ट्रस्ट

विभाग : अध्यक्ष न्यासी

सं० यू० टी०/डी बी जी एम 2454 ए/एस पीबी 62/92-93 :  
संस्थागत निवेशक विशेष निधि यूनिट योजना के प्रावधान जो भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 की धारा 21 के अन्तर्गत बनाये गये हैं और जिसे दिनांक 22 दिसम्बर, 1992 को हुई बैठक में कार्यकारिणी समिति ने अनुमोदित किया है और 7 जनवरी, 1993 की बैठक में कार्यकारिणी समिति ने संशोधित किया है, इस के नीचे प्रकाशित किये जाते हैं :—

## भारतीय यूनिट ट्रस्ट

## संस्थागत निवेशक विशेष निधि यूनिट योजना के प्रावधान

भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 52), की धारा 21 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय यूनिट ट्रस्ट का न्यासी नवल एतद्वारा निम्नलिखित योजना बनाता है।

## I. मंजित नाम और प्रारंभ :

- (i) यह योजना संस्थागत निवेशक विशेष निधि यूनिट योजना कह-लाएगा (आई आई एस एक यू एस)।
- (ii) यह 1 मार्च 1993 से आरंभ की जाएगी।

## II. परिभाषाएँ :

इस योजना में जब तक की विषय वस्तु में अन्यथा अपेक्षित न हो,

- (1) "स्वीकृति तिथि"—ट्रस्ट द्वारा यूनिटों की बिक्री या पुनर्बिक्री के लिए ट्रस्ट को भेजे गये आवेदन पत्र के संदर्भ में स्वीकृति तिथि का अर्थ है उक्त तिथि जब ट्रस्ट संतुष्ट होकर आवेदन पत्रों की स्वीकार करता है और समझता है कि यह सही है।
- (2) "अधिनियम" का अर्थ है, भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963
- (3) "जारी की जाने वाली यूनिटों की संख्या" का अर्थ है बिक्री की गयी और सकाया यूनिटों की समग्र संख्या।

(4) "विनियम" का अर्थ है भारतीय यूनिट ट्रस्ट सामान्य विनियम-बकी 1964 जो अधिनियम की धारा 43 (1) के अन्तर्गत बनायी गयी है।

(5) "यूनिट" का अर्थ है इस योजना से संबंधित यूनिट यूजी में 10 रुपये के अंकित मूल्य का एक अविभक्त शेयर।

(6) "यूनिट ट्रस्ट" का अर्थ है अधिनियम की धारा 3 के अन्तर्गत स्थापित भारतीय यूनिट ट्रस्ट।

(7) अन्य सभी अभिव्यक्तियों जिन्हें यहां परिभाषित नहीं की गयी है, किंतु अधिनियम में परिभाषित हैं, का वही अर्थ होगा जो अधिनियम में दिए गए हैं।

## III. प्रत्येक यूनिट का अंकित मूल्य :

प्रत्येक यूनिट का अंकित मूल्य रु० 10 होगा।

## IV. यूनिटों के लिए आवेदन :

- (1) इस योजना के अन्तर्गत अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित आवेदक या आवेदकों के वर्गों द्वारा आवेदन किया जाएगा।
- (2) यूनिटों की खरीद के लिए प्रत्येक आवेदन पत्र न्यूनतम 10 लाख यूनिटों के लिए होगा अर्थात् एक करोड़ और इसके बाद 1 लाख यूनिटों के गुणजों में बिना कोई अधिकतम सीमा की होगी।
- (3) यूनिट ट्रस्ट के अध्यक्ष/कार्यपालक न्यासी द्वारा अनुमोदित फार्म में आवेदन किया जाएगा।
- (4) (i) आवेदित यूनिटों के लिए आवेदक द्वारा सभी भुगतान या-वेदन पत्र के साथ नकद, बैंक ड्राफ्ट, डाक अंतरण या जमा अंतरण द्वारा किया जाएगा। साथ ही बैंक, ड्राफ्ट आदि की राशि संग्रहण के लिए होने वाले खर्च भी शामिल होंगे। बैंक और ड्राफ्ट गारंटर के अन्तर बैंक की उक्त शाखाओं पर आहरित होगा, जहां भारतीय यूनिट ट्रस्ट के कार्यालय में आवेदन पत्र जमा किये गये हैं।
- (ii) यदि आवेदित यूनिटों के लिए भुगतान के वास्ते प्रस्तुत की गयी राशि देय राशि और अन्य देय प्रभार के लिए पर्याप्त नहीं है, आवेदक को 1 लाख के गुणजों में यूनिटें जारी की जाएंगी (न्यूनतम 10 लाख यूनिटों के अधीन) जो आवेदित संख्या के निकट होगी और शेष राशि यदि कुछ रहेगी तो उस आवेदक को इस रूप में उसकी लागत पर वापस कर दी जाएगी जिसे ट्रस्ट द्वारा सही समझा जाएगा। यदि कोई प्राप्त आवेदन पत्र किसी भी प्रकार से पूर्ण नहीं है या योजना के प्रावधानों के अनुसार नहीं प्रस्तुत किया है तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा और राशि बिना व्याज लौटा दी जाएगी।

## V. यूनिटों की बिक्री :

यह माना जाएगा कि यूनिटों की बिक्री के लिए सविदा स्वीकृति की तिथि को पूरी होगी। इसके बाद यूनिट ट्रस्ट आवेदक को बेचे गए यूनिटों के लिए एक प्रमाण-पत्र जारी करेगा। योजना केवल जून माह को छोड़कर वर्ष के अन्य महीनों में बिक्री के लिए खुली रहेगी।

## \*V. (A) अन्य योजनाओं से निवेशों का अंतरण :

यूनिट धारकों को ऐसी नियत/तत्तल खुली योजनाओं के अन्तर्गत जैसा ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर निश्चय किया जाएगा इस योजना की यूनिटों में अपने धारण को परिवर्तन करने की अनुमति दी जाएगी। परिवर्तन के पास बनने के लिए किसी भी यूनिट धारक को न्यूनतम 3 वर्षों की अवधि तक इस योजना के अन्तर्गत यूनिटें धारित करनी होंगी। न्यूनतम 1 लाख यूनिटों के लिए परिवर्तन होगा और इसके बाद 1 लाख यूनिटों के गुणजों में। शेष राशि जो 1 लाख यूनिटों के गुणजों में नहीं है, यूनिट धारक को वापस कर दी-जाएगी।

\* 7-1-1993 को जोड़ा गया।

## VI. यूनितों की पुनर्खरीद :

- (1) (i) योजना में शामिल होने के समय से एक वर्ष के दौरान यूनितों की पुनर्खरीद नहीं की जाएगी। एक वर्ष के बाद यूनित धारक से एक सहित का नोटिस प्राप्त करने पर यूनितों के प्रकृत मूल्य के 25% सममूल्य पर पुनर्खरीद की जाएगी और आंशिक पुनर्खरीद की अनुमति दी जाएगी। यद्यपि कि इस रूप में की गयी पुनर्खरीद से यूनित धारक के पास की यूनितें 1 लाख के गुणजों से भिन्न न हों। तीसरे वर्ष की समाप्ति पर पूर्ण शुद्ध आस्ति मूल्य पर आधारित पुनर्खरीद की जाएगी।
- (ii) यूनित धारक उपर्युक्त उप खण्ड 1(i) के अनुसार यूनितें पुनर्खरीद के लिए प्रेषण करने को बाध्य नहीं होगा और योजना चालू रहने के दौरान यह जितनी भी अवधि के लिए यूनितें धारित रखना चाहते हैं, रख सकता है।
- (2) उप खण्ड (1) के प्रावधानों के अधीन यूनित ट्रस्ट, यूनित धारक द्वारा पुनर्खरीद के लिए अनुरोध किए जाने पर उन्हें जारी की गयी यूनित प्रमाण-पत्र में समाविष्ट यूनितों के विनिर्दिष्ट अंश की पुनर्खरीद की जाएगी जो हमेशा 1 लाख के गुणजों में होगी, ऐसे प्राप्त यूनित प्रमाण-पत्र निरसन के लिए ट्रस्ट द्वारा रखा जाएगा। ट्रस्ट, यूनित प्रमाण-पत्र में समाविष्ट यूनितों की पुनर्खरीद पर यूनित धारक द्वारा धारित शेष यूनितों के लिए 1 लाख यूनितों के गुणजों में नया यूनित प्रमाण-पत्र जारी करेगा।
- (3) यह समझा जाएगा कि यूनितों की पुनर्खरीद के लिए संविदा, स्वी-कृति तिथि को पूर्ण हुई है।
- (4) स्वीकृति तिथि के बाद यूनित ट्रस्ट द्वारा यूनितों की पुनर्खरीद के लिए भुगतान अल्प से अल्प आवेदक द्वारा आवेदन पत्र में सूचित पद्धति से किया जाएगा। आवेदक को देय राशि पर ब्याज नहीं दिया जाएगा और प्रेषण (डाक खर्च सहित) या ट्रस्ट द्वारा भेजे गए चेक या ड्राफ्ट पर व्यय आवेदक द्वारा ही वहन किया जाएगा।

## VII निवेश लक्ष्य:

- (क) योजना के अन्तर्गत संग्रह की गई निधि 40 प्रतिशत तक इक्विटीयों में और शेष को सावधि आय प्रतिभूतियों में और मुद्रा बाजार लिखतों में निवेशित की जाएगी।
- (ख) निवेश पर प्रतिबन्ध के अधीन पोर्टफोलियों की संरचना और निवेशकों के हित में आय वितरण करने में ट्रस्ट अपनी दृष्टानुसार नियंत्रण करेगा।

## VIII यूनितों की बिक्री और पुनर्खरीद पर प्रतिबन्धः

इस योजना के प्रावधानों में किसी बात के होते हुए, यूनित ट्रस्ट यूनितें खरीदने या बेचने को बाध्य नहीं होगा :-

- (i) उन दिनों को जो कार्य दिवस नहीं हैं, और
- (ii) उस अवधि के दौरान जब कि अर्द्धवार्षिक/वार्षिक लेखा बन्दी के कारण यूनित धारकों की पूंजी बन्द है (जैसा ट्रस्ट द्वारा सूचित किया गया है)।

स्पष्टीकरण :- योजना के प्रयोग के लिए 'कार्य दिवस' का अर्थ है वह दिन (i) जिसे पराकाष्म लिखित अधिनियमों 1981 के अन्तर्गत महाराष्ट्र राज्य में या उन अन्य राज्यों में जहाँ ट्रस्ट के कार्यालय स्थित हैं सार्वजनिक अवकाश घोषित नहीं किया गया हो (ii) राजपत्र में यूनित ट्रस्ट द्वारा कार्यलय बन्द रहने का दिन सूचित नहीं किया गया हो।

## IX स्वीकृत तिथि को बिक्री या पुनर्खरीद किया जाना :

प्रत्येक बिक्री या यूनितों की पुनर्खरीद ट्रस्ट द्वारा स्वीकृत तिथि को उस दिन के प्रचलित मूल्य पर की जाएगी।

## X बिक्री और पुनर्खरीद मूल्य :

- (1) यूनित ट्रस्ट द्वारा जिस मूल्य पर यूनितों की बिक्री की जाएगी (इसके बाद बिक्री मूल्य कहलाएगा) और यूनित ट्रस्ट द्वारा जिस मूल्य पर यूनितों की पुनर्खरीद की जाएगी (इसके बाद पुनर्खरीद मूल्य कहलाएगा) ऐसी अवधि या अंतराल का निश्चय ट्रस्ट करेगा जिसे ट्रस्ट उचित समझेगा और उस अवधि में बिक्री और पुनर्खरीद के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- (2) इस निधि के अन्तर्गत निधि आरम्भ होने की पहले माह में यूनितें 10/-६० पर बेची जाएंगी और इसके बाद बिक्री मूल्य शुद्ध आस्ति मूल्य पर निर्भर करेगा।
- (3) बिक्री मूल्य निम्नवत निकाला जाएगा। जिस दिन बिक्री मूल्य का निर्धारण किया जाता है उस कार्य दिवस को कारोबार की समाप्ति के समय (जो इसके बाद निर्दिष्ट किया जाएगा) इस योजना से सम्बन्धित आस्तियों के मूल्य से देयताओं को/आस्ति की देयताएं या प्रारक्षित राशि यदि कोई है सहित यूनित पूंजी के सम्बन्ध में देयताएं नहीं जो उक्त कार्य दिवस को कारोबार के बन्द होने के समय था, घटाकर तथा उस दिन के कारोबार की समाप्ति तक जारी यूनितों की संख्या से भाग देकर तथा उसे उतनी राशि जोड़ कर जो ट्रस्ट की राय में दलाली कमीशन, करों, स्टाम्प शुल्क और ट्रस्ट द्वारा निवेशों की प्राप्ति के सम्बन्ध में अन्य खर्चों और प्रबन्ध खर्च और परिणामी मूल्य का प्रति यूनित 10 पैसे से अधिक नहीं, अधोमुखी समायोजन किया जाएगा।
- (4) पुनर्खरीद मूल्य निम्नवत निकाला जाएगा। जिस दिन पुनर्खरीद मूल्य का निर्धारण किया जाता है उस कार्य दिवस को कारोबार की समाप्ति के समय (जो इसके बाद निर्दिष्ट किया जाएगा) इस योजना से सम्बन्धित आस्तियों के मूल्य से सम्बन्धित देयताओं को आस्ति की देयताएं या प्रारक्षित राशि, यदि कोई है सहित यूनित पूंजी के सम्बन्ध में देयताएं नहीं, जो उक्त कार्य दिवस को कारोबार के बन्द होने के समय थी, घटाकर तथा उस दिन के कारोबार की समाप्ति तक जारी यूनितों की संख्या से भाग देकर तथा उससे उतनी राशि घटाकर जो ट्रस्ट की राय में दलाली, कमीशन, करों, स्टाम्प शुल्क और ट्रस्ट द्वारा निवेशों की प्रसूती के सम्बन्ध में अन्य खर्चों को देने के लिए पर्याप्त है, पुनर्खरीद मूल्य निकाला जाएगा और परिणामी मूल्य का प्रति यूनित दस पैसे अधिक नहीं अधोमुखी समायोजन किया जाएगा।
- (5) जिस दिन यूनित की बिक्री या पुनर्खरीद मूल्य निकाला जाता है उस दिन ट्रस्ट के पास उपलब्ध सामग्री के आधार पर किसी यूनित की बिक्री या पुनर्खरीद मूल्य निकाला जाएगा।
- (6) उप खण्ड (1), (2), (3), (4), और (5) में किसी बात के अन्वया होते हुए जब कि ट्रस्ट संतुष्ट है कि यूनित ट्रस्ट के हित में यूनित धारक और योजना को जारी रहने और वृद्धि में यह आवश्यक है या ऐसा करना समीचीन है ट्रस्ट, उस दर पर बिक्री या पुनर्खरीद मूल्य, निर्धारित कर सकता है जो अनिवार्य रूप से उप खण्ड (2) या (3) जैसा मामला हो के प्रावधानों के अनुसार नहीं हो सकती है और ऐसा निर्धारण ट्रस्ट और यूनित धारकों के हित में माना जाएगा।

- (7) उप खण्ड (1) से (4) में किसी बात के अन्वया होने हुए यदि ऐसा करना ट्रस्ट के हित में हो, ट्रस्ट उल्लिखित तिथि/अवधि को छोड़कर किसी भी तिथि/अवधि को बिक्री और पुनर्बिक्री गृह्य निर्धारण कर सकता है और उक्त अवधि या अवधियों को प्रभावी होगा जिसे वह बेहो समझता है।

#### XI. पुनर्बिक्री मूल्य और बिक्री मूल्य का प्रकाशन :

ट्रस्ट यथाशीघ्र पुनर्बिक्री मूल्य और बिक्री मूल्य के निर्धारण के बाद यूनिटों की पुनर्बिक्री और बिक्री मूल्य उक्त रूप में प्रकाशित करेगा जो उचित समझेगा।

#### XII. इस योजना के सम्बन्ध में आस्तियों का प्रकाशन :

- (1) खण्ड X के उप खण्ड (2) और (3) के अन्तर्गत आस्तियों के मूल्यांकन के प्रयोजन के लिए आस्तियों का विभाजन निम्नलिखित रूप में होगा। (क) नकद राशि (ख) निवेश (ग) अन्य आस्तियाँ।

- (2) निवेशों का मूल्यांकन निम्नलिखित की शामिल कर किया जाएगा :—

[अ] (क) किसी कार्य दिवस को शेयर बाजार के बन्द होने के मूल्य जिसपर इस योजना सम्बन्धी यूनिट ट्रस्ट द्वारा धारित प्रतिभूतियों का मूल्यांकन किया जाता है किंतु जहाँ एक से अधिक शेयर बाजारों में प्रतिभूति का भाव "कोट" किया जाता है उक्त प्रतिभूति का मूल्य निर्धारण ट्रस्ट निश्चित करेगा।

(ख) जहाँ निवेश का व्यवहार संगत अवधि के दौरान नहीं किया गया या किसी स्वीकृत शेयर बाजार में उसका मूल्य कोट भी नहीं किया गया ऐसी परिस्थिति में जिसे ट्रस्ट उक्त निवेश का उचित मूल्य समझेगा, होगा।

[आ] इनमें जोड़ें :

- (क) व्याज अर्जित करने वाली जमा राशियों के मामले में, प्रोद-भूत व्याज किंतु अप्राप्त ;
- (ख) सरकारी प्रतिभूतियों और डिबेन्चरों के मामले में, प्रोद-भूत व्याज किंतु अप्राप्त, और
- (ग) बिना लाभांश के कोट किए गए इक्विटी शेयरों और तरजीही शेयरों के मामलों में कोई घोषित पूर्व लाभांश या कोई लाभांश किंतु अप्राप्त।
- (3) नकद और अन्य आस्तियों का मूल्यांकन उनकी बहियों में अंकित मूल्य पर किया जाएगा।

#### XIII. यूनिट प्रमाण-पत्रों का फार्म :

यूनिट प्रमाण-पत्र इसके साथ संलग्न फार्म "ए" में होगा। प्रत्येक यूनिट प्रमाण-पत्र में एक विधेयक संख्या जितनी यूनिटों का यह प्रमाण-पत्र है उतनी संख्या और यूनिट धारक का नाम रहेगा।

#### XIV. यूनिट प्रमाण-पत्र तैयार करने की विधि :

जैसा छोड़ें समय-समय पर निर्धारित करेगा यूनिट प्रमाण-पत्र उल्कीण या लिथोग्राफ या मुद्रित किया जाएगा और ट्रस्ट द्वारा विधिवत रूप से अधिकृत दो व्यक्तियों द्वारा ट्रस्ट की ओर से हस्ताक्षरित होगा। प्रत्येक हस्ताक्षर स्वहस्ताक्षरित होगा या किसी वास्तविक व्यक्ति से लाया गया होगा। जब तक यूनिट प्रमाण-पत्र इस रूप से हस्ताक्षरित नहीं होगा तब तक वह मान्य नहीं होगा। इस रूप में हस्ताक्षरित यूनिट प्रमाण-पत्र मान्य होगा और इस बात के होते हुए बाध्यकारी होगा कि इन्हें जारी होने के पहले, किसी व्यक्ति जिसका हस्ताक्षर उस पर है ट्रस्ट की ओर से यूनिट प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर

करने का अधिकृत व्यक्ति नहीं रहा हो किन्तु इस रूप में तैयार किया गया यूनिट प्रमाण-पत्र में यदि किसी अधिकृत व्यक्ति का हस्ताक्षर है तो प्रमाण-पत्र जारी होने के पहले किसी व्यक्ति जिसका हस्ताक्षर उस पर है ट्रस्ट की ओर से यूनिट प्रमाण-पत्र हस्ताक्षर करने का अधिकृत व्यक्ति नहीं है किन्तु इस रूप में तैयार किया गया यूनिट प्रमाण-पत्र में यदि किसी अधिकृत व्यक्ति का हस्ताक्षर है जो प्रमाण-पत्र जारी होने के समय मृत है ट्रस्ट किसी तरीके से जिसे वह सर्वोत्तम समझता है, प्रमाण-पत्र पर विद्यमान उक्त व्यक्ति के हस्ताक्षर को रद्द कर सकता है और किसी अन्य अधिकृत व्यक्ति का हस्ताक्षर उस पर करवा सकता है। इस रूप में जारी यूनिट प्रमाण-पत्र भी मान्य होंगे।

#### XV. जब यूनिट प्रमाण-पत्र कटे-फटे, विरूपित, लापता आदि हैं, यूनिट प्रमाण-पत्रों की प्रक्रिया :

- (1) यदि कोई प्रमाण-पत्र कटे-फटे जाता है या चिप-पिटे या विरूपित हो जाता है तो ऐसे मामले में ट्रस्ट अपने विवेकानुसार स्वतःवाधिकारी व्यक्ति को एक नया यूनिट प्रमाण-पत्र जारी कर सकता है। इसकी कुल संख्या उतनी ही होगी जितनी कि कटे-फटे, विरूपित, यूनिट प्रमाण-पत्रों की थी। यदि कोई यूनिट प्रमाण-पत्र खो जाता है, चुराया जाता है या नष्ट हो जाता है तो ट्रस्ट अपने विवेकानुसार स्वतःवाधिकारी व्यक्ति को उसके बदले में नया यूनिट प्रमाण-पत्र जारी करेगा। कोई नया यूनिट प्रमाण-पत्र तब तक जारी नहीं किया जाएगा जब तक कि ट्रस्ट ने पहले निम्नलिखित नहीं किया है :—

(i) मूल प्रमाण-पत्रों के कटे-फटे होने, टुकड़े होने, विरूपित होने, खो जाने, चुरा लिए जाने या नष्ट होने के संशोधन का ग्राह्य के साथ प्रस्तुत किया हो।

(ii) तथ्यों की जांच के सम्बन्ध में सभी खर्चों का भुगतान किया गया हो।

(iii) यदि कटे-फटे या चिपे-पिटे या विरूपित यूनिट प्रमाण-पत्रों को ट्रस्ट को प्रस्तुत किया गया हो और अव्यपित किया गया हो और (कटने-फटने या चिपेपन या चिपेने-पिटने के मामले में)।

(iv) ट्रस्ट को क्षतिपूर्ति वसूलन प्रस्तुत किया गया हो असा ट्रस्ट चाहता है।

ट्रस्ट का उप खण्ड के प्रावधान के अन्तर्गत सदभावना के आधार पर उक्त प्रमाण-पत्र को जारी करने का उत्तरदायित्व नहीं होगा।

- (2) इस खण्ड के प्रावधान के अन्तर्गत कोई प्रमाण-पत्र जारी करने के पहले ट्रस्ट चाहेगा कि आवश्यक इसके द्वारा नियत प्रत्येक यूनिट प्रमाण-पत्र के लिए 50 रु० शुल्क का भुगतान करे। साथ ही ट्रस्ट की राय में स्टाम्प ड्यूटी यदि कोई है के लिए पर्याप्त धन राशि या अन्य खर्च या कर डाक पंजीकरण खर्च सहित उक्त प्रमाण-पत्र को जारी करने और प्रेषित करने के संबंध में देखे, उसे भी जमा करे।

#### XVI. यूनिट धारकों का रजिस्टर

यूनिट धारकों के पंजीकरण के सम्बन्ध में निम्नलिखित प्रावधान होंगे :—

- (1) यूनिट ट्रस्ट द्वारा यूनिट धारकों का एक रजिस्टर इसके कुम्भालय में रखा जाएगा और इस रजिस्टर में निम्नलिखित प्रविष्टियाँ की जाएंगी :—

(क) यूनिट धारकों के नाम और पते

(ख) प्रत्येक यूनिट धारक द्वारा धारित यूनिटों की संख्या

(ग) उनके नाम की यूनिटों के धारक बनने की तिथि।

- (2) किसी यूनिट धारक द्वारा अपने नाम या पते में लाये गये परिवर्तन को ट्रस्ट की जानकारी में लायी जाएगी जो उक्त परिवर्तन से संतुष्ट होकर और प्रेषित औपचारिकताओं का पालन कर तब-नुसार रजिस्टर में परिवर्तन करेगा।
- (3) सिर्फ उस अवधि को छोड़कर जब कि रजिस्टर बन्द रहता है तब उसमें निहित प्रावधानों के अनुसार व्यवसाय के वर्ष के दौरान रजिस्टर (ट्रस्ट द्वारा लगाये गए योजित नियंत्रण के अधीन किन्तु प्रत्येक व्यवसाय के दिन कम-से-कम दो बड़े निरीक्षण के अवसर रहने चाहिए) बिना किसी प्रकार के यूनिट धारकों के निरीक्षण के लिए खुला रहेगा।
- (4) रजिस्टर बन्द अवधि के लिए बन्द रहेगा जैसा ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर निर्दिष्ट किया जाएगा। किये किसी भी वर्ष में यह 80 दिनों से अधिक दिनों के लिए बन्द नहीं रखा जाएगा। ट्रस्ट बन्द होने की सूचना बोर्ड द्वारा निर्देशित समाचार-पत्रों में प्रकाशित करेगा।
- (5) यूनिट धारक को छोड़कर किसी भी व्यक्ति के यूनिटों के संबंध में किसी भी ट्रस्ट की नोटिस स्पष्ट रूप में अस्तित्व में या रचनात्मक और प्रहणधिकार रजिस्टर में प्रविष्ट नहीं की जाएगी।

#### 17. यूनिट धारक द्वारा यूनिट ट्रस्ट से भुगतान पाने की रसीद :

यूनिट धारक द्वारा प्रमाण पत्र में अंकित यूनिटों के सम्बन्ध में उनके द्वारा पाई गयी मुद्रा के लिए की गयी रसीद यूनिट ट्रस्ट के लिए सही अदायगी मानी जाएगी।

#### 18. यूनिटों का वसूली / गिरफ्तार करना :

योजना के अंतर्गत जारी यूनिटों का वसूली नहीं किया जा सकता। यूनिटों को गिरफ्तार भी नहीं रखा जा सकता।

#### 19. निवेश की सीमाएं :

- (1) इस योजना की निधियों से किसी कम्पनी की प्रतिभूतियों में यूनिट ट्रस्ट द्वारा उक्त कम्पनियों के बकाया और जारी की गयी प्रतिभूतियों का 15% से अधिक निवेश नहीं किया जाएगा। बशर्ते कि पूंजी में उक्त निवेश की समय राशि औद्योगिक उपक्रमों द्वारा आरंभ में जारी की गयी राशि के अन्तर्गत उक्त निधियों की कुल राशि का 5% से अधिक किसी समय नहीं हो।
- (2) उप खण्ड (1) के अन्तर्गत निर्धारित सीमाएं किसी कम्पनी के डिबेंचरों, जमा राशियों और बांडों (सुरक्षित या असुरक्षित में) में ट्रस्ट के निवेशों में लागू नहीं होंगे।

#### 20. आय वितरण की दर :

अर्द्ध वार्षिक आधार पर 16% की दर से प्रति वर्ष लाभांश का भुगतान किया जाएगा। आधिकारिक रूप में बोनस लाभांश घोषित किया जाएगा।

#### 21. यूनिट धारकों को भुगतान :

- (1) यूनिट धारकों को देय आय का वितरण जल्द-से-जल्द प्रत्येक वर्ष 30 जून / 31 दिसम्बर के बाद किया जाएगा।
- (2) यूनिट धारकों के बीच वितरण की जाने वाली आय पर यूनिट ट्रस्ट द्वारा व्याज देय नहीं होगा।
- (3) यूनिट धारकों को देय आय का भुगतान भारतीय यूनिट ट्रस्ट के बैंक से के नाम कटा हुआ बैंक या वॉरंट द्वारा किया जाएगा या बैंक ड्राफ्ट द्वारा जैसा यूनिट धारक का विकल्प हो और बैंक ड्राफ्ट प्रकार का भुगतान यूनिट धारक द्वारा ही किया जाएगा।

#### 21. (क) आय अदायगी का अतिरिक्त यूनिटों में पुनर्निवेश :

उन शर्तों या निवेशों के अधीन जैसा अध्यक्ष या / कार्यवाहक न्यासी जारी या लागू करने के लिए उचित समय यूनिटों के लिए आवेदन करने समय

या इसके बाद यूनिटों को यह विकल्प रहेगा कि वे यूनिटों के संबंध में प्राप्त होनेवाली आय को अतिरिक्त यूनिटों में बुझा निवेश करें। ऐसे विकल्प को बनाने की स्थिति में खण्ड 21 में दी गयी पद्धति के अनुसार यूनिट धारक को भुगतान करने के बजाय उन्हें देय संपूर्ण आय वितरण को, कर कटौती के बाद, अनुवर्ती / उसी वर्ष के जनवरी / जुलाई माह में प्रचलित बिक्री मूल्य पर अतिरिक्त यूनिटों में पुनर्निवेश किया जाएगा। वितरित किए जाने वाले लाभांश कर कटौती और आबंटित यूनिटों के संबंध में एक विवरण यूनिट धारक को प्रेषित किया जाएगा। कोई भी यूनिट धारक ऐसी आबंटित यूनिटों के लिए यूनिट प्रमाणपत्र जारी करने की मांग नहीं कर सकता। कोई यूनिट धारक जो ऊपर कहे गए के अनुसार पुनः निवेश सुविधा के लिए अपना विकल्प दिया है उसे लिखित आवेदन पत्र पर और उसे जारी पिछले विवरण को अध्ययन करने पर अनुमति दी जा सकती है कि उसके खातों में उस समय प्रचलित पुनर्बिक्री मूल्य पर पूरी की गयी यूनिटों का जमा कर दी जाए। जिस यूनिट धारक के पुनर्निवेशित यूनिटों की पुनर्बिक्री की है वह उसे अनुवर्ती वर्षों के लिए वितरण योग्य आय के संबंध में पुनर्निवेश की सुविधा को जारी रख सकता है। मूल यूनिटों की पुनर्बिक्री पर इस सुविधा के अन्तर्गत जारी यूनिटों का स्वतः पुनर्बिक्री हो जाएगी। इस खण्ड के अन्तर्गत पुनर्निवेश सुविधा, आबंटित यूनिटों, मूलतः धारण, पुनर्निवेश और अन्य मामलों से संबंधित जनक यूनिटों को नियंत्रित करने वाली शर्तों के अधीन नहीं होगी।

#### 22. खातों का प्रकाशन :

ट्रस्ट वार्षिकीय को प्रत्येक वर्ष 30 जून के बाद की अवधि हो सकती है, बोर्ड द्वारा निर्धारित की गयी विधि से खातों को प्रकाशित करेगा जिसमें उस तिथि को समाप्त अवधि के दौरान योजना का कार्य प्रवर्धित किया जाएगा। ट्रस्ट किसी यूनिट धारक से लिखित रूप से प्राप्त अनुरोध पर प्रकाशित लेख की एक प्रति उसे भेजेगा।

#### 23. योजना में परिवर्तन और संशोधन :

समय-समय पर बोर्ड योजना में कोई परिवर्तन / संशोधन कर सकता है जो सरकारी राजपत्र में अधिसूचित किया जाएगा।

#### 24. योजना की समाप्ति :

ट्रस्ट अपनी इच्छानुसार 6 महीनों की नोटिस यूनिट धारकों को लेकर योजना समाप्त कर सकता है। योजना की समाप्ति होने पर योजना के अन्तर्गत जारी सभी बकाया यूनिटों की समाप्ति की तिथि पर ट्रस्ट द्वारा निर्धारित अंतिम पुनर्बिक्री मूल्य पर प्रतिदान किया जाएगा। निर्धारित पुनर्बिक्री मूल्य प्राप्त करने के अलावा किसी प्रकार का प्राय लाभ जैसे पुनर्बिक्री मूल्य पर बृद्धि या अनुवर्ती अवधि के लिए लाभांश नहीं दिया जाएगा और पुनर्बिक्री मूल्य का भुगतान वार्षिकीय, ट्रस्ट द्वारा यूनिट प्रमाणपत्र के पृष्ठ भाग पर दिए गए फार्म को पूर्ण रूप से भरा हुआ फार्म की प्राप्ति पर किया जाएगा। पुनर्बिक्री के लिए प्राप्त यूनिट प्रमाणपत्र को निरसन के लिए ट्रस्ट द्वारा रखा जाएगा।

#### 25. यूनिट धारकों के लिए योजना का बाध्यकारी होना :

समय-समय पर किए जाने वाले संशोधन सहित इस योजना की शर्तें प्रत्येक यूनिट धारक पर बाध्यकारी होंगी और प्रत्येक अन्य व्यक्ति जो उनके माध्यम से दावा करते हैं माओ स्पष्ट रूप से स्वीकार किए हैं कि वे इस रूप में उन पर बाध्यकारी होंगी।

#### 26. उपलब्ध करायी जाने वाली योजना की प्रति :

सभी संशोधनों सहित योजना की एक प्रति ट्रस्ट के कार्यालय में निरीक्षण के लिए कार्यालय के दौरान उपलब्ध करायी जाएगी।

#### 27. प्रावधानों के अर्थ लगाने का अधिकार :

यदि किसी भी प्रावधान के स्पष्टीकरण में कोई संदेह उत्पन्न होता है, तो अध्यक्ष या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक न्यासी को योजना के प्रावधानों का अर्थ लगाने का अधिकार होगा जो योजना की आधारभूत संरचना के विपरित या किसी रूप में प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला नहीं होगा और यह निर्णय अंतिम होगा।

## 28. प्रावधानों का सिधिलीकरण/परिवर्तन/संशोधन :

यूनिटों की पुनर्बरीष के लिए आवेदन पत्र

ट्रस्ट के अध्यक्ष या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक न्यासी कठिनाइयों को कम करने के उद्देश्य से या योजना के अबाध और सहज परिचालन के लिए योजना के किसी प्रावधान को सिधिल/परिवर्तित या संशोधित कर सकते हैं जिन मामलों में किसी यूनिट धारक या यूनिट धारकों के हितों के लिए यह आवश्यक समझा जाएगा।

फार्म ए

प्रतीक

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

(भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 के अस्तर्गत विनियमित)

संस्थागत निवेशक विशेष निधि यूनिट योजना

(खण्ड 13)

यूनिट प्रमाणपत्र सं०

यूनिटों की सं०

यह प्रमाणित किया जाता है कि इस प्रमाणपत्र में नामांकित व्यक्ति—  
यूनिटों के पंजी-  
कृत धारक हैं। भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 52)  
के प्रावधानों, उनके अस्तर्गत बनाए गए विनियमों और संस्थागत निवेशक  
विशेष निधि यूनिट योजना की शर्तों के अधीन प्रत्येक यूनिट का अंकित मूल्य  
रुपये हैं।

नाम : \_\_\_\_\_

स्वान : \_\_\_\_\_

दिनांक : \_\_\_\_\_

कृते भारतीय यूनिट ट्रस्ट

अहस्तांतरणीय

दिनांक :

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

हम \_\_\_\_\_

भारतीय यूनिट ट्रस्ट की—यूनिटों के पंजीकृत धारक  
हैं और हम यूनिट ट्रस्ट को उक्त—यूनिटों बेचने के  
इच्छुक हैं।

उक्त—यूनिटों से—@यूनिटों के संबंध में  
तबनुसार प्रस्ताव करता हूँ कि भारतीय यूनिट ट्रस्ट सम मूल्य पर स्वीकृति  
तिथि के पुनर्बरीष मूल्य पर इस आवेदन पत्र से संबंधित यूनिटों की खरीद  
करें।

यूनिटों का मूल्य हमें \* बैंक/बैंक ब्रास्ट द्वारा हमारे खाते पर धुनता  
किया जाए।

साक्षी का हस्ताक्षर

अधिकृत व्यक्तियों के हस्ताक्षर

नाम : \_\_\_\_\_

व्यवसाय : \_\_\_\_\_

पता : \_\_\_\_\_

साक्षी का हस्ताक्षर

वर्तमान पता \_\_\_\_\_

नाम : \_\_\_\_\_

व्यवसाय : \_\_\_\_\_

पता : \_\_\_\_\_

केवल कार्यालय के प्रयोग के लिए

स्वीकृति तिथि \_\_\_\_\_

@1 साब यूनिटों के गुणजों में होना चाहिए।

\*जो लागू नहीं होता उसे काट दें।

सं० यू.टी./डी.बी.डी.एम./2454 ए/एस.पी.डी-74 ए/92-93 :—  
मास्टर ईक्विटी प्लान 1993 के प्रावधानों जो भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 की धारा 19 (1) (8) (सी) के अन्तर्गत और मास्टर ईक्विटी योजना 1993 की धारा 21 के अन्तर्गत बनाये गये हैं, और जिन्हें दिनांक 22 दिसम्बर, 1992 को हुई बैठक में कार्यकारिणी समिति ने अनुमोदित किया है और 7 जनवरी, 1993 को हुई कार्यकारिणी समिति की बैठक में संशोधित किये गये हैं, इसके नीचे प्रकाशित किये जाते हैं।

#### भारतीय यूनिट ट्रस्ट

##### मास्टर ईक्विटी प्लान 1993 के प्रावधान

भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 की धारा 19 (1) (8) (सी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय यूनिट ट्रस्ट का श्यासी मण्डल एनबू द्वारा निम्नलिखित योजना बनाता है।

यह योजना "मास्टर ईक्विटी प्लान 1993" कही जाएगी और 15 जनवरी 93 से आरम्भ होगी।

ईक्विटी सम्बद्ध बचत यूनिट योजना—1992 के अन्तर्गत जारी यूनिटों के लिए वह प्लान लागू होगा और या इसके बाव कोई अन्य योजना जिसे ट्रस्ट बनाता है और जिसके लिए प्लान को लागू करेगा।

भूमिका : आयकर अधिनियम 1961 की धारा 88 के अनुसार कर निर्धारिती द्वारा किए गए निवेश पर जो एक व्यक्ति हो सकता है, अविभक्त हिन्नु परिवार या व्यक्तियों का संघ हो सकता है। आयकर 1961 की धारा 10 के खण्ड 23 (घ) के अन्तर्गत विनिर्दिष्ट किसी म्यूचुअल फण्ड की यूनिटों में जैसा विनिर्दिष्ट हो या भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 (1963 का 52) की किसी योजना के अन्तर्गत कोई योजना जिसे केन्द्रीय सरकार किसी सरकारी राजपत्र में अधिसूचना द्वारा अधिकतम 10,000 रु की निवेशित राशि पर 20 प्रतिशत की छूट प्रदान कर सकती है। दूसरे शब्दों में निवेशक द्वारा निवेशित राशि का 20 प्रतिशत अधिकतम 10,000 तक की राशि देय कर से घटायी जा सकती है। यह प्लान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 88 के प्रावधानों के अनुसरण में और ईक्विटी सम्बद्ध बचत योजना 1992 के अनुसार बनाया गया है, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा सरकारी राजपत्र में अधिसूचित विनिर्दिष्ट है।

#### (1) सहभागिता के लिए पात्रता :

निर्धारिती

- (क) वयस्क निवासी व्यक्ति एकल और संयुक्त रूप में कोई एक या उत्तरजीवी आधार पर,
- (ख) नाबालिग की ओर से माता/पिता/सौतेला माता-पिता या न्यायालय द्वारा निर्धारित अभिभावक
- (ग) हिन्नु अविभक्त परिवार, और
- (घ) व्यक्तियों का संघ या नियमित निकाय जिसमें किसी भी मामले में केवल पति का या पत्नी को जो गोवा राज्य और दादरा नगर हवेली और दमन और दिव में लागू तथा जो सम्पत्ति के समुदाय पद्धति द्वारा नियंत्रित है।

कोई व्यक्ति जो व्यवहार कर सकते हैं माता-पिता, सौतेला माता-पिता या किसी नाबालिग के वैध अभिभावक हैं, वे यूनिटों के लिए आवेदन इस योजना में और धारा 21 की उप धारा (2 ए) में दो गई सीमा तक और के अनुसार ही व्यवसाय कर सकते हैं। ऐसे वयस्क यूनिटों के लिए आवेदन करते समय ट्रस्ट को नाबालिग की आय का साध्य और नाबालिग की ओर से यूनिटों का धारण करने और व्यवहार करने की अपनी सक्षमता को ऐसी रीति में प्रस्तुत करना होगा जैसा निश्चय किया जाएगा। बशर्त

कि ट्रस्ट के बिना किसी साध्य के आवेदन पत्र में ऐसे वयस्क द्वारा की गई विवरणी पर कार्यवाही करने का स्वत्वाधिकार होगा।

उपयुक्त में परिभाषित कोई निर्धारिती या योजना के अन्तर्गत परिभाषित आवेदक इसके बाव "सदस्य" कहे जाएंगे।

#### (2) यूनिटों की बिक्री की पेशकश :

प्रत्येक इच्छुक सदस्य योजना के अन्तर्गत 15 जनवरी, 1993 से 31 मार्च 1993 तक की अवधि के दौरान यूनिटों के लिए आवेदन कर सकता है। प्रत्येक यूनिट का अंकित मूल्य 10 रु० होगा। योजना के अन्तर्गत निवेश 50 यूनिटों के गुणकों से न्यूनतम 50 यूनिटों के साथ (रु० 500/- होगा)।

#### (3) शोध निवेश के लिए प्रोत्साहन :

जो निवेशक 22.2.93 के पहले योजना में सम्मिलित हो रहे हैं वे योजना के अन्तर्गत निवेश की राशि पर 1.5 प्रतिशत की दर से प्रोत्साहन पाने के पात्र होंगे। प्रोत्साहन चेक सदस्यता/यूनिट प्रमाण पत्र के साथ भेज दिया जाएगा।

#### (4) भुगतान :

(क) सदस्य द्वारा आवेदित यूनिटों के लिए भुगतान आवेदन पत्र के साथ नकद, चेक या ड्राफ्ट द्वारा किया जाएगा। चेक और ड्राफ्ट उन शर्तों के तहत को शाखाओं पर आहरित होंगे जहाँ पर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया हो और केवल 'रेखांकित खाता आदात' ही होगा। यदि भुगतान चेक द्वारा किया जाता है। ऐसे चेक को राशि की प्राप्ति होने के अधीन स्वीकृति तिथि, ट्रस्ट के किसी भी कार्यालय द्वारा या विनिर्दिष्ट बैंक की शाखा में चेक प्राप्त की गई तिथि होगी।

यदि भुगतान ड्राफ्ट द्वारा किया जाता है, ऐसे ड्राफ्ट की राशि की प्राप्ति होने के अधीन स्वीकृति तिथि, ड्राफ्ट जारी करने की तिथि होगी बशर्त कि उचित समय के अन्दर ट्रस्ट के कार्यालय में या निविष्ट बैंक की शाखा में प्राप्त किया गया हो।

(ख) आवेदन पत्र की स्वीकृति पर एक रसीद या पावती ट्रस्ट द्वारा जारी की जाएगी। जहाँ आवेदन पत्र विनिर्दिष्ट बैंक की शाखा में प्रस्तुत किया गया है, रसीद या पावती उक्त शाखा द्वारा जारी की जाएगी।

(ग) ट्रस्ट यथा शोध प्रत्येक सदस्य को उसे योजना में प्रवेश के बारे में सदस्यता सं० के साथ सूचित करेगा। ट्रस्ट के साथ सभी पत्र-व्यवहार में सदस्य अपनी सदस्यता संख्या के साथ सूचित करेगा।

(घ) योजना के अन्तर्गत यूनिटों की खरीद के लिए सदस्य को सदस्यता या यूनिट प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

#### (5) यूनिटों का आबंटन :

31 मार्च, 1993 को यूनिटों का आबंटन किया जाएगा।

2000 यूनिटों का पक्का आबंटन किया जाएगा (अर्थात् 20,000 रु०) और इसके बाद पूरे अंशदान को सर्वेक्षण रखते हुए ट्रस्ट अपनी इच्छानुसार आबंटन करेगा।

#### (6) अवकाश अवधि :

योजना के अन्तर्गत सदस्य द्वारा किए गए निवेश को आबंटन की तिथि से न्यूनतम 3 वर्षों की अवधि के लिए रखा जाएगा। यह 3 वर्ष की अवधि 'अवकाश अवधि' कही जाएगी। इन 3 वर्षों की अवधि के दौरान यूनिटों की पुनर्खरीद की अनुमति नहीं दी जाएगी। परन्तु सदस्य की मृत्यु होने की स्थिति में सदस्य को यूनिट आबंटन की गई तिथि से एक वर्ष पूर्ण होने के

बाद, वैध उत्तराधिकारी या योजना के अन्तर्गत ट्रस्ट की बहियों पंजीकृत नामिती मृत सदस्य के नाम जमा यूनिटों की पुनर्खरीद कर सकता है।

एक वर्ष की अवधि के बाद और इस सम्बन्ध में सभी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद वैध उत्तराधिकारी/नामिती को मृत सदस्य के नाम जमा यूनिटों की पुनर्खरीद राशि का भुगतान किया जाएगा और ट्रस्ट द्वारा पुनर्खरीद मूल्य घोषित किया जाएगा।

#### (7) पुनर्खरीद :

ट्रस्ट यूनिटों की आवंटन की तिथि से एक वर्ष की समाप्ति के बाद पुनर्खरीद मूल्य घोषित करेगा और इसके बाद अर्द्धवार्षिक आधार पर।

तीन वर्षों की अवधि के बाद आवंटन की तिथि से जब यूनिटों की पुनर्खरीद प्रारम्भ होगी ट्रस्ट पुनर्खरीद मूल्य महीने की पहली तारीख को योजना में दिए गए आधार पर या निश्चित किए गए मूल्य पर घोषित करेगा।

जून माह में जब सदस्यों का रजिस्टर लेखा बन्दी के लिए बन्द रहेगा पुनर्खरीद नहीं की जाएगी।

पुनर्खरीद करने के लिए यूनिटें प्रस्तुत की गई तिथि को प्रचलित मूल्य पर पुनर्खरीद की जाएगी।

#### (8) अन्तरण :

योजना के अन्तर्गत प्राप्त यूनिटों का अवयव अवधि के बाद अन्तरण समनुदेशन या गिरवी रखी जा सकती है। हिन्दू अविभक्त परिवार व्यक्तियों का संघ व्यक्तियों का निकाय यूनिट धारण के विखराव या और विभाजन की स्थिति में अवयव अवधि के दौरान या उसके बाद किन्तु योजना की समाप्ति के पहले उपर्युक्त में किसी बात के होते हुए उक्त विभाजन या विखराव के सम्बन्ध में संगत विधि के लागू होने का एक अवरोध होगा केवल उसे छोड़ कर जिसमें विशिष्ट रूप से सहमति प्रदान की गई हो या वर्णित हो जो विधि के विन्यस्त नहीं हो। आयकर वितरण और यूनिट को विभाजन हिन्दू अविभक्त परिवार, व्यक्तियों का संघ और व्यक्तियों का निकाय के सदस्यों के बीच सदैव संगत विधि यदि कोई होगा और जो समय-समय पर प्रवृत्त होगा द्वारा नियंत्रित होगा।

#### 8(क) सूचीबद्ध होना :

योजना के अन्तर्गत जारी की गई यूनिटों को 3 वर्षों की अवयव अवधि के बाद मान्यता प्राप्त बड़े गैर बाजारों में सूचीबद्ध किए जाएंगे।

#### (9) नामांकन :

विनियम में दी गई सीमा तक सदस्य नामांकन करने जा या रह करने का हकदार होगा। हिन्दू अविभक्त परिवार या व्यक्तियों का संघ या व्यक्तियों का उक्त निकाय नामांकन करने का हकदार नहीं होंगे।

#### (10) यूनिट धारक की मृत्यु :

(क) किसी एकल धारक की मृत्यु की स्थिति में योजना के अन्तर्गत, नामिती ट्रस्ट द्वारा मान्य व्यक्ति होगा जो मृतक धारक के नाम जमा यूनिटों के सम्बन्ध में विनियमों के अन्तर्गत ट्रस्ट द्वारा देय राशि का हकदार होगा।

(ख) वैध नामांकन के अभाव में मृतक यूनिट धारक का प्रशासक या कार्यपालक भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 (1925 का 59) के भाग X के अन्तर्गत जारी उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र का कोई धारक ही केवल ऐसा व्यक्ति होगा जो ट्रस्ट द्वारा माना जाएगा कि उसका यूनिटों में कोई अधिकार है।

(ग) किसी यूनिट धारक की मृत्यु होने के कारण किसी व्यक्ति को यूनिटों का स्वत्वाधिकारी होने पर तथा उसके अधिकारी होने के साक्ष्यों को प्रस्तुत करने पर जिसे ट्रस्ट पर्याप्त समझेगा मृतक के नाम जमा सभी यूनिटों की (यूनिटों के आवंटन के 1 वर्ष के बाद) पुनर्खरीद मूल्य का भुगतान दावेदार द्वारा दावा सम्बन्धी सभी औपचारिकताओं के अनुपालन करने पर ट्रस्ट द्वारा किया जाएगा।

#### (11) योजना की अवधि :

इस योजना के प्रावधान केवल विशिष्ट रूप से अंकित अपवादों को छोड़ कर 15 जनवरी 1993 से लागू माने जाएंगे जिसकी अवधि 10 वर्षों की होगी और यह यूनिटों की बिक्री के बन्द होने की तिथि से 31 मार्च 2003 तक होगी।

#### (12) योजना की समाप्ति :

योजना 1 अप्रैल 2003 को समाप्त हो जाएगी अर्थात् योजना के अन्तर्गत यूनिटों की बिक्री की बन्दी की तिथि से 10 वर्षों। परन्तु यदि योजना के अन्तर्गत अवयव अवधि के बाद 90 प्रतिशत या अधिक की यूनिटों (निवेशित मूल्य राशि) की पुनर्खरीद की जा चुकी है तो ट्रस्ट निर्धारित 10 वर्षों की अवधि से पहले प्लान की समाप्ति कर सकता है और अवशिष्ट यूनिट धारकों को ट्रस्ट द्वारा निश्चित की गई अन्तिम पुनर्खरीद मूल्य पर राशि वापस कर सकता है।

#### (13) कर विधि का लागू होना :

आयकर अधिनियम 1961 की धारा 88 के अन्तर्गत एम० ई० पी० -93 की यूनिटों में निवेश की गई राशि पर 20 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। (अधिकतम 10,000/- रु० के अधीन) दूसरे शब्दों में निवेशित राशि की 20 प्रतिशत (अधिकतम 10,000/- रु० के अधीन) निवेशक द्वारा देय कर यदि कोई हो, से घटा दी जाएगी।

यूनिटों से प्राप्त अन्य पूंजी लाभ पर प्रचलित कर विधि के अनुसार कर की कसौटी की जाएगी। योजना में निवेशित राशि धनकर से मुक्त होगा। ट्रस्ट द्वारा यदि लाभान्वित भुगतान किया जा रहा है, अलग-अलग यूनिट धारकों के मामले में खोत पर क कटौती नहीं होगी।

#### (14) योजना में परिवर्धन और संशोधन :

समय-समय पर बोर्ड योजना में परिवर्धन कर सकता है या अन्य संशोधित कर सकता है तथा ऐसा कोई संशोधन सरकारी राजपत्र में अधिसूचित किया जाएगा।

#### (15) आवेदकों के लिए बाध्यकारी योजना :

समय-समय पर किए गए संशोधनों सहित इस योजना की शर्तें प्रत्येक व्यक्ति पर बाध्यकारी होंगी मातों उन्होंने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया है कि वे उनके लिए बाध्यकारी हैं।

#### (16) योजना के प्रावधानों के अधीन प्लान के प्रावधान :

यूनिटों के अन्तर्गत हित की प्राप्ति के लिए इस प्लान के अन्तर्गत धारित या अर्जित किसी यूनिट के सम्बन्ध में प्लान के प्रावधान को यूनिट योजना 1993 के प्रावधानों के अधीन पढ़ जाए।

## (17) प्लान की प्रति उपलब्ध कराना :

इस योजना की सभी प्रतिसंशोधनों सहित ट्रस्ट के कार्यालयों में व्यवसाय के समय के दौरान के लिए उपलब्ध कराई जाएगी और आवेदन-पत्र देने पर किसी भी व्यक्ति को इसकी प्रति दी जाएगी।

## (18) प्रावधानों का अर्थ लगाने का अधिकार :

योजना के किसी प्रावधान के स्पष्टीकरण में यदि कोई सन्देह होता है तो अध्यक्ष या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक न्यासी को योजना के प्रावधानों को अर्थ लगाने का अधिकार रहेगा। किन्तु यह अर्थ लगाना योजना की आधारभूत संरचना के विरुद्ध न जाती हो या किसी रूप में पूर्वाग्रहपूर्ण न हो तथा यह निर्णय अन्तिम और निर्णायक होगा।

## (19) प्रावधानों का शिथिलीकरण परिवर्तन संशोधन :

ट्रस्ट के अध्यक्ष या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक न्यासी, कठिनाइयों को कम करने के दृष्टिकोण से या योजना के सहज परिचालन के लिए उन मामलों में जिनमें कोई व्यक्ति या व्यक्तियों का वर्ग शामिल हो, वे शर्तें जो उचित समझी जाती हों, प्लान के किसी प्रावधान को शिथिल, परिवर्तन या संशोधित कर सकते हैं।

## भारतीय यूनिट ट्रस्ट

मास्टर ईक्विटी योजना--1993 के प्रावधान

भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 (1963 का 52) की धारा 21 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय यूनिट ट्रस्ट का बोर्ड इसके द्वारा निम्नलिखित यूनिट योजना बनाता है।

## I. सक्षिप्त शीर्षक और योजना का प्रारम्भ :

- (1) वह योजना मास्टर ईक्विटी योजना 1993 (एम ई. एस. 93) कही जाएगी।
- (2) यह 15 जनवरी 1993 से प्रभावी होगी और योजना के अन्तर्गत यूनिटों की बिक्री 31 मार्च 1993 तक की जाएगी।
- (3) ईक्विटी लिक्विड सेविंग स्कीम—1992 और आयकर अधिनियम 1961 में यथा अंकित भारत सरकार द्वारा निर्गत मार्गदर्शन विधानों के अनुसार यह योजना बनाई गई है।

## II. परिभाषाएं :

इस योजना जब तक विषयवस्तु अन्यथा अपेक्षित न हो,

- (क) 'अधिनियम, का अर्थ भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 है।
- (ख) 'स्वीकृति तिथि' ट्रस्ट द्वारा यूनिटों की बिक्री या पुनर्बिक्री के लिए ट्रस्ट को भेजे गए आवेदन पत्र के सन्दर्भ में स्वीकृति तिथि का अर्थ है उक्त तिथि जब ट्रस्ट सन्तुष्ट होकर आवेदन पत्रों को स्वीकार करता है कि यह सही है।
- (ग) योजना के अन्तर्गत 'आवेदक' का अर्थ है वे सभी वर्गों के लोग जो खण्ड IV विशेष रूप से वर्णित हैं।
- (घ) 'आबंटन की तिथि' 31 मार्च 1993 होगी।
- (ङ) 'सूचीबद्ध' का अर्थ है वे शेर बाजार में व्यापार के प्रयोजन के लिए यूनिटों का सूचीबद्ध होना जो प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) के अन्तर्गत इस समय के लिए मान्यताप्राप्त हैं।
- (च) 'अवरुद्ध अवधि' का अर्थ है योजना के अन्तर्गत यूनिटों में आबंटन की तिथि से तीन वर्षों की अवधि जिसके दौरान आवेदक को यूनिटें खरीदने या रखने होंगे और पुनर्बिक्री के लिए नहीं प्रेषित करनी होगी।

(छ) 'बिक्री अवधि' का अर्थ है उक्त अवधि जिसके दौरान ट्रस्ट खण्ड 1 के उप-खण्ड (2) के अनुसार 10/- रु० (दस रुपए) के अंकित मूल्य पर प्रत्येक यूनिट की बिक्री करेगा।

(ज) 'व्यसाय' करने से तात्पर्य है किसी भी स्वीकृत शेर बाजारों के माध्यम से खरीद और बिक्री द्वारा व्यवसाय करना।

(झ) जारी की जाने वाली 'यूनिटों की संख्या' का अर्थ है बिक्री की गई और बकाया यूनिटों की समग्र संख्या।

(ञ) 'मान्यता प्राप्त शेर बाजार' का अर्थ है ऐसा शेर बाजार जो उस समय के लिए प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) के अन्तर्गत मान्यताप्राप्त है।

(ट) 'यूनिट' का अर्थ यूनिट पूंजी में दस रुपए के अंकित मूल्य का एक अविभाजित शेर।

(ठ) 'विनियम' का अर्थ है भारतीय यूनिट ट्रस्ट सामान्य विनियमावली 1964 जो अधिनियम की धारा 43 (1) के अन्तर्गत बनाई गई है।

(ड) अन्य सभी अभिव्यक्तियों जिन्हें यहां परिभाषित नहीं की गई है किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं; के वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में दिए गए हैं।

## III. प्रत्येक यूनिट का अंकित मूल्य :

प्रत्येक यूनिट का अंकित मूल्य 10/- रु० होगा।

## IV यूनिटों के लिए आवेदन पत्र :

निम्नलिखित वर्गों के व्यक्ति यूनिटों के लिए आवेदन कर सकते हैं :

- (क) वयस्क निवासी व्यक्ति एकल या 3 व्यक्तियों तक संयुक्त रूप में कोई एक या उत्तर जीवी आधार पर।
- (ख) माता-पिता/पौता माता-पिता नाबालिग निवासी का म्यायालय द्वारा निर्धारित अभिभावक।
- (ग) हिन्दू अविभक्त परिवार :
- (घ) व्यक्तियों का कोई संघ या व्यक्तियों का निकाय जिसमें किसी भी मामले में सिर्फ पति और पत्नी शामिल होंगे और जो समुदाय की व्यवस्था द्वारा शामिल होगा या गोवा राज्य और संघ शासित क्षेत्र दादरा और नगर हवेली और दमन दीव स्थित क्षेत्रों की सम्पत्तियों में प्रवृत्त हैं। आवेदित यूनिटों की संख्या, सभी मामलों में कम से कम 50 यूनिटों के लिए 50 के गुणजों में करना होगा जिसका समग्र मूल्य 500/- का होगा, आवेदक द्वारा यूनिटों की खरीद के लिए आवेदन का भुगतान नकद, चेक या ड्राफ्ट द्वारा किया जाएगा। चेक और ड्राफ्ट बैंक की उन शाखाओं पर आधारित होंगे जो शाखाएं नगर में स्थित हैं तथा हां उक्त कार्यालय हो जहां आवेदन पत्र जमा किया जाता है। यदि चेक द्वारा भुगतान किया गया है तो स्वीकृति तिथि उक्त चेक की वसूली के अधीन होगी तथा उक्त तारीख होगी जिस दिन ट्रस्ट या प्राधिकृत बैंक की शाखा ने चेक प्राप्त किया था। यदि ड्राफ्ट द्वारा भुगतान किया जाता है तो स्वीकृति तिथि उक्त ड्राफ्ट जारी करने की तारीख होगी बशर्ते कि उक्त ड्राफ्ट की राशि प्राप्त हो गई हो और आवेदन पत्र ट्रस्ट या प्राधिकृत बैंक के शाखा द्वारा यथोचित समय के अन्तर्गत प्राप्त हो गया हो।

## V. यूनिटों की बिक्री के लिए पेशकश :

योजना के अन्तर्गत यूनिटों की बिक्री 76 दिनों के लिए अर्थात् 15 जनवरी 1993 से 31 मार्च 1993 (दोनों दिनों सहित) खुली रहेगी। ट्रस्ट निर्धारित तिथि से पहले इसकी बिक्री को

बन्द करने का अधिकार सुरक्षित रखना है। ट्रस्ट के किसी भी कार्यालय में 31 मार्च 1993 को कार्यालय समय या इसके बाद कार्यालय समय के बाद प्राप्त आवेदन अवैध समझा जाएगा और उसे अस्वीकार किया जाएगा।

पूर्वोक्त बित्री के लिए संविदा की समाप्ति पर ट्रस्ट ध्याशीघ्र आवेदक को एक सूचना भेजेगा जिसमें आवंटित यूनिटों की संख्या सूचित की जाएगी। यह सूचना आवेदक द्वारा दिए गए पते पर डाक द्वारा भेजी जाएगी। सूचना के जो जाने क्षतिग्रस्त होने या गलत डिलीवरी या नहीं दिए जाने के सम्बन्ध में ट्रस्ट उत्तरदायी नहीं होगा।

#### VI जलपनिवेश पर प्रोत्साहन:

बिनांक 22.02.1993 तक योजना में शामिल होने वाले निवेशक योजना के अन्तर्गत 1.5 प्रतिशत की दर से प्रोत्साहन पाने के हकदार होंगे। प्रोत्साहन बैंक सदस्यता/यूनिट प्रमाण पत्र के साथ भेज दिए जाएंगे।

#### VII आबंटन का आधार:

2000 यूनिटों (अर्थात्, 20,000/- रुपये) का आबंटन निश्चित है और इसके बाद का आबंटन ट्रस्ट के विवेक पर निर्भर करेगा जो समय अभिधान की राशि को ध्यान में रखकर किया जाएगा।

#### VIII पुनर्बरीद मूल्य:

- (1) यूनिटों के आबंटन तिथि के एक माल बाद ट्रस्ट पुनर्बरीद मूल्य घोषित करेगा और इसके बाद अर्ध वार्षिक आधार पर करेगा।
- (2) यूनिटों की आबंटन तिथि से 3 साल की अवसृद्ध अवधि के बाद यूनिटों की पुनर्बरीद का प्रारम्भ होगा और प्रत्येक माह की पहली तारीख को ट्रस्ट या कार्रवार ट्रस्ट पुनर्बरीद मूल्य घोषित करेगा।
- (3) पुनर्बरीद मूल्य का निर्धारण कार्य दिवस को बारोबार की समाप्ति के समय जो इसके बाद निश्चित किया जाएगा। इस योजना से सम्बन्धित आस्तियों के मूल्य से सम्बन्धित देयताओं को अस्ति को देयताएं या प्रारंभित राशि, यदि कोई है मजिन, यूनिट पूंजी के सम्बन्ध में देयताएं नहीं) जो उक्त कार्यविधम को कारोबार के बन्द होने के समय या, घटाकर तथा उस दिन के कारोबार की समाप्ति तक जारी यूनिटों की संख्या से भाग देकर तथा उसने उतनी राशि घटाकर जो ट्रस्ट की राशि में दलाती, कमीशन, करों, स्टाम्प शुल्क और ट्रस्ट द्वारा विदेशी की वसूली के सम्बन्ध में अन्य खर्चों को देने के लिए पर्याप्त है पुनर्बरीद मूल्य निकाला जाएगा। जिस दिन का पुनर्बरीद मूल्य निकाला जाता है उस दिन ट्रस्ट के पास उपलब्ध सामग्री के आधार पर किसी यूनिट का पुनर्बरीद मूल्य निकाला जाएगा।

पुनर्बरीद मूल्य की गणना करने में ट्रस्ट योजना को निधि के निवेश के मूल्य में अपर्याप्त मूल्य वृद्धि को उस सीमा तक हिसाब में लगाएगा जितना वह सही समझेगा बशर्ते कि इसे उक्त अप्राप्त मूल्य वृद्धि का 50 प्रतिशत से कम नहीं होना चाहिए। पुनर्बरीद मूल्य की गणना करते समय, ट्रस्ट उक्त राशि को घटा सकता है जो प्रबन्ध व्यवसाय, बित्री और आस्तियों की वसूली सहित अन्य खर्चों के लिए पर्याप्त है और उक्त राशि योजना के औमत निवल अस्ति मूल्य का 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

पूर्वोक्त उक्त खण्ड में किसी बात के प्रतिकूल होते हुए जब कि ट्रस्ट समुष्ट है कि ट्रस्ट और यूनिट धारकों के हित में यह आवश्यक है या ऐसा करना समीचीन है, इससे उस सीमा तक पुनर्बरीद मूल्य में अन्तर आ सकता है जितना इसे सही समझा जाएगा।

- (4) योजना की समाप्ति की दिवस में, ट्रस्ट पुनर्बरीद मूल्य का निर्धारण निम्न रूप से करेगा। योजना की समाप्ति के लिए अधिसूचित तिथि को कारोबार की समाप्ति पर योजना से सम्बन्धित अस्तियों के मूल्य में योजना से सम्बन्धित देयताओं को घटाएँ और बकाया यूनिटों की संख्या से उसमें भाग दें और ट्रस्ट की राशि में दलाती, कमीशन यदि कोई है, स्टाम्प शुल्क और निवेशों की वसूली के सम्बन्ध में कोई अन्य खर्च और योजना के सम्बन्ध में आस्तियों का यूनिट धारकों के विवरण का भुगतान और बन्द करने के सम्बन्ध में अन्य समायोजन को प्रा. करने के लिए जो आवश्यक है, उन्हें उनसे घटाएँ। उक्त स्थिति में प्रति यूनिट अस्ति का अन्य वितरण योग्य उक्त के लिए सममूल्य के अन्वय, पुनर्बरीद मूल्य होगा जो ट्रस्ट द्वारा अपने निवेश परीक्षकों के समीपजनक रीति से निकाली जाएगी और जिस रूप में बोर्ड उसे अनुमोदित करेगा।

#### IX यूनिटों की बित्री पेशकश और पुनर्बरीद पर प्रतिबन्ध:

एतद्वारा ऊपर निहित किसी बात के होते हुए;

- (a) ट्रस्ट उक्त अवधि के दौरान यूनिटों की बित्री या पुनर्बरीद नहीं करेगा क्योंकि विक्रय बैंक लिखित रूप में।

(ख) ट्रस्ट यूनिटों की बित्री या पुनर्बरीद के लिए बाध्यकारी नहीं है।

- (i) उक्त दिन को जबकि वह कार्य करने का दिन नहीं है और
- (ii) यूनिट धारकों के रजिस्टर जब बहियों और लेखों की वार्षिक बन्दी के कारण ट्रस्ट द्वारा यथा अधिसूचित बन्द होने है उक्त अवधि के दौरान।

स्पष्टीकरण . इस योजना के प्रयोजन के लिए 'कार्य का दिन' का अर्थ हो वैसा दिन जो स तो (i) परकम्प लिखित अधिनियम 1981 के अन्तर्गत महाराष्ट्र राज्य में उन राज्यों में जहाँ ट्रस्ट की अपनी शाखाएं हैं सार्वजनिक छुट्टी के रूप या (ii) भारत सरकार के राजपत्र में ट्रस्ट द्वारा एक ऐसे दिन के रूप में अधिसूचित है जिस दिन ट्रस्ट का कार्यालय बन्द रहेगा।

#### X यूनिटों से पुनर्बरीद:

जहां ट्रस्ट द्वारा यूनिटों की पुनर्बरीद के लिए आवेदक के आवेदन पत्र को स्वीकार किया गया है। ट्रस्ट इनके बाद यथा शीघ्र इसकी प्राप्ति सूचना भेजेगा और यह माना जाएगा कि पुनर्बरीद की संविदा स्वीकृति तिथि का पूर्ण हो गई।

ट्रस्ट द्वारा पुनर्बरीद की गई यूनिटों का भुगतान की स्वीकृति दिवस के बाद यथा सम्भव शीघ्र इस रूप में किया जाएगा जैसा आवेदक अपने आवेदन पत्र में निश्चित करेगा। आवेदक की बकाया राशि पर कोई छ.ज. किसी कारण से भी तय नहीं होगा। ट्रस्ट द्वारा भेजे गए बैंक या डापट की वसूली के प्रेषण का खर्च भी आवेदक को वहन करना होगा।

#### XI पुनर्बरीद/अन्तिम पुनर्बरीद मूल्य का प्रकाशन:

ट्रस्ट ध्याशीघ्र पुनर्बरीद अन्तिम मूल्य के निर्धारण के बाद यूनिटों का पुनर्बरीद मूल्य उक्त का में प्रकाशित करेगा जो उचित समझेगा।

#### XII योजना के अन्तर्गत निधि में निवेश:

- (क) योजना के अन्तर्गत संग्रहीत निधियों की बित्री सचवा परिवर्तनीय सरजोहो योजनाओं और पूर्णतः परिवर्तनीय ाबबंचरा और कम्पनियों के बांडों में निवेशित की जाएगी। अंशतः परिवर्तनीय डिबेंचरों और बांडों राईट्स के आधार पर निर्गम सहित में निवेश इस भाँति के अधीन होगा कि यथा सम्भव डिबेंचरों और परिवर्तनीय अण, इस रूप में अंशत और अधिवत्त 12 माह की अवधि के प्रश्नर का लगाया गया ईमा वापस ले लिया जाएगा।

(ख) यह सुनिश्चित किया जाएगा कि योजना की निधियों खण्ड (क) में निर्दिष्ट प्रतिभूतियों में कम से कम 80 प्रतिशत की सीमा तक निवेशन की जाएगी। ट्रस्ट उपयुक्त शर्तों के अधीन निधियों की यूनिटों की बिक्री की बन्दी की तिथि से छ. माह के अन्दर निवेशन करने का प्रयास करेगा। अवधारण परिस्थिति में इस आवश्यकता को ट्रस्ट छोड़ सकता है ताकि यूनिट धारकों के हित सुरक्षित रह सकें।

(ग) उपयुक्त वांछित तरीके से योजना की निधियों के निवेश को सम्बन्धित होने हुए ट्रस्ट अत्यन्तक मुद्रा बाजार लिखनों में या अन्य अर्थ मूल्य लिखनों में या दोनों में निवेश करेगा।

(घ) यूनिटों की बिक्री की तिथि के तीन वर्षों के बाद, ट्रस्ट योजना को निष्पन्न आस्तियों का 20 प्रतिशत तक अत्यन्तक मुद्रा बाजार लिखनों और अन्य अर्थ मूल्य लिखनों में धारित कर सकता है ताकि वे उन यूनिट धारकों की यूनिटों की पुनर्बरीद कर सकें जो पुनर्बरीद के लिए यूनिटों को जमा करना चाहते हैं।

### 13. निवेश की सीमा:

(1) इस योजना की निधियों में किसी एक कम्पनी की प्रतिभूतियों में ट्रस्ट द्वारा उक्त कम्पनियों के बकाया और जारी की गयी प्रतिभूतियों का 15 प्रतिशत से अधिक निवेश नहीं किया जाएगा।

बनने कि पूँजी से उक्त निवेश को समग्र राशि औद्योगिक उपयुक्तों द्वारा आरम्भ में जारी की गई राशि के अन्तर्गत उक्त निधियों की कुल राशि का 5 प्रतिशत से अधिक किसी समय नहीं होनी चाहिए।

(2) उपयुक्त उप खण्ड (1) के अन्तर्गत निर्धारित सीमाएं, किसी कम्पनी के डिबेंचर्स, जमा राशियाँ और बांडों (सुरक्षित या असुरक्षित में) ट्रस्ट के निवेशों पर लागू नहीं होंगी।

### 14. इस योजना के सम्बन्ध में आस्तियों का मूल्यांकन:

(1) आस्तियों के मूल्यांकन के प्रयोजन के लिए आस्तियों का विभाजन निम्नलिखित रूप में होगा (क) नकद राशि (ख) निवेश (ग) अन्य आस्तियाँ।

(2) निवेशों का मूल्यांकन निम्नलिखित को शामिल कर किया जाएगा।

I. (क) किसी भी कार्य दिनांक के शेयर बाजार के बन्द होने के समय मूल्य जिन पर इस योजना सम्बन्धी धारित प्रतिभूतियों का मूल्यांकन किया जाता है, का अनुवर्ती दिन होते ही, किन्तु जहाँ एक से अधिक शेयर बाजारों में प्रतिभूति का साव कोट किया जाता है, उक्त प्रतिभूति का मूल्य निर्धारण ट्रस्ट द्वारा निश्चित किया जाएगा।

(ख) जहाँ निवेश का व्यवहार संगत अवधि के दौरान नहीं किया गया या किसी स्वीकृत शेयर बाजार में उसके मूल्य कोट भी नहीं किए गए। ऐसी परिस्थिति में जिसे ट्रस्ट उक्त निवेश का उचित मूल्य समझेगा, लेगा; और

### II. हममें जोड़ें:

(क) व्याज अर्जित करने वाली जमा राशियों के मामले में प्रोद्भूत ब्याज किन्तु उन्हें जमा नहीं किया गया।

(ख) गारंटी प्रतिभूतियों और डिबेंचर्स के मामले में प्रोद्भूत ब्याज किन्तु उन्हें जमा नहीं किया गया है।

(ग) बिना लाभों के 'कोट' किए गए नक्कीही शेयर्स और बैंकनोटों शेयर्स के मामले में कोई विशेष लाभों किन्तु नहीं।

(घ) अन्य आस्तियों का मूल्यांकन उनकी बहियों में अंकित मूल्य पर किया जाएगा।

### 15. सदस्यता/यूनिट प्रमाणपत्र का कार्य:

सदस्यता/यूनिट प्रमाणपत्र इसके साथ संलग्न 'फॉर्म ए' में होगा या वेब फॉर्म में जो ट्रस्ट द्वारा योजना के मुख्यालय से परिवर्तन के लिए अनुमोदित होगा। प्रत्येक यूनिट प्रमाणपत्र में एक विशेषकर संख्या, जितनी यूनिटों का यह प्रमाणपत्र है उसी संख्या और यूनिट धारक का नाम रहेगा।

### 16. सदस्यता/यूनिट प्रमाणपत्र तैयार करने की विधि:

जैसा जोड़े समय-समय पर निर्धारित करेगा, सदस्यता/यूनिट प्रमाणपत्र उत्कीर्ण या लिथोग्राफ या मुद्रित किया जाएगा और ट्रस्ट द्वारा विधिकृत रूप से अधिकृत दो व्यक्तियों द्वारा ट्रस्ट की ओर से हस्ताक्षरित होगा। प्रत्येक नया, हस्ताक्षर, स्व: हस्ताक्षरित होगा या किसी यांत्रिकी विधि से लाया गया होगा। जब तक सदस्यता यूनिट प्रमाणपत्र इस रूप में हस्ताक्षरित नहीं होगा, तब तक वह मान्य नहीं होगा। इस रूप में हस्ताक्षरित सदस्यता/यूनिट प्रमाणपत्र मान्य होगा और इस बात के होने हुए वाध्यकारी होगा कि इसे जारी होने के पहले, किसी व्यक्ति जिसे हस्ताक्षर उस पर है ट्रस्ट की ओर से सदस्यता/यूनिट प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने का अधिकृत व्यक्ति नहीं रहा हो, किन्तु इस रूप में तैयार किया गया सदस्यता/यूनिट प्रमाणपत्र में यदि किसी अधिकृत व्यक्ति का हस्ताक्षर है तो प्रमाणपत्र जारी होने के पहले किसी व्यक्ति जिसे हस्ताक्षर उस पर है ट्रस्ट की ओर से यूनिट प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने का अधिकृत व्यक्ति नहीं रहा हो, किन्तु इस रूप में तैयार किया गया सदस्यता/यूनिट प्रमाणपत्र में यदि किसी अधिकृत व्यक्ति का हस्ताक्षर है तो प्रमाणपत्र जारी होने के समय मूल है; ट्रस्ट किसी तरीके से जिसे वह सर्वोत्तम समझता है प्रमाणपत्र पर विद्यमान उक्त व्यक्ति के हस्ताक्षर को निरस्त कर सकता है, और किसी अन्य अधिकृत व्यक्ति का हस्ताक्षर उस पर करवा सकता है। इस रूप में जारी यूनिट प्रमाणपत्र भी मान्य होंगे।

### 17. यूनिट प्रमाणपत्र के सम्बन्ध में ट्रस्ट द्वारा मान्यता नहीं दी जाय:

जो व्यक्ति धारक के रूप में पंजीकृत है और जिसके नाम सदस्यता यूनिट प्रमाणपत्र जारी किया गया है, केवल वही धारित ट्रस्ट द्वारा यूनिट धारक के रूप में मान्य होगा और यह माना जाएगा कि इसका स्वत्वाधिकार या हित उसमें या उक्त सदस्यता/यूनिट प्रमाणपत्र की यूनिटों में है जो उसके नाम में है और ट्रस्ट उक्त सदस्यता/यूनिट धारक को उसका एकमात्र स्वामी मानेगा और इसके विपरीत किसी नोटिस से या किसी ट्रस्ट के क्रियान्वयन की नोटिस से बंधा नहीं होगा या सिर्फ उन बातों का छोड़कर जब कि इसमें स्पष्ट रूप से यह दिया गया हो या कार्यक्षेत्र के सक्षम न्यायालय द्वारा यह आदेश दिया गया हो कि किसी ट्रस्ट या बैंकनोटों या अन्य हित जो किसी प्रमाणपत्र के शीर्षक को या यूनिटों की सदस्य संख्या को प्रभावित करना हो, मान्यता दी जाए।

### 18. जब प्रमाणपत्र कटे-फटे, बिखरित, लपटा आदि है, यूनिट प्रमाणपत्रों का विनिमय और प्रक्रिया:

(1) इस योजना के प्रावधानों के अधीन, प्रत्येक यूनिट धारक कोई एक या अपनी सभी सदस्यता/एक या अधिक गतिविधियों के लिए यूनिट प्रमाणपत्रों/विपणन योग्य लाट में यूनिट/प्रमाणपत्रों जो यूनिटों की गणना समय संख्या दर्शाते हैं, या विनिमय करने का हक्कदार है। उक्त विनिमय के लिए आवश्यक करने समय, यूनिट धारक, ट्रस्ट

को, सदस्यता/यूनिट प्रमाण पत्र या विनिमय किए जाने वाले प्रमाण पत्रों को अस्थापित करेगा और नई सदस्यता/यूनिट प्रमाण पत्र या प्रमाणपत्रों के निर्गम के सम्बन्ध में सभी मुद्राएँ (यदि कोई देय हो) ट्रस्ट को भुगतान करेगा।

- (2) यदि कोई सदस्यता/यूनिट प्रमाण पत्र नष्ट फट जाता है या चिन्तित या चिन्तित हो जाता है जो ऐसे मामले में ट्रस्ट अपने विवेक के अनुसार स्वत्वाधिकारी व्यक्ति को एक नई सदस्यता/यूनिट प्रमाण पत्र जारी कर सकता है। इसकी सम्पूर्ण संख्या उनकी ही होगी जितनी कि कटे-फटे, चिन्तित सदस्यता/यूनिट प्रमाण पत्रों की थी। यदि कोई सदस्यता/यूनिट प्रमाण पत्र खो जाता है, चुराया जाता है या नष्ट हो जाता है तो ट्रस्ट अपने विवेक के अनुसार स्वत्वाधिकारी व्यक्ति को उनके बदले में नई सदस्यता/यूनिट प्रमाण पत्र जारी करेगा। कोई नया यूनिट प्रमाण पत्र जब तक जारी नहीं किया जाएगा जब तक कि आवेदक के पास पहले से निम्नलिखित नहीं हो।

- (i) मूल प्रमाण पत्रों के कटे-फटे होने, टूटने, चिन्तित होने, खो जाने, चुरा लिए जाने या नष्ट होने के सन्तोषजनक माध्यम ट्रस्ट को प्रस्तुत नहीं किए जाते;
  - (ii) तथ्यों की जाँच के सम्बन्ध में सभी खर्चों का भुगतान नहीं किया जाता;
  - (iii) यदि कटे-फटे या चिन्तित-पटे या चिन्तित यूनिट प्रमाण पत्रों को ट्रस्ट को प्रस्तुत किया जाता है और अस्थापित किया जाता है; और
  - (iv) ट्रस्ट को अनिर्णीत बन्धन प्रस्तुत किया जाता है जैसा ट्रस्ट चाहता है। इस खण्ड के प्रावधान के अन्तर्गत ट्रस्ट सद्भावना के आधार पर उक्त प्रमाणपत्र को जारी करने का उत्तरदायित्व नहीं लेगा।
- (3) इस खण्ड के प्रावधान के अन्तर्गत कोई प्रमाणपत्र जारी करने के पहले ट्रस्ट चाहेगा कि आवेदक इसके द्वारा निर्गत प्रत्येक सदस्यता / यूनिट प्रमाणपत्र पर 1/- रु० का भुगतान करे। साथ ही ट्रस्ट की राय में स्टाम्प ड्यूटी यदि कोई है के लिए पर्याप्त धन राशि या अन्य खर्च या डाक पंजीकरण खर्च सहित कर जो उक्त प्रमाणपत्र को जारी करने और प्रेषित करने के सम्बन्ध में देय हो, उसे भी जमा करेगा। किन्तु कोई मुक्त स्टाम्प शुल्क या डाक पंजीकरण खर्च निम्नलिखित मामलों में सदस्यता यूनिट प्रमाणपत्र के उक्त निर्गम के सम्बन्ध में देय नहीं होगा। उदाहरणार्थ :

- (i) जब कि किसी आवेदक को खण्ड (6) के अन्तर्गत जारी गदस्यता यूनिट प्रमाणपत्र या अन्तर्गति को खण्ड (7) के अन्तर्गत जारी पहली बार उप विभाजन के लिए जमा की जाती है।
- (ii) जब सदस्यता / यूनिट प्रमाणपत्रों का संग्रह ट्रस्ट द्वारा प्रस्तावित होता है और उक्त सुझाव यूनिट धारक द्वारा स्वीकृत किया जाता है।

#### 19 यूनिट धारकों का रजिस्टर

यूनिट धारकों के पंजीकरण के सम्बन्ध में निम्नलिखित प्रावधान होंगे:—

- (1) ट्रस्ट द्वारा यूनिट धारकों का एक रजिस्टर रखा जायेगा और इस रजिस्टर में निम्नलिखित प्रविष्टियाँ की जाएंगी।
- (क) यूनिट धारकों के नाम और पते
- (ख) प्रमाणपत्र की निवेदक संख्या और प्रत्येक उक्त व्यक्ति द्वारा प्राप्त यूनिटों की संख्या और
- (ग) उक्त व्यक्ति को यूनिटों के जो उनके नाम में हैं धारक बनने की तिथि।

2(क) यूनिट धारक के रूप में पंजीकरण के लिए कोई आवेदन पत्र जब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक कि आवेदन पत्र में पचास के गुणजों में यूनिटों की संख्या नहीं दी गयी हो। किन्तु जहाँ किसी यूनिट धारक की मृत्यु होने पर कोई उसका व्यक्ति पचास के गुणजों में नहीं रहने वाली यूनिटों की संख्या का हकदार बन जाता है वह व्यक्ति योजना के प्रावधानों के अधीन यूनिट धारक के रूप में उक्त यूनिटों की संख्या के सम्बन्ध में पंजीकृत किया जा सकता है।

(ख) यदि सदस्यता/यूनिट प्रमाणपत्र दो व्यक्तियों के नाम में पंजीकृत है तो यह समझा जायेगा कि उक्त व्यक्ति प्रमाणपत्र के संग्रह धारक हैं और यूनिट धारकों के रजिस्टर में प्रथम व्यक्ति उक्त प्रमाणपत्र के सम्बन्ध में बकाया राशि की प्राप्ति उक्त राशि के सम्बन्ध में सदस्यता प्रमाणपत्र या यूनिट का भुगतान पाएगा।

(ग) जहाँ दो व्यक्ति जिनमें कोई भी नाबालिग नहीं है अपने पक्ष में एक सदस्यता यूनिट प्रमाणपत्र जारी करने के लिए आवेदन करता है और आवेदन पत्र में अनुरोध करता है कि दोनों में से किसी को भी यूनिटों के व्यवहार के लिए अनुपस्थित जाए। ट्रस्ट को उक्त अनुरोध के सम्बन्ध में समुचित प्रविष्टियों इसकी बहिनियों में दर्ज कर लेनी चाहिए और ऐसी परिस्थिति में जब कोई यूनिट प्रमाणपत्र जारी किया गया है, तब दोनों में से किसी एक धारक का उक्त प्रमाणपत्र के यूनिटों का अधिकारी होता चाहिए और उनमें से किसी एक द्वारा दिया गया उत्प्रेषण (ट्रिस्वार्ज) उक्त यूनिटों के संबंध में बकाया राशि की प्राप्ति के अर्थ में ट्रस्ट द्वारा की गयी चुकनी मानी जाएगी। वगैरें कि उक्त प्रमाणपत्र द्वारा दर्शायी गयी यूनिटों द्वारा घोषित आय वितरण यूनिट धारक के रजिस्टर में नामित प्रथम व्यक्ति को भुगतान किया जाता है।

(3) किसी यूनिट धारक द्वारा अपने नाम या पते में कोई गलती-वर्तन को ट्रस्ट की जानकारी में लायी जाएगी जो उक्त परि-वर्तन से संतुष्ट होकर और प्रेषित औपचारिकताओं का पालन अनुसार रजिस्टर में परिवर्तन करेगा।

(4) सिर्फ उम्र अवधि को छोड़ कर जबकि रजिस्टर बन्द रहता है तब उसमें लिखित प्रावधानों के अनुसार व्यवसाय के घंटे के दौरान रजिस्टर (ट्रस्ट द्वारा लगाए गए यथोचित नियंत्रण के अधीन) किन्तु प्रत्येक व्यवसाय के दिन कम से कम दो घंटे निरीक्षण के लिए बिना किसी खर्च के यूनिट धारकों के निरीक्षण के लिए खुली रहेगी।

(5) रजिस्टर उक्त अवधि के लिए बन्द रहेगी जैसा ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर निष्चित किया जाएगा। किन्तु किसी भी वर्ष में यह 30 दिनों से अधिक दिनों के लिए बन्द नहीं रखी जाएगी। बन्द होने की सूचना उक्त समाचार पत्र में विज्ञान द्वारा प्रकाशित करेगा जिस रूप में कोई निर्देश देगा।

(6) किसी यूनिट के सम्बन्ध में किसी ट्रस्ट को स्पष्ट सूचना समाविष्ट या रचनात्मक रजिस्टर में प्रवेश नहीं किया जाएगा।

(7) किसी मुक्त एक मात्र यूनिट धारक का प्रशासक या कार्य-पालक या भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 (1925 का 39) के खण्ड X के अन्तर्गत निर्गत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र का धारक ही केवल ट्रस्ट द्वारा प्राप्य व्यक्ति होगा जिसे यूनिटों का अधिकार होगा और इसके संग्रह में देय कोई मुद्रा या संकेत।

## 20. यूनिट धारक द्वारा ट्रस्ट का सुगतान पाने की रसीद :

किसी भी यूनिट धारक द्वारा सर्टिफिकेट में अंकित यूनिटों के सम्बन्ध में उनके द्वारा पाई गयी राशि के लिए दी गई रसीद ट्रस्ट के लिए सही अदायगी मानी जाएगी।

## 21. यूनिटों का हस्तांतरण :

इस योजना के अंतर्गत यूनिटों के आबंटन की तिथि के 3 माह की अवधि अवधि के बाद यूनिटों का हस्तांतरण गिरवी की अनुमति है।

## 21(क) यूनिटों का सूचीबद्ध होना :

योजना के अंतर्गत जारी की गई यूनिटों को 3 वर्षों की अवधि अवधि के बाद माध्यता प्राप्त बड़े शेर बाजारों में सूचीबद्ध किए जाएंगे।

## 22. आय वितरण :

योजना के अंतर्गत ट्रस्ट साधारण की घोषणा कर सकता है तथा भुगतान कर सकता है यदि योजना की आस्तियों से आय खर्चों को पूरा करने के बाद उचित साधारण घोषित करने के लिए पर्याप्त है।

## 23. यूनिट धारकों द्वारा नामांकन :

(1) एकल या दो यूनिट धारकों द्वारा संयुक्त रूप में धारित यूनिट धारक नामांकन करने या रद्द करने के अधिकार का प्रयोग विनियमों में दी गई सीमा तक कर सकते हैं।

(2) जो यूनिट धारक किसी नाबालिग आवेदक के जिसने मानसिक रूप से वितर्नाथ व्यक्ति के लाभ के लिए यूनिटों के वास्ते आवेदन दिया है, माता-पिता या वैध अभिभावक हैं उन्हें कोई नामांकन करने का अधिकार नहीं होगा।

## 24. लेखों का प्रकाशन :

ट्रस्ट वार्षिकीय जो प्रत्येक वर्ष के 30 जून के बाद की अवधि हो सकती है बोर्ड द्वारा निश्चित की गयी विधि से लेखों को प्रकाशित करेगा जिसमें 30 जून को समाप्त अवधि के दौरान योजना का कार्य प्रदर्शित किया जाएगा। ट्रस्ट किसी यूनिट धारक से निश्चित रूप से प्राप्त अनुरोध पर प्रकाशित लेखों की एक प्रति उसे भेजेगा।

## 25. योजना की समाप्ति :

1 अप्रैल 2003 को योजना समाप्त की जाएगी जो कि योजना के अंतर्गत यूनिटों के आबंटन के वर्ष से 10 माह बाद होगी।

यदि किसी योजना के अंतर्गत 90 से अधिक यूनिट 10 वर्षों के पहले पुनर्धारीय की जाती है यूनिट ट्रस्ट और म्यूचुअल फंड अपने विवेकानुसार यह योजना 10 वर्षों को निर्धारित अवधि के पहले भी समाप्त कर सकता है और उनके द्वारा निर्धारित किये जाने वाले अंतिम पुनर्धारीय मूल्य पर बकाया यूनिटों को मुक्त कर सकता है।

## 26. योजना में परिवर्धन और संशोधन :

समय-समय पर बोर्ड योजना में कोई परिवर्धन / संशोधन कर सकता है जो सरकारी राजपत्र में अधिसूचित किया जाएगा।

## 27. यूनिट धारकों के लिए योजना का बाध्यकारी होना :

बिना किसी योजना के अंतर्गत यूनिटों की बिना ट्रस्ट द्वारा योजना के आरंभ के बाद किसी भी समय पहलुपूर्ण समाचार पत्रों में 7 दिनों की सूचना देने के बाद इस योजना को निरस्त या समाप्त किया जा सकता है।

## 28. उपलब्ध करायी जाने वाली योजना की प्रति :

सभी संशोधनों सहित योजना की एक प्रति ट्रस्ट के कार्यालय निरीक्षण के लिए कार्यालय के कार्यकाल के दौरान 5-00 रु० जमा करने पर उपलब्ध करायी जाएगी। इसके लिए एक आवेदन पत्र जमा करना पड़ेगा।

## 29. प्रावधानों के अर्थ लगाने का अधिकार :

यदि किसी भी प्रावधान के स्पष्टीकरण में कोई संदेह उत्पन्न होता है तो अध्यक्ष या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक न्यासी को योजना के प्रावधानों का अर्थ लगाने का अधिकार होगा जो योजना की आधारभूत संरचना के विपरीत या किसी रूप में प्रतिकूल प्रभाव जानने वाला नहीं होगा और यह निर्णय अंतिम होगा।

## 30. प्रावधानों का निधिलीकरण परिवर्धन संशोधन :

ट्रस्ट के अध्यक्ष या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक न्यासी कठिनाइयों को करने के उद्देश्य से या योजना की अवधि और सहज परिचालन के लिए योजना के किसी प्रावधान को निधिलीकरण परिवर्धित या संशोधित कर सकते हैं जिन मामलों से किसी यूनिट धारक या यूनिट धारकों लिए यह आवश्यक समझा जाएगा।

कार्य—क

—प्रतीक—

## भारतीय यूनिट ट्रस्ट

(भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 के अंतर्गत नियमित)

मास्टर ईक्विटी प्लान—1993

(खण्ड—12)

सदस्यता / यूनिट प्रमाणपत्र सं०

यूनिटों की संख्या


यह प्रमाणित किया जाता है कि इस प्रमाणपत्र में उल्लिखित व्यक्ति / व्यक्तियों

यूनिटों के पंजीकृत धारक हैं/हैं भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 (1963 का 52) के प्रावधानों, इसके अधीन बनायी गयी विनियमावली, और मास्टर ईक्विटी प्लान 1993 के अधीन प्रत्येक यूनिट का अंकित मूल्य धन रुपये हैं।

नाम

हुते भारतीय यूनिट ट्रस्ट

दिनांक :

1 अप्रैल 2003 को योजना पूरी तरह से समाप्त की जाएगी।

सं० : यूटी/बीडीएन/2454-एएसपी बी—76/92-93:—मास्टर/शोध यूनिट योजना के प्रावधानों जो भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 की धारा 21 के अंतर्गत बनाये गये हैं और जिन दिनांक 7 जनवरी 1993 को हुई बैठक में कार्यकारिणी समिति ने अनुमोदित किया है और 1 फरवरी 1993 को हुई बैठक में कार्यकारिणी समिति ने संशोधित किया है, इसके नीचे प्रकाशित किए जाने हैं :—

## मास्टर ग्रोथ यूनिट योजना-1993

भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 (1963 का 52) की धारा 21 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय यूनिट ट्रस्ट का बोर्ड एतद्वारा निम्नलिखित योजना बनाता है।

## 1. संक्षिप्त शीर्षक और योजना का आरम्भ:

यह योजना "मास्टर ग्रोथ यूनिट योजना-1993" कही जाएगी और 18 जनवरी 1993 से आरम्भ होगी।

## 2. परिभाषाएं:

इस योजना में जब तक की विषयवस्तु में अन्यथा अपेक्षित न हो,

- (क) "अधिनियम" का अर्थ है भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963।
- (ख) "आवेदक" का अर्थ है कोई व्यक्ति जिसके पास योजना के अन्तर्गत यूनिटों के लिए आवेदन है।
- (ग) "आवेदन पत्र" का अर्थ है सभी आवेदकों के लिए यूनिटों की खरीदने के लिए निर्धारित आवेदन पत्र का फार्म और जिसमें निवेशी व्यक्ति के लिए इस योजना में यूनिट अन्वयान के प्रयोग के बारे में नियम और शर्तें दी गयी हैं।
- (घ) "आवेदन पत्र" का अर्थ है सभी आवेदकों के लिए यूनिटों की खरीदने के लिए निर्धारित आवेदन पत्र का फार्म और जिसमें निवेशी व्यक्ति के लिए इस योजना में यूनिट अन्वयान के प्रयोग के बारे में नियम और शर्तें दी गयी हैं।
- (ङ) "आवेदन पत्र" का अर्थ है सभी आवेदकों के लिए यूनिटों की खरीदने के लिए निर्धारित आवेदन पत्र का फार्म और जिसमें निवेशी व्यक्ति के लिए इस योजना में यूनिट अन्वयान के प्रयोग के बारे में नियम और शर्तें दी गयी हैं।
- (च) "आवेदन पत्र" का अर्थ है सभी आवेदकों के लिए यूनिटों की खरीदने के लिए निर्धारित आवेदन पत्र का फार्म और जिसमें निवेशी व्यक्ति के लिए इस योजना में यूनिट अन्वयान के प्रयोग के बारे में नियम और शर्तें दी गयी हैं।
- (छ) "मास्टर ग्रोथ" का अर्थ है यूनिटों जैसा इसके आगे परिभाषित की गयी है और शीघ्र या "मास्टर ग्रोथ" या "मास्टर ग्रोथ यूनिट योजना" की पूंजी में शीघ्र या यूनिट जैसा इसके आगे परिभाषित किया गया है।
- (ज) "मास्टर ग्रोथ यूनिट योजना" या "मास्टर ग्रोथ" का अर्थ है— मास्टर ग्रोथ यूनिट योजना 1993 के अन्तर्गत जारी यूनिटें।
- (झ) "जारी यूनिटों की संख्या" का अर्थ है किसी भी जारी यूनिटों की संख्या और निर्गम बन्ध होने के बाद बचाया यूनिटें।
- (ञ) "यूनिटों की पेशकश" का अर्थ है इस योजना के अन्तर्गत पूंजी जमा करने के लिए निवेशकों को ट्रस्ट द्वारा दी गयी वस्तावेजों के अन्तर्गत यूनिटों की किसी के लिए पूर्ण पेशकश।
- (ट) "यूनिट धारित व्यक्ति या यूनिटधारक" का अर्थ है कोई भी व्यक्ति जो इस समय यूनिटों का धारक है।
- (ठ) "रजिस्ट्रार" का अर्थ है योजना के अन्तर्गत समय-समय पर रजिस्ट्रार का काम करने के लिए नियुक्त व्यक्ति।
- (ड) "विनियम" का अर्थ है भारतीय यूनिट ट्रस्ट सामान्य विनियमावली 1964 जो अधिनियम की धारा 43 (1) के अन्तर्गत बनायी गई है।
- (ण) "व्यापार" का अर्थ है यूनिटों के पहले आबंटन के बाद शीघ्र बाजार के माध्यम से यूनिटें खरीदना या बेचना।
- (न) "यूनिट" का अर्थ है यूनिट पूंजी में 10 रुपये के अंकित मूल्य का एक अविभक्त शेयर।
- (त) "यूनिट पूंजी" का अर्थ है योजना के अन्तर्गत आबंटित और जारी की गयी यूनिटों का कुल अंकित मूल्य।

(ब) योजना के अन्तर्गत परिभाषित नहीं किए गये शब्दों का वही अर्थ होगा जो अधिनियम में दिए गए हैं।

(व) एकत्रित में अर्थ सिद्ध करनेवाले शब्दों में बहुवचन भी शामिल होंगे और सभी पुल्लिंग शब्दों में स्त्रीलिंग सर्वत्र भी शामिल होंगे तथा इसके विपरीत परिस्थिति में यानी स्त्रीलिंग सर्वत्र में पुल्लिंग शामिल होगा।

## 3. मुख्य उद्देश्य:

यह योजना सामान्य निवेशकों को एक सुजबदार प्रदान करने और कापिटल प्रतिभूतियों और बाजार के शीघ्र वृद्धि के लिए बनायी गयी है। इस योजना का मुख्य लक्ष्य दीर्घकाल पूंजी वृद्धि होगा और तत्पश्चात् राइट्स और बोनस के माध्यम से वृद्धि को बांटने पर बल दिया जाएगा न कि लाभांश के माध्यम से आय का वितरण।

## 4. निवेशकों का वर्ग:

यूनिटों के लिए आवेदन निम्न वर्गों के व्यक्तियों द्वारा किया जाएगा—

- (1) निवासी व्यक्ति जो बयस्क है, एकल या तीन व्यक्तियों तक संयुक्त रूप में/या उत्तरजीवी आधार पर।
- (2) अनिवासी भारतीय जो अप्रत्यावर्तन आधार पर है तथा उपर्युक्त शर्तों पर है।
- (3) नाबालिग  
नाबालिग की ओर से माता-पिता या वैध अभिभावक निदेश करने के पात्र होंगे।
- (4) "निगमित निकाय" का अर्थ होगा और इसमें शामिल होगा कम्पनी अधिनियम 1956 के अन्तर्गत पंजीकृत कम्पनी और समिति पंजीकरण अधिनियम 1860 या प्रकृतित राज्य या केन्द्रीय विधि के अन्तर्गत स्थापित की गयी समिति शामिल होगी। ऐसी समिति को इसके बाद "समिति" कही जाएगी।
- (5) पात्र संस्था का अर्थ है विनियम 2 के खण्ड (ककक) के अन्तर्गत दिया गया अर्थ।
- (6) समिति का अर्थ है और इसके ऊपर निगमित निकाय में दी गयी परिभाषा।
- (7) भागीदारों फर्म  
भागोदार फर्म का अर्थ होगा जो भारतीय भागीदारी अधिनियम 1932 में इसके लिए दिया गया है। परन्तु भागीदार में वह व्यक्ति भी शामिल होगा जो नाबालिग है और जिसे भागीदारी फर्म के लाभों को पाने का अधिकार दिया गया है।
- (8) हिन्दू अविभक्त परिवार

## 5. यूनिटों की बिक्री

- (क) इस योजना के अन्तर्गत केवल व्यक्ति भारत में स्थापित कम्पनी/निगमित निकाय के लिए यूनिटों की पेशकश की जाती है तथा उनके प्रशासन के लिए चुनी रहती है।
- (ख) एक या एक से अधिक व्यक्ति किन्तु तीन से ज्यादा नहीं जो बयस्क हैं (संयुक्त या एकल या उत्तरजीवी आधार पर) यूनिटों के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- (ग) नाबालिग की ओर से माता-पिता, सीतेला माता-पिता या वैध अभिभावक आवेदन कर सकते हैं।
- (घ) यूनिटों का अंकित मूल्य 10 रु. होगा। आवेदन निश्चित फर्म में 100 की गुणजों में न्यूनतम 100 यूनिटों के साथ दिए जाएंगे। निवेश को तत्पश्चात् योजना नहीं है।

(ङ) पूर्ण रूप से भरा गया आवेदन पत्र, आवेदित यूनिटों के लिए भुगतान राशि के साथ ट्रस्ट के किसी भी कार्यालय में या किसी अधिकृत संग्रहण केन्द्र में बिक्री के लिए खुली रहने की अवधि के दौरान जमा की जाएगी। यदि आवेदन पत्र अधूरा है, तो उसे रद्द कर दिया जाएगा और ऐसी आवेदन राशि को ट्रस्ट जल्द से जल्द बिना कोई ब्याज के वापस लौटा देगा।

(च) यूनिटों की बिक्री 22 दिनों की अवधि के लिए खुली रहेगी जो जनवरी 1993 के 18 वें दिन से प्रारम्भ होगी (ट्रस्ट को यह अधिकार रहेगा कि चाहे तो बिक्री की अवधि को बढ़ा सकता है परन्तु यह जनवरी 18, 1993 से 45 दिनों से अधिक नहीं होगी)।

(छ) ट्रस्ट पेशकश अवधि या स्वनिर्णय से इश्यू जल्दी बन्द होने के बाद किसी भी परिस्थिति में यूनिटों की बिक्री करने को बाध्य नहीं होगा। कार्यकाल की अवधि समाप्त होने के बाद प्राप्त आवेदन पत्र (निर्गम की\* बन्दी की तारीख को तत्पश्चात्)

#### 6. निवेश का लक्ष्य :

(क) योजना के अन्तर्गत यह प्रयास होगा कि भारत के मान्य 2 शेयर बाजारों में सूचीबद्ध कम्पनियों द्वारा जारी की गयी प्रतिभूतियों में खर्च किए गए परिचालनगत और कार्यपूर्व व्यय और प्रारम्भिक व्यय को चुकाने के बाद पूंजी को निवेश करें। किसी अवधि के दौरान 50 प्रतिशत तक का निवेश मुख्य रूप से सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों की ईक्विटियों में किया जाएगा और शेष निवेश अन्य ईक्विटियों कम्पनी के परिवर्तनीय और अपरिवर्तनीय डिबेन्चरों में और अन्य पूंजी और मुद्रा बाजार लिखतों में किया जाएगा। निवेशों के पोर्टफोलियो की गनावट इस दृष्टिकोण से होगी कि जहां तक व्यवहार्य यदि कोई हो तो पूंजी अधिलाभ को पुनर्निवेश के जरिए दीर्घावधि वृद्धि और खर्चों की चुकोती और प्रावधानों को तैयार कर और केवल चालू और साधारण आय का भुगतान कर प्राप्त करना है।

(ख) पोर्टफोलियो का संवर्धन, निश्चय करना ट्रस्ट पर ही निर्भर रहेगा, निवेशों पर नियन्त्रण के अधीन और आय वितरण योजना की वृद्धि निवेशकों के हित और अन्य कारणों के आधार पर किया जाएगा। यह ट्रस्ट के विवेक पर निर्भर करेगा कि वह पोर्टफोलियो की गनावट के बारे में निवेशों के प्रतिबंधों के अधीन और योजना के विकास को ध्यान में रखकर आय वितरण निवेशकों का हित और अन्य सम्बंधित घटकों को ध्यान में रखकर निश्चय करे।

#### 7. यूनिटों का आवंटन :

(क) आवेदनों पर यूनिटों का आवंटन केवल ट्रस्ट के विवेक पर निर्भर करेगा और निम्नलिखित पद्धति से किया जाएगा।

(i) यूनिटों का आवंटन 15 अप्रैल 1993 को किया जाएगा। 2000 मास्टर प्रोथ यूनिटों का पक्का आवंटन होगा (20,000 रु०) और इसके बाद समग्र अभिदान को मद्दे नजर रखते हुए ट्रस्ट अपनी इच्छानुसार आवंटन करेगा। आवंटन की प्रक्रिया और पद्धति ऐसे आधार पर होगी जिसे ट्रस्ट उचित समझेगा और इस दिशा में ट्रस्ट का निर्णय अन्तिम निर्णय होगा।

(ख) एकमात्र आवेदक के मामले में अथवा अन्य मामलों में पहला आवेदक के नाम में आहरित बैंक लिखतों द्वारा वापसी आदेश होगा।

#### 8. एटर्नी द्वारा हस्ताक्षरित आवेदन पत्र और अन्तरण फार्म :

यदि आवेदन पत्र या अन्तरण फार्म ऐसे व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित होता है जिसे एटर्नी के वैध अधिकार हैं मूल एटर्नी अधिकार या उक्त कार्य के लिए विधिवत रूप से नोटरी द्वारा प्रमाणित प्रति को आवेदन पत्र या अन्तरण फार्म जैसा मामला हो के साथ प्रस्तुत करना चाहिए, यदि एटर्नी अधिकार का पंजीकरण रजिस्ट्रार की बहियों में नहीं किया गया हो।

#### 9. यूनिटधारकों का रजिस्टर :

यूनिट धारकों के पंजीकरण के सम्बन्ध में निम्नलिखित प्रावधान होंगे।

(क) ट्रस्ट द्वारा यूनिट धारकों का एक रजिस्टर रखा जाएगा और यह ट्रस्ट द्वारा निश्चय किया जाएगा। रजिस्टर में निम्नलिखित प्रविष्टियों की जाएगी—

(i) यूनिट धारकों के नाम और पते

(ii) यूनिट प्रमाणपत्र/पत्रों की विवेक संख्या और प्रत्येक उक्त व्यक्ति द्वारा धारित यूनिटों की संख्या और

(iii) किस तिथि से उक्त व्यक्ति यूनिटों का धारक है।

(ख) किसी धारक की मृत्यु होने की स्थिति में अन्य कोई व्यक्ति जो उक्त यूनिटों के इकठ्ठा है, से दावे ऐसी पद्धति में प्राप्त होने पर जैसा ट्रस्ट आवश्यक समझता है, उक्त व्यक्ति यूनिटों के यूनिटधारक के रूप में पंजीकृत किया जायेगा और ये यूनिटें हमेशा 100 के गुणजों में ही होंगी।

(ग) जहां पर यूनिटों प्रमाणपत्र दो या तीन व्यक्तियों के नाम में हैं, ऐसे व्यक्ति यूनिटों का धारण एकल या संयुक्त रूप में या उत्तरजीवी आधार पर कर सकते हैं।

(i) इन दोनों में से किसी भी मामले में यह माना जाएगा कि इन व्यक्तियों में से प्रथम व्यक्ति ही यूनिटों का धारक है और अंतरण या अन्य कोई व्यवहार यदि कोई हो ऐसे व्यक्तियों में से केवल प्रथम व्यक्ति द्वारा ही किया जा सकता है।

(ii) प्रथम धारक को किए गए सभी भुगतान और इस संबंध में प्राप्त रसीद, योजना की मान्य अदायगी मानी जाएगी।

(iii) योजना में सभी पत्र व्यवहार केवल प्रथम धारक के साथ ही किया जाएगा और योजना द्वारा प्रथम धारक के साथ किया गया सभी पत्र व्यवहार को योजना द्वारा अपने दायित्वों का किया गया वैध उन्मोचन माना जाएगा।

(iv) किसी संयुक्त धारक की मृत्यु होने की स्थिति में प्रमाणपत्र में अंकित यूनिटों पर अधिकार या स्वामित्व योजना के अन्तर्गत केवल उत्तरजीवी व्यक्ति को ही दिया जाएगा। वशत किसी व्यक्ति के नाम में यूनिटों का पंजीकरण किसी अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालता हो जो अधिकार उक्त यूनिटों के संबंध में किसी उत्तरजीवी (जीवियों) के विरुद्ध हो सकता है।

(घ) किसी यूनिट धारक के नाम या पता में आने वाले परिवर्तन को रजिस्ट्रार को सूचित किया जाएगा। रजिस्ट्रार ऐसे परिवर्तनों से संतुष्ट होने पर और आवश्यक सभी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद तदनुसार अपने रजिस्ट्रार में परिवर्तन लाएंगे।

\*"दि 8 फरवरी 1993 के लिए 1-2-93 को जोड़ा गया।"

@दि 1-2-93 को जोड़ा गया।

(क) केवल रजिस्ट्रारों के बन्द रहने की अवधि को छोड़कर इसके पश्चात् इस सम्बन्ध में अतिरिक्त प्रावधानों के अनुसार कार्य अवधि दौरान ट्रस्ट द्वारा लगाए गए उचित प्रतिबंधों के अधीन किंतु प्रत्येक कारोबार के दिन कम से कम दो घंटे निरीक्षण के लिए यूनिट धारक के वास्ते खुला होना चाहिए।

(ख) रजिस्ट्रार उक्त समय पर और उक्त अवधि के लिए बन्द रहेगा जो ट्रस्ट द्वारा निर्धारित किया जाएगा। किंतु किसी भी वर्ष में 45 दिनों से अधिक समय के लिए बन्द नहीं रहेगा। उक्त नब्दी की सूचना विज्ञापन द्वारा कम से कम दो अंग्रेजी समाचार पत्रों और एक हिन्दी पत्र में दिया जाएगा।

(ग) कोर्ट या सक्षम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट स्थिति को छोड़कर अन्य मामलों में रजिस्ट्रार और योजना किसी भी ट्रस्ट से स्पष्ट या अस्पष्ट वा प्रकृत रूप में नोटिस प्राप्त नहीं कर सकते या ही है रजिस्ट्रार में किसी भी यूनिट के संबंध में ऐसी नोटिस की प्रविष्टि करने के लिए बाध्य होंगे।

(घ) यूनिट धारक की मृत्यु की स्थिति में, कार्यपालक, या प्रशासक, या भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 के अंतर्गत जारी उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के धारक या वैध प्रतिनिधि को ही केवल रजिस्ट्रार यूनिटों के हकदार मानेगी और ट्रस्ट द्वारा निश्चित मूल्य पर पुनर्बरीय के लिए पेशकश करेगा।

(ङ) मृत्यु विवाहविधायन या एकल धारक या संयुक्त धारक के उत्तर-जीवी के समापन होने से कोई व्यक्ति यूनिटों का हकदार बनता है, तो रजिस्ट्रार को संतोषजनक रूप में साक्ष्य प्रस्तुत करने पर ही वह यूनिटों का धारक पंजीकृत किया जाएगा या उसे यूनिटों का अंतरण करने का अनुमति दी जाएगी।

(च) उपर्युक्त खण्ड (छ) में किसी बात के होते हुए यदि यूनिटधारक अनुसूचित बैंक के पास अपना प्रमाणपत्र गिरवी रखता है तो गिरवीदार की सूच रजिस्ट्रार में रिकार्ड किया जाएगा। यदि गिरवी रखने का बकाया डालकर अनुसूचित बैंक यूनिटें अपने नाम में अंतरण तथा पंजीकृत करना चाहता है, तब रजिस्ट्रार उनके अनुरोध का अनुपालन करेगा और रजिस्ट्रार में यह विवरण दर्ज रहेगा कि बैंक प्रमाणपत्र के धारक है।

#### 10. निर्गम के बाद यूनिटों का अंतरण :

योजना के अन्तर्गत सभी जारी की गयी और बकाया यूनिटों का अंतरण आर्बटन की तिथि से 6 महीने की अवधि के भीतर निम्नलिखित शर्तों के अधीन किया जाएगा।

(क) योजना के प्रावधानों के अनुसार जारी किया गया यूनिट प्रमाणपत्र परकाय्य है और व्यक्तियों को और योजना के प्रावधानों में खण्ड-iv में उल्लिखित अन्य वर्गों को अंतरण किया जा सकता है। अंतरण विनिर्देश की स्वीकृति और योजना के अन्तर्गत अंतरिती का यूनिटधारक के रूप में प्रवेश ट्रस्ट पर निर्भर करेगा।

(ख) अंतरण केवल उन्हीं अन्तरणकर्ता और अंतरिती के बीच किया जा सकता है जो यूनिटें रखने में सक्षम हैं। योजना किसी अन्य प्रकार के अंतरण को माय्यता देने को बाध्य नहीं रहेगा।

(ग) शेयर बाजार द्वारा निर्धारित शेयर अन्तरण फार्म में ही सभी अन्तरण किए जाएंगे और न्यूनतम 100 यूनिटों के लिए होगा और इसके बाद 100 के गुणजों में।

(घ) योजना द्वारा समय-समय पर निर्धारित शुल्क और संबंधित यूनिट प्रमाणपत्र के साथ अंतरण लिखित इन प्रयोग के लिए भिद्युत किए गए रजिस्ट्रार के किसी भी कार्यालय में प्रस्तुत किया जाएगा।

(ङ) ट्रस्ट के किसी भी कार्यालय में प्रस्तुत किया हुआ या स्वीकृत अन्तरण विनिर्देश को निकट के रजिस्ट्रार के किसी भी कार्यालय में प्रेषित किया जाएगा।

(च) अंतरण का प्रत्येक लिखित में अंतरणकर्ता और अंतरिती द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे और अंतरणकर्ता तथा अंतरिती तब तक के लिए यूनिटों का धारक माना जाएगा जब तक कि अंतरिती का नाम रजिस्ट्रार द्वारा धारकों की पंजी में प्रविष्ट नहीं की जाती।

(छ) अन्तरणकर्ता के स्वस्थाधिकार या यूनिटों को अन्तरण करने के उसके अधिकार के पक्ष में रजिस्ट्रार वैने माध्य मांग सकता है जिन्हें वह आवश्यक समझता है।

(ज) यदि यूनिट प्रमाणपत्र खो जाए, चुरा लिए जाए या नष्ट हो जाए तो रजिस्ट्रार अपेक्षाओं के अनुपालन के अधीन, आवश्यकता पड़ने पर मूल प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने से मुक्ति दे सकता है।

(झ) यूनिटों के अंतरण का पंजीकरण होने के बाद रजिस्ट्रार द्वारा ही सभी अंतरण लिखित और यूनिट प्रमाणपत्र रखे जाएंगे।

(ञ) अंतरण को माय्यता या पंजीकरण करने वाले रजिस्ट्रार, अंतरिती को उनके द्वारा भुगतान करने पर और ऐसे प्रभार की बसूती के बाद जो प्रमाण पत्र/पत्रों की जारी होने या अंतरण होने के संबंध में देय है मूल या नया प्रमाणपत्र जारी करेगा।

(ट) यदि विधि के संचालन द्वारा कोई अंतरिती यूनिटों का धारक शासकीय हैसियत से बनता है, या अनुसूचित बैंक गिरवी रखने के कारण धारक बनता है तो रजिस्ट्रार ऐसे साक्ष्य प्रस्तुत करने के अधीन जो उनकी राय से पर्याप्त है अन्तरण करेगा यदि दृष्टिकोण अंतरिती धारक बनने का पात्र है।

(ठ) जैसे ही मास्टर ग्रोथ यूनिट योजना माध्य शेयर बाजारों में सूची-बद्ध की जाएगी, सूचीकरण करार और इस संबंध में शेयर बाजारों द्वारा जारी किये गये सिद्धांतों और जैसा योजना में दिया गया है के अनुसार अंतरण/संचारण की औपचारिकताओं को पूरा किया जाएगा।

#### 11. यूनिट धारकों द्वारा नामांकन :

(क) विनियम में निर्धारित सीमा तक यूनिट धारक नामांकन कर सकता है या प्रतिस्थापित या रद्द कर सकता है।

(ख) योजना के ऐसे निर्वेशों और प्रावधानों के अधीन रजिस्ट्रार समय-समय पर निर्धारित फार्म में नामांकन जारी स्वीकृत और पंजीकृत करेगा। उक्त निर्वेशों के अधीन वह उक्त नामांकनों में अन्तर, संशोधन और परिवर्तन की अनुमति देगा और उसे पंजीकृत करेगा।

#### 12. लेखों का प्रकाशन :

प्रत्येक वर्ष में 30 जून के बाद ट्रस्ट यथा संभव शीघ्र लेखों को उस रूप में प्रकाशित करेगा जैसा कि बोर्ड निश्चित करेगा। बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट तरीके से लेखों के प्रकाशन में उस तिथि को समाप्त अवधि के दौरान योजना के कार्य परिचालन दिखवाया जाएगा। किसी भी यूनिट धारक से लिखित रूप में प्राप्त अनुरोध पर प्रकाशित लेखों की एक प्रति उन्हें भेजी जाएगी।

#### 13. धारण की अवधि :

आर्बटन की तिथि से 7 वर्षों की अवधि के लिए योजना रहेगी। जिसमें यह विचार्य होगा कि निवेशक चाहें तो शुद्ध आस्तिसूचक के आधार पर मूल्य पर प्रतिशत कर सकता है या योजना चालू रख सकता है यदि ट्रस्ट योजना का विस्तार करना चाहता है या प्रारंभ की गयी या उस समय चल रही कोई दूसरी योजना में परिवर्तन कर सकते हैं।

## 14. यूनिटों का मोचन :

- (1) न तो ट्रस्ट और नाही स्थापित की जाने वाली मास्टर ग्रोथ योजना 7 वर्षों की अवधि के लिए यूनिटों का मोचन या पुनर्खरीद करने के लिए बाध्य होगी।
- (2) केवल विशेष परिस्थितियों में, ट्रस्ट 7 वर्षों की अवधि के पहले इस सम्बन्ध में निश्चय किए गए शर्तों और नियमों के अनुसार यूनिटों को छुड़ाने या पुनर्खरीद करने का अधिकार होगा।
- (3) मास्टर ग्रोथ योजना द्वारा छुड़ाई गयी या पुनर्खरीद की गयी यूनिटों का पुनः जारी बोर्ड द्वारा निश्चय किए गए मूल्य/मूल्यों पर ऐसी अवधि/अवधियों के लिए और ऐसे नियम और शर्तों के अनुसार किया जाएगा।
- (4) किसी भी स्थिति में मास्टर ग्रोथ यूनिट योजना द्वारा मोचन मूल्य निम्नलिखित रूप से निर्धारित मूल्य से कम पर नहीं निश्चित किया जाएगा। मास्टर ग्रोथ यूनिट योजना से संबंधित आस्तियों के मूल्य से मूल्य निर्धारित करने की तिथि के कारोबार की समाप्ति पर योजना से संबंधित देयताओं को घटाकर बचाया यूनिटों को भाग लेकर और उससे उक्त राशि को घटाकर जो ट्रस्ट की राय में दायी कमीशन तथा करें यदि कोई है को देने स्टाम्प ड्यूटी और अन्य प्रकार जो ट्रस्ट द्वारा निवेशों की बसूली से संबंधित है के लिए पर्याप्त है और इस राशि को अन्य सभी व्यय और मूल्य को अधोगामी समायोजन कर जो 1% प्रति यूनिट से कम हो, को जोड़ कर मूल्य निश्चय किये जाएंगे। ट्रस्ट के पाव उपलब्ध सामग्री के आधार पर उक्त मूल्य निर्धारित किए जाएंगे।

## 15. यूनिट धारकों को आय वितरण :

- (क) ट्रस्ट योजना के अन्तर्गत आय वितरण घोषित कर सकता है और नहीं भी कर सकता है। यह इसके अन्तर्गत योजना के अन्तर्गत प्राप्त आय और व्यय पर निर्भर करेगा।
- (ख) ट्रस्ट जैसा आवश्यक समझे आय का वितरण करेगा और ऐसी राशि वितरित न की गयी आय से जैसा वह ठीक समझे एक या एक से अधिक आरक्षित निधियों में अंतरण करेगा। आरक्षित निधि जो किसी विशेष प्रयोजन के लिए अलग से नहीं रखी गयी है का प्रयोग केवल यूनिट धारकों के लाभ के लिए किया जाएगा।
- (ग) प्रत्येक वर्ष 30 जून को योजना की लेखा बंदी के बाद जल्द से जल्द यूनिट धारकों को आय वितरण किया जाएगा।
- (घ) योजना द्वारा आय वितरण के पहले रजिस्ट्रारों के बन्दी के समय जिन यूनिट धारकों के नाम यूनिटधारकों के रजिस्टर में हैं केवल ऐसे वितरित आय को प्राप्त करने या रखने के भागी होंगे।
- (ङ) यदि यूनिटधारक ने आय वितरण घोषित करने के पहले ही यूनिटों का अन्तरण किया है और अन्तरण प्रभावित नहीं हुआ है, अन्तरिती तब तक के लिए आय वितरण पाने का हकदार नहीं बनेगा जब तक कि आय रजिस्ट्रारों के बन्द होने के 30 दिन पहले अन्तरिती ने रजिस्ट्रार के पास अन्तरण दस्तावेज प्रस्तुत न किया हो।
- (च) मास्टर ग्रोथ योजना द्वारा वितरित आय का भुगतान अपने बैंकर्स के नाम काटे गये चेक या वारन्ट द्वारा उचित भुगतान सुविधाओं के साथ किया जाएगा।
- (छ) विधिक रूप से यूनिटधारक अपने नाम धारित यूनिटों के लिए योजना द्वारा घोषित आय वितरण प्राप्त करने का हकदार होगा। इस बात के होते हुए भी कि प्रतिकूल के लिए उनके द्वारा यूनिटों का अन्तरण हो चुका है किन्तु अन्तरिती जो अन्तरणकर्ता से आय का दावा करता है आय देय होने की तिथि से 30 दिनों के भीतर प्रमाण-पत्र और अन्तरण संबंधी अन्य दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया है।

## 16. योजना से संबंधित आस्तियों का मूल्यांकन :

- (क) जिस कम्पनी की प्रतिभूतियों का मूल्यांकन किया जा रहा है उस कम्पनी के मूल व्यापार स्थान के नजदीकी शेयर बाजार पर लगे हुए अंतिम मूल्य पर सूचीबद्ध प्रतिभूतियों का मूल्यांकन किया जाएगा और यदि ऐसी प्रतिभूतियाँ एक से अधिक शेयर बाजारों में सूचीबद्ध हैं, तो कम्पनी के व्यापार के मूल स्थान के नजदीकी शेयर बाजार की प्रतिभूतियों के अंतिम मूल्य को लिया जाएगा, जिसे उचित मूल्य समझा जाएगा। यदि प्रतिभूतियों को मूल्यांकन की तिथि से पहले 6 महीनों से अधिक तक व्यापार नहीं किया गया हो तब मास्टर ग्रोथ यूनिट योजना लेखा परीक्षक से विचार-विमर्श के बाद उचित पद्धति में प्रतिभूति का मूल्यांकन करेगा।
- (ख) नये सूचीबद्ध ईक्विटी शेयर (अर्थात् मूल्यांकन की तिथि से पहले एक वर्ष की अवधि के अन्दर सूचीबद्ध किए गए शेयरों) का मूल्यांकन सदैव लागत पर किया जाएगा। इन ईक्विटी शेयरों के मूल्यों में वृद्धि और उसी तथ्यों और परिस्थितियों पर आधारित होंगे जो योजना की राय में वैसे बढ़ते या गिरते मूल्यों में अर्थ या प्रभाव रखते हैं।
- (ग) मुद्रा बाजार लिखतों और अन्य सावधि आय वाले लिखतों अपरि-वर्तनीय डिबेंचर सहित का मूल्यांकन तुलनीय लिखतों की परिपक्वता मूल्य और वर्तमान "आय" के आधार पर किया जाएगा।
- (घ) उपर्युक्त विधि से निकाले गये मूल्य में सावधि आय प्रतिभूतियाँ और डिबेंचरों के मामले में ब्याज और ईक्विटी शेयरों के संबंध में घोषित परन्तु अप्राप्त लाभों जोड़ दिया जाएगा।
- (ङ) अन्य सभी आस्तियाँ जिनका उपर्युक्त पद्धति से मूल्यांकन करना संभव नहीं है का मूल्यांकन बंदी मूल्य पर किया जाएगा।

## 17. शुद्ध आस्ति मूल्य का प्रकाशन :

- (क) मास्टर ग्रोथ यूनिट योजना के शुद्ध आस्ति मूल्य का परिकलन बम्बई में खण्ड 14 में दिए गए प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा। इसके बाद प्रत्येक गुरुवार को व्यापार बंद होने के समय पर या (यदि छुट्टी का दिन है तो पहले कार्य दिवस को) यह उक्त कुल मूल्य से उक्त मास्टर यूनिट योजना में खर्च किए गए देयताओं और अन्य व्यय, सन्तुलित आधार पर, जो मास्टर ग्रोथ यूनिट योजना की राय में स्टाम्प शुल्क, कर और निवेश प्राप्त पर देय अन्य व्यय को घटाकर किया जाएगा और भारत में प्रमुख अखबारों में प्रकाशित किया जाएगा। साथ ही साथ भारत के सभी शेयर बाजारों को उचित पद्धति से उक्त मूल्य की सूचना दी जाएगी। उक्त मूल्य की सूचना भी सर्वोत्तम विधि से भारत के सभी शेयर बाजारों में साथ ही साथ भेजे जाने चाहिए। इस रूप में प्रकाशित मूल्यांकन अगले मूल्यांकन के प्रकाशन तक वैध रहेगा।
- (ख) यदि आकस्मिक परिस्थिति में उक्त सप्ताह या एक या अधिक सप्ताहों के लिए मूल्यांकन प्रकाशित नहीं की गयी है तो यह नहीं माना जाएगा कि ट्रस्ट ने यूनिटों के पेशकश की शर्तों का उल्लंघन किया है।
- (ग) यह माना जाएगा कि शेयर बाजारों में यूनिटों की खरीद-बिक्री हमेशा इच्छुक खरीदार और विक्रेता के बीच विशुद्ध निवेश प्रयोगों से ही की जाएगी और ऐसी खरीद-बिक्री पर योजना के किसी भी प्रकार का नियंत्रण नहीं रहेगा।

## 18. यूनिटों की खरीद-बिक्री :

- (क) आर्बेटन की तिथि से 6 महीनों के अन्दर ट्रस्ट द्वारा निश्चित किये गये स्थानों के शेयर बाजारों में यूनिटों सूचीबद्ध की जाएगी। ट्रस्ट निर्धारित शुद्ध आस्ति मूल्य की घोषणा प्रत्येक गुरुवार को और यदि छुट्टी का दिन हो तो पहले के कार्य दिवस को करेगा और

“कोट” करने के लिए सभी शेयर बाजारों को मूल्य सूचित करेगा।

- (ख) यूनिट धारक जो अपने खरीदों का परिणामांकन करना चाहता है, शेयर बाजारों के माध्यम से यूनिटों को खरीद-विक्री कर सकता है।
- (ग) ट्रस्ट किसी भी समय प्रत्यक्ष या किसी भी पद्धति से बाजार के माध्यम से यूनिटें खरीदने या बेचने का मूल्य सूचित नहीं करेगा। परन्तु शेयर बाजार में जिस मूल्य पर यूनिटें खरीदी या बची जाती हैं उसे प्रमुख अखबारों में प्रकाशित की जाएगी।
- (घ) यूनिटों के खरीददार बाजार के माध्यम से स्वयं या गान्धिता प्राप्त बनाने द्वारा योजना के राजद्वार को संरक्षित यूनिट प्रमाण और अंतरण प्रवेश यदि सही हैं तो अंतरण के लिए प्रस्तुत करना होगा।
- (ङ) किसी भी मूल्य पर बाजार से यूनिटों का खरीदना या बचना यूनिट-धारक या भावी यूनिट धारक के जोखिम पर होगा। किन्तु यूनिटों के अंतरण पर देय स्टाम्प शुल्क के निर्धारण के लिए उच्च और स्थूल मूल्य का औसत जो अंतरण की तिथि के पहले की तारीख को या प्रसार के लिए आधार बनेगा।

#### 19. निवेश पर प्रतिबन्ध :

- (क) कोई कम्पनी द्वारा जारी की गई प्रतिभूतियों में योजना के अन्तर्गत ट्रस्ट द्वारा निवेशित निधियों का निवेश कुल निधियों का 10% या जारी की गयी और बकाया यूनिटों का 15% जो भी कम हो, से अधिक नहीं होगा।
- (ख) किसी नई कम्पनी की प्रतिभूतियों में योजना के अन्तर्गत ट्रस्ट द्वारा अपनी निवेश योग्य निधियों का निवेश ऐसी कम्पनी द्वारा जारी की गयी प्रतिभूतियों का 10% से अधिक नहीं होगा और ऐसे सभी निवेशों के कुल निवेश योग्य निधियों के 30% से ज्यादा नहीं होगा।

#### स्पष्टीकरण :—

नयी कम्पनी का अर्थ है जिस कम्पनी के शेयरों को शेयर बाजारों में निधि द्वारा शेयरों में निवेश करने के एक वर्ष पहले सूचीबद्ध किया गया है।

- (ग) ट्रस्ट परिवर्तन मुद्रा के लिए या अवसरों में परिवर्तन लाने के लिए किसी भी समय कुल निधियों के 20% से अधिक राशि को किसी भी प्रकार के अंतराकासीन मुद्रा बाजार, निम्नत, परिवर्तनीय या अपरिवर्तनीय डिबेंचरों, बैंक जमा, पुनर्भूतन बिल या अन्य क्षेत्रों में निवेश नहीं कर सकता है।

बगलें कि ट्रस्ट जब तक योजना की निधियों को प्रतिभूतियों में पूर्णतः लगाता है इस निधि को अब तक निवेशित नहीं की गयी है वैसे प्रतिभूतियों में निवेश कर सकता जो लाभकर समझा जाता है, इनमें उपर्युक्त खण्ड (सी) में संदर्भित भी शामिल है।

- (घ) निर्धारित निवेश पर प्रतिबंध निवेश करने समय की परिस्थितियों के अनुसार लागू होगा और ऐसा नहीं समझा जाएगा कि अधिक प्रतिबंध लगा है। इस बात के होते हुए कि निवेशों या बाजार मूल्य में अस्थिरता के कारण या बोनस शयर जारी होने के कारण या उन कम्पनी जिसकी प्रतिभूतियों में निवेश किया गया है, द्वारा राइट शयर जारी होने के कारण सीमा धाम्य में अधिक हो गयी है।

#### 20. यूनिट प्रमाण-पत्र का फार्म :

यदि प्रमाण-पत्र इसके साथ संलग्न फार्म “ए” में होगा या ऐसे फार्म में होगा जैसा ट्रस्ट द्वारा योजना के सुचारु परिचालन के लिए स्वीकृत किया जाएगा। प्रत्येक यूनिट प्रमाण-पत्र में विभेदक संख्या, यूनिट प्रमाण-पत्र में सम्मिलित यूनिटों की संख्या और यूनिट धारक का नाम दिया जाएगा। प्रमाण-पत्र में 100 मास्टर प्रोथ यूनिटों के विपणन योग्य लॉट में अधिकतम (20) मास्टर प्रोथ प्रमाण-पत्र (अर्थात् 20,000/- रु०) तक जारी की जाएगी। 20,000/- रु० से अधिक के किसी निवेश के लिए एक समेकित प्रमाण-पत्र 21वां प्रमाण पत्र (अर्थात् 2000 मास्टर प्रोथ यूनिटों से अधिक) जारी की जाएगी यह समेकित प्रमाण-पत्र बिना कोई खर्च के निवेशक द्वारा निवेदन करने पर एक बार विभाजित किया जाएगा और इसके बावजूद ट्रस्ट द्वारा निश्चित किये जाने वाले खर्च के भुगतान पर विभाजन को अनुमति दी जाएगी।

#### 21. यूनिट प्रमाण-पत्र बनाने की पद्धति :

जसा बोर्ड समय-समय पर निर्धारित करेगा यूनिट प्रमाण-पत्र उत्कीर्ण या लिथोग्राफ या मुद्रित किया जाएगा और ट्रस्ट द्वारा विधिवत रूप से अधिकृत दो व्यक्तियों द्वारा ट्रस्ट की ओर से हस्ताक्षरित होगा। प्रत्येक हस्ताक्षर स्वहस्ताक्षरित होगा या किसी यांत्रिकी बिधि से लाया गया होगा। जब तक यूनिट प्रमाण-पत्र इस रूप में हस्ताक्षरित नहीं होगा, तब तक यह मान्य नहीं होगा। इस रूप में हस्ताक्षरित यूनिट प्रमाण-पत्र मान्य होगा और इस बात के होते हुए बाध्यकारी होगा कि इन्हें जारी होने के पहले, किसी व्यक्ति जिसका हस्ताक्षर उस पर है ट्रस्ट की ओर से यूनिट प्रमाण-पत्र हस्ताक्षर करने का अधिकृत व्यक्ति नहीं रहा हो, किन्तु इस रूप में तैयार किया गया यूनिट प्रमाण-पत्र में यदि किसी अधिकृत व्यक्ति का हस्ताक्षर है तो प्रमाण-पत्र जारी होने के पहले किसी व्यक्ति जिसका हस्ताक्षर इस पर है, ट्रस्ट की ओर से यूनिट प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने का अधिकृत व्यक्ति नहीं रहे हो किन्तु इस रूप में तैयार किया गया यूनिट प्रमाण-पत्र में यदि किसी अधिकृत व्यक्ति का हस्ताक्षर है जो प्रमाण-पत्र जारी होने के समय मृत है, ट्रस्ट किसी तरीके से जिसे वह सर्वोत्तम समझता है प्रमाण-पत्र पर विद्यमान उक्त व्यक्ति के हस्ताक्षर को रद्द कर सकता है और किसी अन्य अधिकृत व्यक्ति का हस्ताक्षर उस पर करवा सकता है। इस रूप में जारी यूनिट प्रमाण-पत्र भी मान्य होंगे।

#### 22. यूनिट प्रमाण-पत्र के संबंध में ट्रस्ट द्वारा मान्यता नहीं दिया जाना :

जो व्यक्ति यूनिटधारक के रूप में पंजीकृत है और जिस के नाम यूनिट प्रमाण-पत्र जारी किया गया है, केवल वही व्यक्ति ट्रस्ट द्वारा यूनिटधारक के रूप में मान्य होगा और यह माना जाएगा कि इसका स्वत्वाधिकार या हित उसमें या उक्त यूनिट प्रमाण-पत्र की यूनिटों में है जो उसके नाम हैं और ट्रस्ट उक्त यूनिटधारक को उसका एक मात्र स्वामी मानेगा और इसके विपरीत किसी नोटिस से या किसी ट्रस्ट के क्रियान्वयन की नोटिस से बांधा नहीं होगा या सिर्फ उन बातों को छोड़कर जबकि इसमें स्पष्ट रूप से यह दिया गया हो या कार्यक्षेत्र के सक्षम न्यायालय द्वारा किसी यूनिट प्रमाण-पत्र के स्वत्वाधिकार पर विपरीत प्रभाव डालने वाला आदेश हो या इस रूप में कर्षाई गई यूनिटें हों।

#### 23. जब प्रमाण-पत्र कटे-फटे, बिरुपित, लारना आदि है यूनिट प्रमाण-पत्रों का विनिमय और प्रक्रिया :

- (1) योजना के प्रावधानों के अधीन प्रत्येक यूनिट धारक अपने कोई एक या नयी यूनिट प्रमाणपत्रों को एक या अधिक यूनिट प्रमाणपत्रों के लिए विपणन योग्य लॉट में, उसी ही कुल यूनिटों की संख्या में विनिमय करने का हकदार होगा। ऐसे विनिमय के लिए आवेदन करने समय यूनिटधारक विनिमय किए जाने वाले यूनिट प्रमाण-पत्र/पत्रों को ट्रस्ट को वापस सौंपना होगा और ट्रस्ट को नयी यूनिट प्रमाण-पत्र/पत्रों को जारी करने की ओर से सभी राशिओं का भुगतान करेगा (यदि देय हो)।

(2) यदि यूनिट प्रमाण-पत्र कटे-फट जाता है या चिसे-पिटे या बिखरित हो जाता है तो ऐसे मामले में ट्रस्ट अपने विवेक के अनुसार स्वत्वाधिकारी व्यक्ति को एक नया यूनिट प्रमाण-पत्र जारी कर सकता है। इसकी कुल संख्या उसकी ही होगी जिसकी कटे-फटे बिखरित यूनिट प्रमाण-पत्रों की थी। यदि कोई यूनिट प्रमाण-पत्र खो जाता है, चुराया जाता है, नष्ट हो जाता है तो ट्रस्ट अपने विवेक के अनुसार स्वत्वाधिकारी व्यक्ति को उसके बचने में नया यूनिट प्रमाण-पत्र जारी करेगा। कोई नया यूनिट प्रमाण-पत्र तब तक जारी नहीं किया जाएगा जब तक कि आवेदक के पास पहले से निम्नलिखित नहीं होगी :—

- (i) मूल प्रमाण-पत्रों के कटे-फटे होने, टुकड़े होने, बिखरित होने, खो जाने, चुरा लिए जाने या नष्ट होने के संतोषजनक साक्ष्य के साथ प्रस्तुत नहीं किए गए हैं।
- (ii) तथ्यों की जांच के सम्बन्ध में सभी खर्चों का भुगतान किया गया है।
- (iii) यदि कटे-फटे या चिसे-पिटे या बिखरित यूनिट प्रमाण-पत्रों को ट्रस्ट को प्रस्तुत किया जाता है और अव्यपित किया गया है और कटे-फटे या चिसे-पिटे या बिखरित यूनिट प्रमाण-पत्र और
- (iv) ट्रस्ट को क्षतिपूर्ति बन्धपत्र प्रस्तुत किया गया है जैसा ट्रस्ट चाहेगा, इस खण्ड के प्रावधान के अन्तर्गत ट्रस्ट सन्भावना के आधार पर उक्त प्रमाण-पत्र को जारी करने का उत्तरदायित्व नहीं लेगा।

(3) इस खण्ड के प्रावधान के अन्तर्गत कोई प्रमाण-पत्र जारी करने के पहले ट्रस्ट चाहेगा कि आवेदक इसके द्वारा निर्गत प्रत्येक यूनिट प्रमाण-पत्र पर एक रुपये का भुगतान करे। साथ ही ट्रस्ट की राय में स्टाम्प ड्यूटी यदि कोई है, के लिए पर्याप्त धन राशि या अन्य खर्च या कर डाक पंजीकरण खर्च सहित उक्त प्रमाण-पत्र को जारी करने और प्रेषित करने के सम्बन्ध में देय हो उसे भी जमा करेगा। बशर्ते कि निम्नलिखित मामलों में जारी किए गए प्रमाण-पत्रों के संबंध में कोई शुल्क स्टाम्प ड्यूटी या डाक पंजीकरण देय नहीं होगा, यथात्

- (i) जब खण्ड 6 के अन्तर्गत आवेदक को यूनिट प्रमाण-पत्र जारी किया गया है या खण्ड 21 (7) के अन्तर्गत अंतरिती को जारी किया गया है और जिन्होंने पहली बार उप विभाजन के लिए प्रस्तुत किया है।
- (ii) जब यूनिट प्रमाण-पत्र के समायोजन के लिए ट्रस्ट द्वारा सुझाव दिया गया है और इस सुझाव को यमिट धारक द्वारा स्वीकृत किया गया है।

24. यूनिट धारकों के लिए योजना का बाध्यकारी होना :

समय-समय पर किए जाने वाले संशोधन इस योजना की शर्तें (बशर्ते कि ऐसे संशोधन मूल स्वभाव को नहीं बदलता और इस योजना के लक्ष्य को पूरा करना) प्रत्येक यूनिट धारक पर बाध्यकारी होना और प्रत्येक अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों जो उनके माध्यम से दावा करता है/करते हैं मानों स्पष्ट रूप से स्वीकार किये हैं कि वे इस रूप में उन पर बाध्यकारी होगा।

25. उपलब्ध करायी जाने वाली योजना की प्रति :

सभी संशोधनों सहित योजना की एक प्रति योजना के रजिस्ट्रार के कार्यालय में (जब स्थापित किया जाएगा) निरीक्षण के लिए कार्यालय के कार्यकाल के दौरान उपलब्ध रहेगी और 5 रु/- जमा करने पर उन्हें बापूर्ति की जा सकती है।

26. योजना में परिवर्तन और संशोधन :

समय-समय पर जोड़ योजना में कोई संशोधन या परिवर्तन कर सकता है जो सरकारी राजपत्र में अधिबुजित किया जाएगा।

27. प्रावधानों के अर्थ लगाने का अधिकार :

यदि किसी भी प्रावधान के स्पष्टीकरण में कोई संदेह उत्पन्न होता है तो अध्यक्ष या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक न्यासी को योजना के प्रावधानों का अर्थ लगाने का अधिकार होगा जो योजना की आधारभूत संरचना के बिपरीत या किसी रूप में प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला नहीं होगा और यह निर्णय अंतिम होगा।

28. प्रावधानों का शिथिलीकरण/परिवर्तन संशोधन :

ट्रस्ट के अध्यक्ष या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक न्यासी कठिनाईयों को कम करने के उद्देश्य से या योजना के अबाध और सहज परिचालन के लिए योजना के किसी प्रावधान को शिथिल / परिवर्तित या संशोधित कर सकते हैं जिन मामलों में किसी यूनिट धारक या यूनिट धारकों के वर्ग के लिए यह आवश्यक समझा जाएगा।

मास्टर ग्रांथ यूनिट योजना—1993

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

13, सर विठ्ठलशाम ठाकरसी मार्ग

(न्यू मरीन लाईन्स)

बम्बई-400020

यह प्रमाणित किया जाता है कि इस प्रमाण-पत्र में उल्लिखित व्यक्ति/व्यक्तियों मास्टर ग्रांथ यूनिट योजना 1993 के प्रावधानों के अधीन मास्टर ग्रांथ यूनिट योजना 1993 में यहाँ विनिर्दिष्ट विवेक संख्या (ओं) सहित उल्लिखित मास्टर ग्रांथ के पंजीकृत धारक है/हैं। इस पर पुष्ठांकित राशि प्रत्येक उक्त मास्टर ग्रांथ पर भुगतान किया जा चुका है।

मास्टर ग्रांथ प्रत्येक रुपये

10/- पर

प्रत्येक मास्टर ग्रांथ पर भुगतान की गयी राशि रुपये 10/-

प्रमाण-पत्र सं०

धारक/हों के नाम (1) -----

(2) -----

(3) -----

धारित यूनिटों की सं० -----

विवेक सं० (यें) -----

दिनांक ----- 1993 को दिया गया।

मास्टर ग्रांथ यूनिट योजना—1993

अध्यक्ष :

न्यासी :

RESERVE BANK OF INDIA  
CENTRAL OFFICE  
DEPARTMENT OF GOVERNMENT AND BANK ACCOUNTS

Bombay, the 17th July 1993

In pursuance of Rule 18 of the Rule made by the Government of India under Section 28 of the Public Debt Act, 1944 and published in the Gazette of the 20th April, 1946 (as amended under the Notification No. F(8)/70-R/52 Dated the 29th April, 1954 and the notification in extra ordinary Gazette No. 67 dated 21st February 1990) the following list (for the month ended 30th November 1992) is hereby advertised of securities lost etc. in respect of which prima facie ground; exists for believing that the securities have been lost and that the claim of applicant is just. All persons other than the respective claimants named below who have any claim upon these securities should communicate immediately with the Chief Accountant, Reserve Bank of India, Central Office, Department of Government and Bank Accounts, Central Debt Division, Bombay.

The list has been divided into two parts; Part 'A' being securities now advertised for the first time and Part 'B' the list of securities previous advertised.

**LIST 'A'**

—NIL—

**LIST 'B'**

No. of Security	Value Rs./Gms.	In whose name issued	From what date bearing interest	Name/s of the claimant/s for issue of duplicate/ payment of discharge value	No. and date of order issued	Date of Publication under P.D. Act of 1944 of list in which the Security was first published
1	2	3	4	5	6	7

**CALCUTTA CIRCLE**

**3% Conversion 1946**

CA 200355	1,000/-	Sashi Bhusan Ghosh & Cons.	16-9-1962	Baidyanath Mondal	Jt. Manager's order dated 8-10-92 (DY No. LCQ 65/92-93)	—
CA 198799	1,000/-	Do.	Do.	Do.	Do. File No. I 2491	—
CA 206485	200/-	Panchanan Mandal (since deceased)	Do.	Do.	Do.	—
CA 206486	500/-	Do.	Do.	Do.	Do.	—
CA 206487	1,000/-	Do.	Do.	Do.	Do.	—
CA 206488	1,000/-	Do.	Do.	Do.	Do.	—

**3% First Day loan 1970-75**

CA 055364	500/-	Do.	Do.	Do.	Do.	—
-----------	-------	-----	-----	-----	-----	---

[illegible]

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

## KANPUR CIRCLE

## National Defence Gold Bonds—'A' Series

KN 000462	12 gms of gold	Mahabir Prasad Daga	27-10-66	Mahabir Prasad Daga	CO. Jr. 2304/ 50 dated 30-3-88 LNG-138	5-11-88
-----------	-------------------	------------------------	----------	------------------------	--	---------

The Chief Accountant,  
Reserve Bank of India,  
Central Office,  
Department of Government and Bank  
Accounts, Central Debt.Division,  
Bombay-400051.

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS  
OF INDIA

Bombay, the 16th April 1993

No. 3 WCA(5)/18/92-93:—With reference to the Institute's Notifications 3SCA(4)/3/92-93 dated 27-11-92, 3WCA(4) 5/92-93 dated 1-12-92, 3WCA(4) 7/92-93 dated 26-2-93, 3WCA(4) 8/92-93 dated 29-3-93, it is hereby notified in pursuance of Regulation 20 of the Chartered Accountants Regulation 1988, that in exercise of the power conferred by Regulation 19 of the said Regulation, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Member with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following gentlemen—

S.No.	MRN	Member Name & Address	Rest. Date
1	2	3	4
1.	003457	Mr. Patel Anuprasad Gordhanbhai FCA, Chartered Accountant Anu C. Patel & Co. 5 Anand Sagar Apts. S Near Anandnagar SOC Behind New India Mill Baroda-390005.	01/10/92
2.	007546	Mr. Lalani Jagmohan Dalichand FCA, Chartered Accountant J. D. Lalani & Co., Wadia House, III Floor Room No. 70, 9 B Cawasji Patel St. Fort, Bombay-400001.	01/10/92
3.	008729	Mr. Ramachandra Rao, D. Sita ACA, Chief Manager, Central Bank of India, 55-B, L.T. Road, Mahim W. Bombay-400016.	01/10/92
4.	00131	Mr. Bhatt Pushpavadan Krushnalal, FCA, 9 Someshwar SOC Vaccine Rd., Gadapura, Baroda-390015.	01/10/92

1	2	3	4
5.	010429	Mr. Patel Jagdishchandra Purshotta ACA, 2 Hammok Crescent, Thornhill, Ontario Canada L3T 2W9.	01/1/92
6.	011254	Mr. Tambekar Dattatraya Harishan ACA, Suraj Apartments A Wing, Near Shanti Ashram Borivli, West. Bombay.	01/10/92
7.	011752	Mr. Parthasarathy S, FCA, Chartered Accountant 8, Chandra Nilvas Colony Road, Slon (West), Bombay-400022.	01/10/92
8.	012069	Mr. Patil Shivkumar Balkrishna FCA, P. O. Box 10971, Nairobi, Kenya.	01/10/92
9.	012309	Mr. Sandu Anand Shridhar, FCA, Chartered Accountant 105, Maryland Apts., D. K. Sandu Marg, Chembur, Bombay-400071	01/10/92
10.	012758	Mr. Sheth Janak Kirtikant, ACA, 3412 Lake Trial Drive, Metairie LA 70003, U.S.A.	01/10/92
11.	012827	Mr. Parekh Deepak Jayantilal ACA, 21 Dinanath Apts. Mahatma Gandhi RD Kandivali Village, Kandivali, W. Bombay-400067.	01/10/92
12.	012967	Mr. Modi Jamshed Rustom, ACA, C-32, Darshan Apartments, Mount Pleasant Road, Bombay-400006.	01/10/92

1	2	3	4
13.	013102	Mr. Shouche Malhari, Gopalkrishna, ACA, Chintamani Nagar-3, Bldg. No. 1, Flat No. 6, Bibawewadi, Poona-411037.	01/10/92
14.	013386	Mr. Khatri Hastkant Shivji, ACA, 36-B, Mohan Nagar of Datta Mandir Road, Dahanukar Wadi Kandivalli-W., Bombay-400067.	01/10/92
15.	013562	Mr. Sathyamoorthy Rajagopalan ACA, A/4, Clifton Birla Lane Juhu, Bombay-400049.	01/10/92
16.	014604	Mr. Parmar Madhusudan Valjibhai, FCA, Chartered Accountant M. V. Parmar & Co. A-5, Neelkamal II, Hashabad Lane Santacruz West Bombay-400054.	01/10/92
17.	014749	Mr. Modi Piyush Girdharlal, ACA, 14/B Vishwanagar Soc. Near Jivraj Park Behind Ravinagar Vejalpur Ahmedabad-380051.	01/10/92
18.	016851	Mr. Shah Mahendra Mohanlal FCA, Chartered Accountant A-15, Varma Villa Vithal Bhai Rood Vile Parle, W. Bombay-400036.	01/10/92
19.	017996	Mr. Advani Suresh Paritam Singh, ACA, A/2, Mayfair Gardens 36 Little Gibbs Road, Malabar Hill, Bombay-400006.	01/10/92
20.	019194	Mr. Sridharan K. V., FCA, Chartered Accountant, C/o Reesan Information Management Resources India P. Ltd., 115, SDF IV, Seepz, Andheri, Bombay-400096.	01/10/92
21.	022196	Mr. Kumar V. S., ACA, Flat No. A, 33/006, Yogi Kutir C.H.S. Ltd., Yogi Nagar, Borivali W. Bombay-400092.	01/10/92
22.	022872	Mr. Dutta P. K., ACA, 32/22 Brindavan Srirang Soc., Thane-400601.	01/10/92
23.	023260	Mr. Srinivasan N., ACA, Chartered Accountant, C/o, V. S. Santhanam A2, Aparna Apartments 75 S. V. Road, Andheri West, Bombay-400058.	01/10/92

1	2	3	4
24.	023851	Mr. Srivastava Sailesh, FCA, Chartered Accountant, H. No. 12-13-1270, Tarnaka, Secunderabad A.P. Secunderabad-500017.	01/10/92
25.	023957	Mr. Shetti Jayakumar Dnyana- Chandr, FCA, Chartered Accountant, Jain Shrivakashram Bldg., 1317 C Ward Laxmipuri Kolhapur-416002.	01/10/92
26.	024696	Mr. Sreenivasan. S. ACA, Finance Manager Bahram Insurance Co., BSC, P. O. Box 843, Manama, S. of Bahrain.	01/10/92
27.	027016	Mr. V. K. Kuriachan, ACA, Chartered Accountant, Assistant Accounts Manager, Revenue Accounts, Air India, Santacruz, Bombay-400029.	01/10/92
28.	030110	Mr. Joshi Anil Ramchandra, ACA, Chartered Accountant Flat 18, Enarch Hsg. Complex, Untwadi Road, Nashik-422002.	01/10/92
29.	030386	Mr. Bangad Shriniwas Bansilal ACA, Chartered Accountant, 250 A/6A, Shaniwar Peth Audumbar Lane, Pune-411030.	01/10/92
30.	030495	Mr. Kadam Haribhau Anand, FCA, Chartered Accountant, 41/16, Shriya, Tarate Colony, Pune-411004.	01/10/92
31.	030752	Mr. Chandrashekar G. S. FCA, Chartered Accountant 6/67-13, Amar Kunj Pestom Sagar, Tilak Nagar, Bombay-400089.	01/10/92
32.	030805	Mr. Singi Meghraj Purshottam ACA, 200 South Sadar Bazar Meghdhan Sholapur-413003.	01/10/92
33.	031335	Mr. Mansuri Yunus, Mohamedhussein ACA, Chartered Accountant, 301/2, Sarvedaya Commercial Centre III Floor Near G.P.O. Salapose Road, Ahmedabad-380001.	01/10/92

1	2	3	4	1	2	3	4
34.	031438	Mr. Raka Ramesh Pannalal, 01/10/92 FCA, Chartered Accountant, Ramesh P. Raka & Co. 537 Sadashiv Peth, Jondhale Chowk Pune-411030.		44.	033103	Mr. Inamdar Mohammad Iqbal 01/10/92 Hafiz, S. ACA, H/204, Veena Deena Apartments, Acharya Dadas Marg, Sewri-West, Bombay-400015.	
35.	031676	Mr. Joshi Bankimchandra 01/10/92 Chandulal, ACA, Chartered Accountant Bankim Joshi & Co. 23 Gokul Soc., Sindhwai Mata Rd., Pratap Nagar, Baroda-390004.		45.	033217	Mr. Lal Vasant Dadas, ACA, 01/10/92 P. O. Box 10213, Dubai, U.A.E.	
36.	031781	Mr. Modi Hariyadan Kantilal, 01/10/92 ACA, A/13, Falashruti Society, Panch Fanas, Bharuch-392001.		45.	033268	Mr. Vaid Rajesh 01/10/92 Rajnikant, B.Com Hons, FCA, Block No. III Floor Tejpal Bldg., Pangully Huges Rd., Bombay-400007.	
37.	031864	Mr. Shah Saremai Poonamchandji, 01/10/92 FCA, Chartered Accountant, Saremai & Co., 7A Anjana Chambers Behind English Cinema, Panchkuva, Ahmedabad-380001.		47.	033355	Mr. Choksi Mukund Ranchhodlal 01/10/92 ACA, A/1 Sudeep Terrace Moti Desai Pole Soni Falia, Surat.	
38.	031879	Mr. Bora Ramesh Uttamchand, 01/10/92 FCA, Chartered Accountant, R. U. Bora & Co. Block No. T-395, Adinath Soc. Poona Satara Rd., Pune-411037.		48.	034723	Mr. Shashikant, FCA, 01/10/92 Chartered Accountant, Shashikant & Asso Lawyers Chambers Adi Gujrat High Court Ashram Road, Ahmedabad-380009.	
39.	032197	Mr. Agarwal Subhash Chandra, 01/10/92 FCA, Chartered Accountant, 2A, Kutab Mahal 1st Floor, 192 Dr. D. N. Road, Bombay-400001.		49.	034833	Mr. Desai Nitin Bhalchandra, 01/10/92 FCA, Chartered Accountant, N.B. Desai & Co., 5, Kiran Dixit Road, Opp. Parle College Parle (E), Bombay-400057.	
40.	032356	Mr. Patankar Charuchandra 01/10/92 Ganesh, ACA, 1, Sidharth, 124 D, Erandawana, Pune-411004.		50.	035384	Mr. Jain Praveenkumar 01/10/92 Ambalal, ACA, Chartered Accountant, Praveen A. Jain & Co., 4, Gayatri Chambers, R. C. Dutt Road, Baroda-390007.	
41.	032413	Mr. Ayalani Dharmadatt 01/10/92 Shitaldas, ACA, 7, Krishna Apts, Near Bank of India Maninagar, Ahmedabad-380008.		51.	035728	Mr. Patel Haribhai Dahyabhai, 01/10/92 ACA Chartered Accountant, H Patel & Co. 20/B, Divya Hsg. Complex, Behind E.S.I. Hospital, Gotri Rd., Baroda-390015.	
42.	032848	Mr. Chandan Rohit 01/10/92 Harishchandra, FCA, Chartered Accountant, Rohit Chandan & Co., 24, Jambulwadi, Darshan Bldg., R. No. 25, 1st Fl., Bombay-400002.		52.	036313	Mr. Kalwant Singh Puran Singh 01/10/92 ACA, Chartered Accountant, B-14, III Floor, Premsagar Apts., LBS Marg Kurl, Bombay-400070.	
43.	033000	Mr. Narayanaswamy 01/10/92 Hariharan, B.Com-H, ACA, Chartered Accountant, H. Narayanaswamy & Co., 12/2, Padmalochani, Pestom Sagar, Chembur Bombay-400087.		53.	036492	Mr. Shah Pragnesh, 01/10/92 Jitendrakumar ACA, Chartered Accountant, B/9, Vardhamankrupa Row Houses Near Sarvodayanagar-2, Sola Road, Ahmedabad-380061.	
				54.	036507	Mr. Nawathe Prasad Janardan, 01/10/92 ACA, 255, Kasba Peth Pune-411011.	

1	2	3	4	1	2	3	4
55.	036514	Mr. Mehta Darshan Vasantlal, ACA, Chartered Accountant, Shreeji Nivas, B/4 H.L.C.C. & B.O. I Soc., Navrangpura, Ahmedabad-380009	01/10/92	65.	039650	Mr. Danka Dinesh Radheshyam, ACA, Chartered Accountant, B-52/1383, Adarsh Nagar Worli, Bombay-400025.	01/10/92
56.	036833	Mr. Sonigara Kevalchand Mithalal, FCA, Chartered Accountant, K. M. Sonigara & Co., B-201 Kalpataru Plaza, 224, Bhawani Peth, Pune-411022.	01/10/92	66.	039994	Mr. Subhedar Rajeev Shiikrishna, ACA, Chartered Accountant, Keni House 19/C, Sakharan Keer Road, Off. L. J. Road, Near Shivaji Park Bombay-400016.	01/10/92
57.	036841	Mr. Mandan Kamal Lajpatrai ACA, Chartered Accountant, 53/1, Bimanagar, Satellite Road, Ahmedabad-380015.	01/10/92	67.	039999	Mr. Balaji, V ACA, 10/57-A, Gemini, Pestom Sagar, Chembur, Bombay-400089.	01/10/92
58.	037152	Mr. Shah Sunil Chandulal, ACA, Chartered Accountant, 19, Satellite Bungalows, opp. Sukomal, Flats Ramdev Nag Satellite Road, Ahmedabad-380054	01/10/92	68.	040078	Mr. Thakkar Rashmikant Chandulal, ACA, Chartered Accountant, 205, Bela Chambers, Opp. M. C. High School, Salatwada, Baroda-390001	01/10/92
59.	037180	Mr. Lavana Pravin Dhirajlal, ACA, Chartered Accountant, Saremal & Co., 7A Anjana Chambers behind English Cinema, Panchkuva, Ahmedabad-380001	01/10/92	69.	040519	Mr. Bhinderwalla Soebaji Hatimali, ACA, 2840, Warm Springs Road, Apt. 19, Columbus, Georgia-31904, U.S.A.	01/10/92
60.	037573	Mr. Gavaskar, Mahesh Kashinath, FCA, Chartered Accountant, M. K. Gavaskar & Co., 3/28, Lokmanya nagar, Pune-411030.	01/10/92	70.	040738	Mr. Ganatra Ashish Manharkant, ACA, Chartered Accountant, 406-A, Waghwadi 1st Floor, Kalbadevi Road Bombay-400002.	01/10/92
61.	038303	Mr. Subramanyan Rajagopal, ACA, Chartered Accountant, B/2, Sahakar Dr. Ambedkar Rd., Mulund West, Bombay-400080.	01/10/92	71.	040974	Mr. Thakkar Yogesh Haridas, ACA, Chartered Accountant, 13, Brijesh, Haridas Nagar Society, Shimpoli Road, Boriwali (West), Bombay-400092	01/10/92
62.	038663	Mr. Deshpande Anil Vasant, ACA, Dy. Accounts Officer, Maharashtra State Electricity, Bldg. 19/41, Bandra Reclamation, Bandra (West), Bombay-400050.	01/10/92	72.	041076	Ms. Lamda, Geetika, ACA, C/o Anz Grinlays Bank, 90 M. G. Road, Bombay-400001.	01/10/92
63.	037117	Mr. Iyer Prakash Srinivasan, ACA, Box 6193, Bordko, Papja New Guinea.	01/10/92	73.	041153	Mr. Jain Nirmal Chandra Bhanwarlal, ACA, 108, Shyam Kamal, C Agarwal Market-C, Vile Parle East, Bombay-400057	01/10/92
64.	039233	Mr. Shah Rajesh Kumar Shantilal, ACA, Chartered Accountant, Malad Apts., 337, Anand Rd., III Floor, Block N, 9 Malad West, Bombay-400064.	01/10/92	74.	041356	Mr. Chauhan Rajnesh Bhai Lakha Bhai, ACA, Chartered Accountant, R Lakhbhai & Co., Chhatrapati Shivaji Complex Rd., Behind Anand Nagar, Dahisar (E), Bombay-400068.	01/10/92
				75.	041685	Mr. Bailkeri Narendra Ganapati, ACA, New Silver Home Flat No. 22, Perry Cross Road, Mastet Vinayak Marg, Bandra West, Bombay-400050.	01/10/92

1	2	3	4	1	2	3	4
76.	041803	Mr. Kanakagiri Srinivas ACA, Deputy Manager (Internal Audit), WZO Unit Trust of India 28th Floor, CC-1 World Trade CE Bombay-400005.	01/10/92	87.	043579	Mr. Dhamodar Rani Rajendrakumar ACA Chartered Accountant C/4 Ambika Nagar Shahad-421103 Thane.	01/10/92
77.	041819	Mr. Kadapa Vasant Rajerao, ACA, 41, Sahawas Soc., Karve Nagar Pune-411052.	01/10/92.	88.	043629	Mr. Lodha Salji Kumar ACA, Chartered Accountant, 18, Old Vora House, C. P. Road, Goregaon West, Bombay-400062.	01/10/92
78.	042332	Mr. Mala Shabdar Houseinj, ACA, 46, Sarang Street, Mithaiwala Bldg, Bombay-400003.	01/10/92	89.	043838	Mr. Komal Kumar Sharma, ACA, B-19/4, New Airport Colony, Vile Parle-E, Bombay-400099.	01/10/92
79.	042414	Mr. Cunha Ravi Vincent ACA, 2-E Sundatta Apts., 10-A Mount Pleasant Road, Bombay-400006.	01/10/92	90.	044194	Mr. Vinayak Krishna Choudhary, ACA, Chartered Accountant, Vinayak Choudhary & Co., Sanjeevan, 83, Shawlambi Nagar, Nagpur-444022.	01/10/92
80.	042619	Mr. Iyer Ramakrishnan Shanker, ACA, Chartered Accountant, S. Ramakrishnan, G/3 Sham Apartments, Vishnunagar Naupada, Thane-400602.	01/10/92	91.	044331	Mr. Anant Janardan Nawathe, ACA, Chartered Accountant, 255, Kasba Peth, Pune-411011.	01/10/92
81.	042667	Mr. Todi Vijay Kumar ACA, Chartered Accountant, Vijay Todi & Asso., A-26 Gopal Sadan, Dutta Mandir Road, Malad-E, Bombay-400097.	01/10/92	92.	044334	Mr. Buddhiraju Venkata Raman Sudh, ACA, Chartered Accountant, A 34, Kavayrji Relief Road, Malad West, Bombay-400064.	01/10/92
82.	042757	Mr. Kulkarni Rajeev Vishnupant ACA, G. M. Koka & Co., 32 Swapnanagari Karve Road, Pune, Pune-411043.	01/10/92	93.	044542	Mr. Oswal Vijay Shivilal, ACA, Chartered Accountant, 10/11, Shukrawar Peth, Pune-411002.	01/10/92
83.	043041	Ms. Dorwani Meena Beharilal, ACA, Lupin Laborities, Kalina, Bombay-400061.	01/10/92	94.	044636	Mr. Rakesh Hanumanmal Nahata, ACA, Chartered Accountant, Nahata Palace, Bawar Chowk, Central Avenue Nagpur 440 002	01/10/92
84.	043311	Mr. Rajgopal T., ACA, 65/A-4 Brindavan, Thane-400601.	01/10/92	95.	044635	Mr. Joshi Suresh Chandra, ACA Chartered Accountant F/82 South Colony P.O. Box Ambujanagar Ambujanagar P.O. Gujarat 362 720	01/10/92
85.	043144	Mr. Pai Angle Ashutosh Vaikunth ACA, Plot No. 7, Ameys Apt., Bansilal Nagar, Aurangabad-431005.	01/10/92	96.	045077	Mr. Santosh Dulhechh, ACA Garima Investment Share & Stock Broker 4th Fl., Usman Manzil Zaveri Bazar, Bombay 400 023.	01-10-92
86.	043304	Mr. Upadhyay Chandrakant Natwarlal ACA, Chartered Accountant, C. N. Upadhyay & Co., C/47, Vimalnath Society, Near : G. Yagnik Hall Bapunagar, Ahmedabad-380024.	01/10/92	97.	045551	Mr. Hemant Deepak Vashdev, ACA, Chartered Accountant, 29/451 Azad Nagar, Veera Desai Road, Andheri West Bombay 400 038.	01/10/92

1.	2.	3.	4.
98.	045628	Mr. Momaya Dhanesh Keshavji ACA Chartered Accountant Flat No. B/13 Nalanda Plot No. 64 Vashi New Bombay-400 705	01/10/92
99.	045762	Mr. Shah Rajesh Pannalal ACA Chartered Accountant 282 Telipada Sainath Complex College Rd. 1st Floor Bhiwandi 421 302.	01/10/92
100.	045912	Mr. Agrawal Lalit Dindayal ACA Chartered Accountant Shree Agarwal Bhuvan M A. Marg Dhayander 401 101.	01/10/92
101.	045991	Mr. R. Narayanan ACA C/o. R. Krishnamurthy A-74 Mala Towers BE Highway PA Lakandwala Link Rd. Andheri W. Bombay 400 058.	01/10/92
102.	070973	Mr. Mehta Rajendra ACA Chartered Accountant A/61 Taxshila Nr. Satellite Plaza Off. Satellite Road Ahmedabad-380 015.	01/10/92
103.	072153	Mr. Sharma Uttam Kumar ACA Admin. Officer The New India Assurance Co. Ltd. 210200 1st Fl. Dwarakesh Bldg. K Ahmedabad-380 031.	01/10/92
104.	072599	Mr. Mahesh Chandra Bungalia ACA Chartered Accountant C/o Videcon Gangapur Compound Ahmednagar Maharashtra.	01/10/92
105.	072898	Mr. Saxena Sunil ACA 403/A Broach Street Steel Chambers Bombay-400 009.	01/10/92
106.	073532	Mr. S.K. Maheshwari I ACA Manager Finance Shree Industries Ltd. Vill. Rajoda Davla Ahmedabad 382 220.	01/10/92
107.	073750	Mr. Virendra K. Kumbhat ACA Chartered Accountant Kumbhat V & Associates C-122, Eldee Apartment Ring Road Surat-395 002.	01-10-92

A.K. MAJUMDAR, Secretary

Calcutta-700 071, the 11th May 1993

## (CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 3ECA/8/6/92-93—In pursuance of Regulation 10(i) (iii) of the Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified that the certificate of practice issued to the following Member has been cancelled as he does not desire to hold the same.

S. No.	MRN	Member Name & Address	Canc. Date
1.	055401	Mr. Bandyopadhyay Abhijit ACA 2A Thakur Radhakanta Lane Baghbazar Calcutta-700 003	01/02/93

A.K. MAJUMDAR, Secy.

The 17th May 1993

No. 3ECA/8/7/92-93—In pursuance of Regulation 10(i) (iv) read with Regulation 10(3)(b) of the Chartered Accountants Regulations 1988, it is hereby notified that the certificate of practice issued to the following members have been cancelled from the dates mentioned against their names as they have not paid their annual fee for certificate of practice.

S. No.	MRN	Members Name & Address	Canc. Date
1.	040182	Mr. Subudhi K Ranjan Kumar, ACA Triveni Ashou Nagar Bhubaneswar-751 007	09/12/91
2.	050912	Mr. Banerji Surojit, ACA 44, P.N. Mukherji Road, 24 Parga Khardah-0	09/12/91
3.	053651	Mr. Mukherjee Prosanta ACA Birla Technical Services Opp. Hot Strip Mill Rourkela Steel Plant Rourkela-769 011	09/12/91
4.	053981	Mr. Doshi Anand ACA Financial Controller M/s. Patsows (Kenya) Ltd. P. Bo No. 47328 Nairobi-0	09/12/91
5.	054068	Mr. Gaggar Ajay Kumar ACA 11 Sarat Bose Road Calcutta-700 020	01/10/92

A.K. MAJUMDAR, Secy.

## EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 23rd June 1993

No. N-12/13/1/93-P&D.—The following draft of the amendment to the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 which the Employees' State Insurance Corporation proposes to make in exercise of the powers conferred by Section 97 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) is published as required by sub-section (i) of

the said section for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the draft amendment will be taken into consideration 30 days after publication of the same in the Gazette of India.

*"Draft amendments to Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950.*

1. In sub-Regulation (iii) of Regulation 98 and proviso (i) under Sub-regulation (2) of Regulation 103-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 :—

(A) After serial No. 22 of the list of diseases, the following may be added namely :

23. Cardiac valvular Diseases with failure/complications.
24. Chronic Renal failure.
25. Hemiparesis of more than eight weeks duration.
26. Post-Traumatic Surgical Amputations of Lower extremity.
27. More than 50% Burns with infection.
28. Compound fracture with Chronic Osteomyelitis.
29. Chronic cor pulmonale with Congestive Heart Failure.

(B) The disease at serial No. 15 of the list of diseases and known as "Cirrhosis of Liver with Ascitis" will be changed to "Cirrhosis of Liver." Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft amendment before the date specified, will be considered by the said Corporation.

BHAGWATI PRASAD,  
Insurance Commissioner

New Delhi, the 17th June 1993

No. V. 33(13)-19/92-Estt. IV.—In pursuance of Section 25 of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) read with Regulation 10 of the Employees State Insurance (General) Regulations, 1950 and in supersession of Corporation's Notification No. V. 33 (13)-19/87-Estt. IV dated 28-3-1989 and amended dated 13-12-1989, the Chairman, E.S.I. Corporation hereby reconstitutes the Regional Board for the State of Himachal Pradesh which shall consist of the following members, namely :—

Chairman

1. The Adviser to the Governor to the Government of Himachal Pradesh (Who is to look after Lab. Deptt.).

Vice-Chairman

2. The Secretary (Health), Government of Himachal Pradesh.

Member

3. The Secretary (Labour), Govt. of Himachal Pradesh.

Officer directly incharge of the ESI Scheme in the State, Ex-Officio-Member

4. The Director, Health Services and Family Welfare, Himachal Pradesh.

Ex-Officio-Member

5. The Deputy Medical Commissioner, E.S.I. Corporation, North Zone, New Delhi.

Member of the ESI Corporation residing in the State  
Ex-Officio-Member

6. Commissioner-cum-Secretary to the Govt. of Himachal Pradesh, Labour & Employment Deptt., Simla.

Employers' Representative

7. Shri Sultan Chaudhuri, M/s. Pambi Speciality Paper Ltd., Barotiwala, Distt. Solan, Himachal Pradesh.

Employers' Additional Representative

8. Shri Yogender Diwan, Himachal Pradesh Fruit Products, 12-A, Sector-3, Parwanoo, Distt. Solan, H. Pradesh.

Employers' Additional Representative

9. Shri S. C. Jain, M/s. Salecha Cable, Mehatpur, Distt. Una, H. Pradesh.

Employers' Additional Representative

10. Shri Ashok Gupta, Managing Director, Himachal Pr. Cement Pvt. Ltd., Gaon Patta Natha Singh, Panvata Sahib, Distt. Sirmour, Himachal Pradesh.

Employees' Representative

11. Smt. Kanta Sood, President, INTUC, 35, the Mall, Simla-1.

Employers' Additional Representative

12. Shri Vijay Singh, General Secretary, Bhartiya Madoor Sangh, Gaon & Post Office. Vadheda, Via Saloh, Distt. Una, H. P.

Employers' Additional Representative

13. Shri Kameshwar Pandit, Senior Vice President, All India Trade Union Congress, Skepton Villa, Simla-2.

Employers' Additional Representative

14. Shri Hemraj, Centre of Trade Union, Himachal Pradesh, 9-Vava Building, Simla-3.

Member-Secretary

15. The Regional Director, E.S.I. Corporation, Punjab Region, Chandigarh.

L. B. PARIYAR,  
Director General

MINISTRY OF LABOUR

OFFICE OF THE CENTRAL PROVIDENT FUND  
COMMISSIONER

New Delhi-11001, the 23rd June 1993

No. 2/1959/D.I./Exemp/89/Pt.I/2419.—WHEREAS the employers of the establishment mentioned in Schedule-1 (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-

I against said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Coimbatore from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

### SCHEDULE-I

Sl. No.	Name and address of the Establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C's File No.
1.	M/s Sri Gayatri Silicate Industries(P) Limited, P.B. No. 13, Kallar (P.O.) No. 13, Ooty Road, Mettupalayam, PIN 641301.	TN/21834	1-11-90 to 31-10-93	2/5020/93-DLI
2.	M/s Conti Travels, Gopal Bagh, Avanashi Road, Coimbatore-641018.	TN/21997	1-3-90 to 28-2-93	2/5019/93-DLI

### SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,  
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.1/2427.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the Govt. of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions

specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempted each of the said establishment further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

## SCHEDULE-I

Sl. No.	Name and address of the Establishment	Code No.	No. and date of the Govt. Notification vide which exemption was granted	Date of expiry of earlier exemption	Period for further exemption granted	C.P.F.C's File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s Tamarai Mills Ltd., (Formerly known as Coimbatore-Kamala Mills Limited) Coimbatore-641015.	TN/68	S-35014(291)83-Pt. II/SS-I	23-12-89	24-12-89 23-12-92 & 24-12-92 23-12-95	2/967/88-DLI
2.	M/s The Thudiyalur Co.-op. Agricultural Limited, Tudiyalur, Coimbatore-34	TN/6326	2/1959/DLI/Exem/80/Pt. I dt. 21-5-90	27-6-92	28-6-91 27-6-94	2/1250/DLI-85
3.	M/s Manju Electrical Industries Limited, 12th K.M., Pollachi Road, Malumi Champati P.O.-Coimbatore-641021.	TN/7169	2/1959/DLI/Exem/Pt. I/776/dt. 3-5-91	28-2-91	1-3-91 28-2-94	2/3497/91-DLI
4.	M/s Tamil Nadu Textile Corpn. Limited, 15, Huzur Ropd, Coimbatore-641018.	TN/7510-A	S-35014/185/85-SS. II dated 3-9-85	2-9-88	3-9-88 2-9-91 and 3-9-91 to 2-9-94	2/1204/DLI-85
5.	M/s Deccan Radiators Pressing Limited, S.F. No. 293, Pollachi Road, Malumichampatti, Coimbatore-641021.	TN/7841-A	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I. dt. 28-5-90	28-2-91	1-3-91 28-2-94	2/2434/90/DLI
6.	M/s Southern Press Tools Ltd., Chetti-palayam Road, Malumi-champatty, Post, Coimbatore-641021.	TN/8256	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dt. 26-2-90	28-2-91	1-3-91 28-2-94	2/3117/91-DLI
7.	M/s Coimbatore City Co.-op. Bank Ltd. 119, Dr. Nanjappa Road, Coimbatore-641018.	TN/8250	S-35014/52/84-FPG(SS. II) Dt. 15-1-88	22-6-90	23-6-90 to 22-6-93 & 23-6-93 to 22-6-96	2/1046

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,  
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/2435.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) :

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

#### SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & address of the Establishment	Code No.	No. & date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended	Date of expiry of earlier exemption	Period for further exemption extended	C.P.F.C.'s File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s. Malack Chrome Company, Pass Road, Ranipet-632401 North Arcat District, Madras.	TN/2229A	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.-I dated 17-11-89.	31-12-91	1-1-92 31-12-94	2/2607/90/DLI
2.	M/s. North Arcat District Sarvodya Sangh Ltd., 10-11, New Sitting Bazar, Vellore-632004,	TN/2901A	2/1959/DLI/Exemp/89 dated 18-9-89.	28-2-90	1-3-90 28-2-93	2/2003/89/DLI
3.	M/s. Southern Switch-gear Ltd., Plot No. 7, M.T.H. Road, Madras-58.	TN/3469	2/1959/DLI/Exemp/89 Pt. I dated 19-2-92.	29-10-91	30-10-91 29-10-94	2/503/81/DLI
4.	M/s. Britania Industries Ltd., M.T.H. Road, Padi Madras-50	TN/4843	2/1959/DLI/Exemp/89 Pt. I dated 4-10-90.	28-2-90	1-3-90 28-2-93	2/2929/90/DLI
5.	M/s. East India Ceramics, 54, Virupakshipuram, Vellore-632056.	TN/6287	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I dated 29-8-90.	28-2-90	1-3-90 28-2-93	2/2726/90/DLI

1	2	3	4	5	6	7
6.	M/s. Adyar Bakery House, 10, Sardar Patel Road, Madras-20.	TN/8643	S-3504/57/88/SS-II dated 26-7-88.	25-7-91	26-7-91 25-7-94	2/1759/88/DLI
7.	M/s. Alekton Engineering Industries Pvt. Ltd., C-17, Second Main Road, Ambattur Industrial Estate, Madras-58.	TN/10531	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dated 10-5-90.	28-2-90	1-3-92 28-2-95	2/2400/90/DLI
8.	M/s. Electron India, Type-II/Unit No. 9, Dr. V. ST Estate Thiruvannamuyur, Madras-600041.	TN/12170	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dated 17-11-89.	31-8-90	1-9-90 31-8-93	2/2585/90/DLI
9.	M/s. International Services, 44-45, Rajaji Salai Madras-1.	TN/16445	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dated 4-10-89	31-8-90	1-9-90 31-8-93	2/2570/92/DLI
10.	M/s. Electronics Corporation of Tamil Nadu Ltd., 4th Floor, LLA Building, 135 Mount Road, Madras-2.	TN/16633	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dated 21-8-90	28-2-90	1-3-90 28-2-93	2/1088/89/DLI
11.	M/s. Cortica Manufacturing (I) Ltd., Avadi Ponamallai Road, Madras-71.	TN/17352	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dated 1-8-90	30-6-91	1-7-91 30-6-94	2/2632/90
12.	M/s. Durandal Foods Pvt. Ltd., Maraimalai Nagar, Chingalepet	TN/19272	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dated 12-7-91	31-8-92	1-9-92 31-8-95	2/3606/91/DLI
13.	M/s. Eco Pack Pvt. Ltd., 2 Dr. Nair Road, T. Nagar Madras-17.	TN/19695	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dated 9-3-90	28-2-92	1-3-92 28-2-95	2/2515/90/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government, may from time to time, direct under clause (a) of Sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

8—159GI/93

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on or after the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM  
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/2443.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AS WHEREAS I. B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto I. B. N. Som, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Madras from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

#### SCHEDULE-I

Sl. No.	Name and address of the Establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C's File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s General Optic (ASIA) Ltd., RS-84/1, Nallavadu Road, Thavakkupam, Pondicherry-605007.	PC/296	1-4-92 to 31-3-95	2/5080/93/DLI
2.	M/s Madras Central Co-Operative Bank Limited, 114/1, Prakasam Salai, Madras-600008 (52 Branches).	TN/4142	1-9-89 to 31-8-92	2/5078/93/DLI
3.	M/s Transcore, Post Box No. 8621, Type 11/4, Instronics Campus, Thiruvannamur, Madras-600041.	TN/10173	1-9-89 to 31-8-92	2/5079/93/DLI
4.	M/s Harita Finance Ltd., 8, Haddow Road, Madras-6.	TN/22683	1-5-91 to 31-4-94	2/2269/89/DLI

#### SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct, clause (a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employees as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,  
Central Provident Fund Commissioner.

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/2457.—WHEREAS the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AS WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against said scheme has been granted by the R.P.F.C. Madras from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

#### SCHEDULE-I

Sl. No.	Name and address of the Establishment	Code No.	Effective date of Exemption	C.P.F.C'S File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s. Ennore Foundries Ltd., Ennore, Madras-57.	TN/2984	1-5-92 to 30-4-95	2/5089/93-DLI
2.	M/s. S.S. Industries and Enterprises Limited, Aarti Chambers, 2nd Floor, 189, Anna Salai, Madras-600006.	TN/26082	1-4-92 to 31-3-95	2/5090/93-DLI

#### SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct Clause (a) of Sub-section 3(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas as employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM,  
Central Provident Fund Commissioner

CANTONMENT BOARD, MORAR

Morar, the April 1993

S. R. O. 1/69/CA-MC.—The following bye-laws to amend the bye-laws for regulation of erection or re-erection of buildings in Morar Cantonment published with the Ministry of Defence notification SRO No. 103, dated the 18th February, 1958, was published with the Cantonment Board's notice No. 1/69/CA-MC dated the 1st May 1992, as required by section 284 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924) for inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till 30th May 1992;

And whereas no objections and suggestions was received from the public by the Cantonment Board, Morar within the stipulated period;

And whereas the Central Government have duly approved and confirmed the said bye-laws as required by sub-section (1) of section 284 of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sections 186 and 282 of the said Act, the Cantonment Board, Morar, with the previous sanction of the Central Government hereby make the following amendment to bye-laws for regulating the erection and re-erection of building in Morar Cantonment, published in the Gazette of India, Part II, Section 4, S.R.O. No. 103 dated the 18th February 1958 namely :—

1. (1) Short title and commencement :—These bye-laws may be called the Morar Cantonment (Erection or Re-erection of Buildings) Amendment Bye-Laws 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. (i) In bye-law 3, for the words and figures "a scale of 30 Centimetres to one Centimetre" the words and figures "one metre to one centimetre" shall be substituted.

(iii) In bye-law 7, for the words and figure "Ground floor 4 Metres", the words and figure, "Ground floor—3 Metres" shall be substituted.

(iii) After bye-law 18, the following bye-law shall be added, namely :—"19. For the new construction and where house number has been allotted by the Cantonment Board, the maximum covered area will not exceed 80% of the total area of the plot of land. The minimum area to be left open in front shall not be less than 2 metres in length and on one side of the constructed portion shall not be less than one metre in width."

(File No. 12/5. C/DE/91)

K. P. SHARMA,  
Cantonment Executive Officer  
Morar

#### UNIT TRUST OF INDIA

Bombay, the 26th May 1993

No. UT/DBDM/2454A/SPD 71B/92-93.—The Provisions of the Growing Monthly Income Unit Scheme with Bonus 1992 (II), [GMISB-92(II)] formulated under Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 approved by the Executive Committee in the Meeting held on 9th November 1992 are published herebelow.

#### PROVISIONS OF

#### GROWING MONTHLY INCOME UNIT SCHEME WITH BONUS 1992 (II) [GMISB-92 (II)]

In exercise of the powers conferred by Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963), the Board of the Unit Trust of India hereby makes the following Unit Scheme.

#### I. Short Title and Commencement

(1) This Scheme shall be called the Growing Monthly Income Unit Scheme with Bonus 1992 (II) [GMISB-92(II)].

(2) It shall come into force on the 16th day of December, 1992.

(3) Units will be on sale only for a period of 43 days from 16th December, 1992 to 28th January, 1993. Provided, that the Chairman or Executive Trustee may suspend or extend the sale of units under the scheme at any time after the commencement of the scheme by giving a 7 days' notice in leading newspapers or in such other manner as may be decided.

Conversion option to unitholders under Monthly Income Unit Scheme with Extra Bonus plus Growth-9 (MISG-9) and Growing Monthly Income Unit Scheme-87 (II) [GIUS 87 (II)].

To close ended schemes namely MISG-9 and GIUS-87(I) shall stand terminated on 31-12-1992. Unitholders under these two schemes shall be permitted to opt for conversion of their holdings into units of this scheme. The conversion will be effective from 1-1-1993 and the amount payable on maturity (excluding appreciation and balance amount, if any after conversion in multiples of 50 units) will be converted into units of this Scheme. The balance amount not in multiples of 50 units will be refunded to the unitholders along with the appreciation amount.

After conversion the unitholders will be treated on par with unitholders under this scheme and all provisions will apply accordingly.

#### II. Definitions :

In this Scheme, unless the context otherwise requiring

(a) The "Act" means the Unit Trust of India Act, 1963;

- (b) "acceptance date" with reference to an application made by an applicant to the Trust for sale or repurchase of units by the Trust means the day on which the Trust, after being satisfied that such application is in order, accepts the same;
- (c) "Applicant" means an applicant under the scheme and shall include the alternate applicant mentioned in the application from when units are sold for the benefit of a mentally handicapped person.
- (d) "Convertees" shall mean and include all those unit-holders under MISG-9 and GIUS-87(II) who have exercised the option to convert their holdings into units of this scheme.
- (e) "eligible institution" means an eligible trust as defined under the Unit Trust of India General Regulations 1964 and includes Private Trusts created by an instrument in writing and being irrevocable or a Charitable or Religious Trust or endowment or registered society which is administered, controlled or supervised by or under the provisions of a Central or State enactment which is for the time being in force, or a registered co-operative society.
- (f) "Mentally handicapped persons" means any individual who suffers from mental disability of such a nature which prevents him from carrying out normal activities of life and is so certified by any Registered Medical Practitioner.
- (g) "number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units sold and remaining outstanding.
- (h) "person" shall include an eligible institution as defined above.
- (i) "recognised stock exchange" means a stock exchange, which is, for the time being recognised under the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956).
- (j) "regulations" means Unit Trust of India General Regulations, 1964 made under Section 43 (1) of the Act.
- (k) "Society" means a society registered under the Society established under any State or Central law for the time being in force.
- (l) "unit" means one undivided share of the face value of Rupees ten in the unit capital.
- (m) "unitholder" used as an expression under the scheme shall mean and include the applicant.
- (n) "alternate applicant" in case of minor means parent other than the parent who has made the application on behalf of minor.
- (o) all other expressions not defined herein but defined in the Act shall have the respective meanings assigned to them by the Act.

### III. Face value of each Unit

The face value of each unit shall be ten rupees.

### IV. Application for units

(1) Applications for units may be made by residents only viz.

- (a) individuals either singly or with another individual on joint/either or survivor basis.
- (b) a parent, step-parent or other lawful guardian on behalf of a resident minor. An application cannot be made by an adult and minor jointly.
- (c) an eligible institution as defined under the Scheme including an irrevocable private Trust.
- (d) an individual for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person.
- (e) a society as defined under the scheme.
- (f) a registered co-operative society.

(g) other bodies corporate including bank & non profit making companies formed u/s. 25 of the Companies Act, 1956 but excluding other companies registered under Companies Act, 1956.

(h) Investors who have exercised the option to convert their holdings from MISG-9 and GIUS-87(II) into this scheme.

(i) Hindu Undivided Family.

(2) Application shall be made in such form as may be approved by the Chairman/Executive Trustee of the Trust.

(3) Application in respect of Monthly Income option shall be made for a minimum of 500 units and thereafter in multiples of 50. Likewise under the Cumulative option, application shall be made for a minimum of 200 units and in multiples of 50 thereafter.

(4) (i) The payment for the units applied for by an applicant shall be made by him alongwith the application in cash, cheque or draft. Cheques or draft should be drawn on branches of banks within the city where the office at which the application is tendered is situated.

Provided however that the applicant who wishes to apply for units from a place other than where the Trust has its office may do so by sending the application to the office of the Trust along with the bank draft for number of units applied for deducting therefrom charges payable for bank draft.

(ii) If the payment is made by cheque, the acceptance date will, subject to such cheque being realised, be the date on which the cheque is received by the Trust or by a designated branch of authorised bank or collection centre. If payment is made by draft, the acceptance date will, subject to such draft being realised, be the date of issue of such draft, provided, the application is received by the Trust or a designated branch of authorised bank or collection centre within such time as may be deemed reasonable by Trust. If the amount tendered by way of payment for the units applied for is not sufficient to cover the amount payable for the units applied for, the applicant shall be issued such lower number of units as could be issued under the scheme, the balance due to him shall be refunded at his cost in such manner as the Trust may deem fit.

(iii) A unit certificate will be sent by registered post recorded delivery with or without acknowledgement to the address given by the applicant. The Trust will not incur any liability for loss, damage, misdelivery or non-delivery of the unit certificate, so sent.

(iv) A unit certificate issued by the Trust to the eligible institution or body corporate shall be made out in the name of the eligible institution/body corporate.

### (5) Right of Trust to accept or reject application :

The Trust shall have the right at its sole discretion to accept and/or reject application for issue of units under the scheme. Any decision of the Trust about the eligibility or otherwise of a person to make an application under the scheme shall be final.

(6) Applicant bound to comply with requirements under the scheme before being issued units :

Persons applying for units under the scheme shall be bound to satisfy the Trust about their eligibility to make an application and comply with all requirements of the Trust. The compliance or otherwise to the satisfaction of the Trust of such requirements shall be at the sole discretion of the Trust. Person who holds units under a false declaration shall be liable to have the units certificate cancelled and the name deleted from the register of unitholders. The Trust shall have the right in such an event to repurchase the units at par and recover the Income Distribution wrongly paid from out of the repurchase proceeds and return the balance. The amount shall not carry any interest irrespective of the period it takes the Trust to effect the repurchase and to remit the repurchase proceeds to the applicant.

**V. Sale of Units**

The contract for sale of units by the Trust shall be deemed to have been concluded on the acceptance date. On such conclusion of the contract for sale, the Trust shall, as soon thereafter as possible, issue to the applicant unit certificate/s representing the units held by him.

**VI. Repurchase of units**

(1) The Trust shall not repurchase units before 1st February, 1996 and save and except as herein provided.

**(2) Monthly Income Option :**

The Trust shall during the currency of the Scheme and on or after 1st February, 1996 repurchase at par on receipt by it of the unit certificate/s with the form on the reverse thereof duly filled in provided all the units comprised in the certificate/s are tendered for repurchase. No partial repurchase of units represented by the unit certificate/s shall be permitted. The unitholder while making an application for repurchase shall be bound to surrender all the unpaid Income Distribution Warrants remaining outstanding upto and inclusive of the month of repurchase to the Trust. The Trust shall not on accepting the unit certificate for repurchase be bound to pay any Income Distribution on the units for the future months nor shall any interest be payable on the repurchase proceeds. The certificate and the unpaid Income Distribution Warrants if any, received shall be retained by the Trust for cancellation.

(3) Notwithstanding anything contained in the foregoing sub-clauses the Trust shall be at liberty while repurchasing the units, in the event of failure of the unitholder to surrender the Income Distribution Warrants which are then outstanding to deduct from the repurchase price such amount representing the amount of the Income Distribution Warrant payable in future as have not been surrendered and pay the balance to the unitholder. On the acceptance of the unit certificate/s by the Trust, the unitholders' right to receive future Income Distribution including the Income Distribution for the month of acceptance will cease and the Trust shall have a claim on the amount/s represented by such outstanding Income Distribution.

(4) A unitholder to be entitled to a full year's Income Distribution paid out on a monthly basis should have held the units for a full year. A unitholder who holds units for a part of the year shall be entitled to receive proportionate Income Distribution for the period of holding which shall always be full English Calendar months of holding, part of a month of whatever length being always ignored.

(5) In the event of the death of the unitholder and on surrender to the Trust by the legal representative or nominee of the relative unit certificate and the unpaid Income Distribution Warrants outstanding to the deceased unitholder, the Trust shall on compliance with the formalities in connection with the recognition of claim, repurchase the units at par and pay the outstanding proportionate monthly income distribution upto the date of the settlement of the claim and such payment shall be made for periods of whole months.

(6) Payment for units repurchased by the Trust after the deductions, if any, shall be made as early as possible after the acceptance date in such manner as the applicant may indicate in the application. No interest shall, on any account, be payable on the amount due to the applicant and the cost of remittance (including postage) or of realisation of cheque or draft sent by the Trust shall be borne by the applicant.

**(7) Cumulative Option :**

The Trust shall in case of cumulative option repurchase the units comprised in the unit certificate at the prevailing repurchase price declared on regular basis. The unitholder must ensure that the form on the reverse is duly filled in and all unit/s comprised in the certificate must be tendered for repurchase. Partial repurchases will be permitted.

**VII. Restrictions on repurchase of units**

Notwithstanding anything contained in any provision of the scheme, the Trust shall not be under an obligation to repurchase units :

- (i) on such days as are not working days; and

- (ii) during the period when the register of unit holders is closed in connection with (as notified by the Trust) the annual closing of the books and accounts.

**Explanation**

For the purpose of this Scheme the term "working day" shall mean a day which has not been either (i) notified under the Negotiable Instruments Act, 1881, to be a public holiday in the State of Maharashtra or such other States where the Trust has its offices; or (ii) notified by the Trust in the Gazette of India as a day on which the office of the Trust will be closed.

**VIII. Sale and Repurchase prices**

(1) The sale price of units during the period when units are sold shall be at par.

Under the Monthly Income option, repurchases after the lock-in period will be at par.

The repurchase price after the lock-in period for the cumulation option shall be arrived at by dividing the value as at the close of business on the working day immediately preceding the day on which the repurchase price is determined, of the assets therein, reduced by liabilities not being contingent liabilities or liabilities in respect of the initial capital and the unit capital including reserves if any as at the close of business on the said working day, by the number of units deemed to be in issue as at the close of business on the said day, deducting therefrom such sum as in the opinion of the Trust is adequate to cover brokerage, commission, taxes, if any, stamp duties and other charges in relation to the realisation of investments by the Trust and adjusting downwards the resulting price by not more than 5 paise per unit.

(2) In the event of a termination of the Scheme in the manner as specified in clause XXV hereof the Trust shall determine the repurchase price by value the assets pertaining to the scheme as at the close of business on the date notified for termination reduced by the liabilities pertaining to the scheme and dividing them by the number of units outstanding and deducting therefrom such sum as in the opinion of the Trust is adequate to cover brokerage commission taxes, if any, stamp duties and other charges in relation to realisation of investments by the Trust and other adjustments and the expenditure in connection with the closure and payment of the distribution to the unitholders of the assets in respect of the scheme. In such an event the repurchase price shall in addition to the par value bear the other distributable component of the asset per unit arrived at by the Trust in a manner satisfactory to its auditors and as the Board may approve.

Provided that notwithstanding anything contained in these provisions the repurchase price may also be arrived at by dividing the value of the assets allocated to the Scheme with reference to the period of allocation in such manner as the Board may determine reduced by the liabilities pertaining to the Scheme with reference to the similar period by the number of units at the close of business on the said day. In so determining the repurchase price regard shall be had to the interest of the Trust and the unitholders.

**IX. Publication of final repurchase price**

Upon termination of the scheme in the manner provided in clause XXV hereof, the Trust shall as early as possible after determining the final repurchase price publish it in such manner as it may deem fit.

**X. Valuation of assets pertaining to this Scheme**

(1) For the purposes of valuation of the assets under sub-clause (2) of Clause VIII the assets shall be classified into :  
(a) cash (b) investments and (c) other assets.

(2) Investments shall be valued by taking;

- A. (a) the closing prices on the stock exchange as on the working day on which the valuation is made of the securities held by the Trust pertaining to this schemes provided where security is quoted on more than one stock exchange, the manner of determining the price of such security shall be decided by the Trust.

- (b) where any investment was not, during the relevant period, dealt in, or quoted on any recognised stock Exchange, such value as the Trust may in the circumstances consider to be the fair value of such investments; and

**B. Adding thereto—**

- (a) in the case of interest earning deposits, interest accrued but not received;
- (b) in the case of Government Securities and debentures, interest accrued but not received, and
- (c) in the case of preference shares, and equity shares quoted ex-dividend and dividend declared but not received.
- (3) Other assets shall be valued at their book value.

**XI. Form of unit certificate**

Unit certificates shall be in the Form A annexed hereto. Each unit certificate shall bear a distinctive number, the number of units represented by the certificate and the name of the unitholder.

**XII. Manner of preparation of unit certificate**

The unit certificates may be engraved or lithographed or printed as the Board of Trustees may, from time to time, determine and shall be signed on behalf of the Trust by two persons duly authorised by the Trust. Every such signature may either be autographic or may be effected by a mechanical method. No unit certificate shall be valid unless and until it is so signed. Unit certificates so signed shall be valid and binding notwithstanding that, before the issue thereof, any person whose signature appears therein, may have ceased to be a person authorised to sign unit certificates on behalf of the Trust. Provided that should the unit certificate so prepared contain the signature of an authorised person who however is dead at the time of issue of the certificate, the Trust may by a method considered by it as most suitable, cancel the signature of such a person appearing on the certificate and have the signature of any other authorised person affixed to it. The unit certificate so issued shall also be valid.

**XIII. Trusts not to be recognized regarding unit certificates**

(1) The person who is registered as the holder and in whose name a unit certificate has been issued shall be the only person to be recognized by the Trust as the unitholder and as having any right, title or interest in or to such unit certificate and the units which it represents; and the Trust may recognize such unitholder as absolute owner thereof and shall not be bound by any notice to the contrary or to take any notice of the execution of any Trust or, save as herein expressly provided or as by some court of competent jurisdiction ordered, to recognise any Trust or equity or other interest affecting the title to any unit certificate or the units thereby represented.

(2) When an application is made by an individual for the benefit of another individual who is mentally handicapped and accepted by the Trust, the Trust shall not be deemed to be taking notice of any trust. The Trust shall deal, for all purposes, under the Scheme with the applicant or the person mentioned as alternate applicant in the application form in the event of the applicant's death. Subject to the provisions of this scheme, every unit holder shall be entitled to exchange any or all of his unit certificates for one or more unit certificates of such denominations as he may require, representing the same aggregate No. of units. While applying for such exchange the unitholder shall surrender to the Trust the unit certificate or certificates to be exchanged and shall pay to the Trust money (if any payable thereunder) in respect of the issue of the new unit certificate or certificates.

**XIV. Exchange of unit certificate and procedure when certificate is mutilated, defaced, lost etc.**

(1) Subject to the provisions of this Scheme, in case any unit certificate shall be mutilated or worn out or defaced, the Trust in its discretion, may issue to the person entitled a new unit certificate representing the same aggregate num-

ber of units as the mutilated or worn out or defaced unit certificate. In case any unit certificate should be lost, stolen or destroyed, the Trust may, in its discretion, issue to the person entitled a new unit certificate in lieu thereof. No such new unit certificate shall be issued unless the applicant shall previously have:

- (i) furnished to the Trust evidence satisfactory to it of the mutilation, wearing out, defacement, loss, theft or destruction of the original unit certificate;
- (ii) paid all expenses in connection with the investigation of the facts;
- (iii) (in case of mutilation or wearing out or defacement) produced and surrendered to the Trust the mutilated or worn out or defaced unit certificates; and
- (iv) furnished to the Trust such indemnity as it may require.

(2) The Trust shall not incur any liability for issuing such certificate in good faith under the provisions of this clause.

**XV. Register of unitholders**

The following provisions shall have effect with regard to the registration of unitholders—

(1) A register of the unitholders shall be kept by the Trust and there shall be entered in the register:

- (a) the names and addresses of the unitholders;
- (b) the distinctive number of the unit certificate and the number of units held by every such person; and
- (c) the date on which such person became the holder of the units standing in his name.

(2) Any change of name or address on the part of any unitholder shall be notified to the Trust, which, on being satisfied of such change and on compliance with such formalities as it may require, shall alter the register accordingly. Any change pursuant to the death of an applicant who has applied for units for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person shall be entered in the register accordingly.

(3) Except when the registers are closed in accordance with the provisions in that behalf hereinafter contained, the register shall during business hours (subject to such reasonable restrictions as the Trust may impose but so that not less than two hours on each business day shall be allowed for inspection) be open to inspection by any unitholder without charge.

(4) The register will be closed at such times and for such periods as the Trust may from time to time determine provided that it shall not be closed for more than 30 days in any one year. The Trust shall give notice of such closure by advertisement in such newspapers as the Board may direct.

(5) No notice of any trust express, implied or constructive shall be entered on the register in respect of any unit.

**XVI. Application by and registration of eligible institutions, minors, an applicant for the benefit of a mentally handicapped person**

(1) Eligible institutions, body corporate, and societies (including co-operative societies) may be registered as unitholders.

(2) An adult, being a parent, step-parent or other lawful guardian of a minor hold units and deal with them in accordance with and to the extent provided, in sub-section (2A) of Section 21 of the Act. Such adult if so required shall furnish to the Trust, in such manner as may be specified, proof of the age of the minor and the capacity to hold and deal with units on behalf of the minors. The Trust shall be entitled to act on the statements made of such adult in the application form without any further proof.

(3) Where an application is made by an individual for the benefit of another individual who is mentally handicapped person, the Trust shall act on the statements and the certificates furnished and in doing so the Trust shall be deemed to be acting in good faith. The Trust shall be entitled to deal only with the applicant and in the event of his death, the alternate applicant for all practical purposes and any payment in respect of the units by the Trust to the said applicant or the alternate applicant shall be good discharge to the Trust.

(4) Eligible institutions, body corporate or societies shall whenever required submit to the Trust all the relevant documents showing the applicants' competence to invest in units, such as Memorandum and articles, Bye-laws etc. certified authorising the office bearer copy of the resolution of the managing body and a copy of the requisite power of attorney.

#### **XVII. Receipt by unitholder to discharge Trust :**

The receipt of the unitholder for any money paid to him in respect of the units represented by the certificates shall be a good discharge to the Trust.

#### **XVIII. Nomination by unitholders :**

(1) Unitholders holding units singly or two unitholders holding jointly may exercise the right to make or cancel a nomination to the extent provided in the regulations.

(2) Unitholders being either parent or lawful guardian on behalf of a minor and an eligible institution, societies, bodies corporate, and an applicant who has applied for units for the benefit of a mentally handicapped person shall have no right to make any nomination.

#### **XIX. Transfer of Units :**

(1) No transfer of units issued under this Scheme under Monthly Income option shall be permissible. Transfer of units shall be permissible where the units are issued under Cumulative option by completion of such formalities as may be decided by the Trust. However, a unitholder may pledge all the units covered in a certificate with a bank for availing of loan but pledge cannot be made of the income in respect thereof and the Trust shall record upon pledge being made a lien in its records. The bank holding the pledge upon enforcing it would be registered as a transferee unitholder.

(2) Every unitholder holding units under cumulative option herein after referred shall be entitled to transfer the units or any of the units held by him by an instrument in writing in a form approved by the Chairman of the Trust provided that no transfer shall be registered if the registration hereof would result in the transferor or the transferee being a holder of a No. of units not being a multiple of fifty.

(3) Every instrument of transfer shall be signed by the transferor and the transferee and the transferor shall be deemed to remain the holder of the units transferred until the name of the transferee is entered in the register in respect thereof.

(4) Every instrument of transfer shall be duly stamped (if under the law it requires to be stamped) and left with the Trust for registration alongwith the relevant unit certificate or certificates and such other evidence as the Trust may require in support of the title of the transfer or his right to transfer the units. For purposes of calculation of the value of stamps to be affixed, the face value of each unit shall be Rs. 10/- i.e. at par or repurchase price whichever is higher.

(5) Every instrument of transfer shall be lodged with Trust for registration at least a month before the period of closure of books alongwith the relevant certificate. If the transfer is registered in the books of the Trust after the period of book closure as the case may be the dividend accruing for the period prior to the transfer will be paid to the transferor.

(6) As an effect of a transfer the nature of the units shall remain unaltered i.e. a transferee cannot seek conversion from the Cumulative option to the Monthly Income option.

#### **XX. Death or bankruptcy of a unitholder :**

(1) In the event of death of a unitholder, the nominee/s shall be person/s recognised by the Trust as the person/s entitled to the amount payable by the Trust in respect of units under the regulations.

(2) In the absence of a valid nomination by a unitholder the executor or administrators of the deceased unitholder or a holder of succession certificate issued under Part X of the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) shall be the only persons who may be recognised by the Trust as having any title to the unit.

(3) Any person becoming entitled to the units consequent upon the death or bankruptcy of a unitholder of a monthly income option may, upon producing such evidence as to his title as the Trust shall consider sufficient, be paid the repurchase value of all units to the credit of the deceased at par after all the formalities in connection with the claim have been complied with by the claimant.

(4) In the event the sole nominee under the unit certificate is a person eligible to hold units then at the desire of the said nominee, the nominee may instead of receiving the repurchase value of all units to the credit of the deceased shall be permitted to hold the units as a unitholder and continue to remain registered as a unitholder and shall be issued a unit certificate in his name in respect of units so desired to be held subject to the conditions regarding minimum holdings.

(5) In the event of the death of the applicant who has applied for units for the benefit of a mentally handicapped person, the Trust shall deal with the alternate applicant as if he were the applicant. Further, in the event of the death of the applicant or the alternate applicant, as the case may be, the existing applicant shall appoint another individual as his alternate applicant.

In the event of death of a unitholder participating under the cumulative option during the lock-in period the Trust shall settle the claim and pay the legal heir/nominee the repurchase value which will be equal to a sum of face value of units and dividend paid under the Monthly income option till date of settlement.

#### **XXI. Investment Limits :**

(1) Investments by the Trust from the funds of the Scheme in the securities of any company shall not exceed 15% of the securities issued and outstanding of such companies. Provided that the aggregate of such investments in the capital initially issued by new industrial undertakings shall not at any time exceed 5% of the total amount of the said funds.

(2) The limits prescribed under sub-clause (1) shall not apply to investments of the Trust in bonds and debentures and deposits of a company whether secured or not.

#### **XXII. Income Distribution :**

The unitholder shall have the right to exercise an option to participate for the Monthly Income option or the Cumulative option. This shall be done at the time of investment in the scheme and the option once exercised will be final.

##### **A. Monthly Income Option :**

(1) The Income Distribution under the scheme shall be at the following rates :—

14% for the first two years

14.5% for the next three years with a minimum capital appreciation of 2% on maturity. The income distribution amount shall be made payable on a monthly basis subject to revision by the Trust based upon the income of the scheme and other relevant factors.

(2) The Income Distribution for each month shall be made payable at the beginning of the following month and will be paid by the Trust under such pre-payment arrangements by means of Income Distribution Warrants or any instrument encashable at par at the branches of such bank as the Trust may specify. Such of those units as have been sold under an application accepted by the Trust on or before the 15th day of a month shall be eligible for income distribution.

bution for the whole month and units sold after the 15th day of the month shall be eligible for income distribution for that half month.

In case an applicant opts for the Cumulative option, one consolidated warrant will be paid for the period upto January 31st, 1993.

The entitlement of dividend will depend upon the date of joining as follows :

16-12-1992 to 31-12-1992—Half month's dividend.

1-1-1993 to 15-1-1993—Full month dividend.

16-1-1993 to 28-1-1993—Half month's dividend.

(3) Provided that the Income Distribution for the period ending on June 30th, 1993 will be sent by one income distribution warrant and shall be forwarded to the unitholder alongwith the 55 post dated Income Distribution Warrants for the months upto January 31, 1998. The Trust however reserves the right to forward post dated Income Distribution Warrants for such periods as the Trust may determine.

(4) Subject to the provisions of sub-clause (3), the warrants for payment of income distribution on a monthly basis will be sent to the unitholder altogether and the warrants will be so dated that the unitholder shall encash each one of the warrants on becoming mature for payment. Every warrant shall have validity for three months. The Trust shall not be bound to pay interest in the event of any of the warrants not reaching the unitholders before the expiry of the validity period or in the event of their becoming stale.

(5) In the event of a repurchase which shall be in full, the unitholder upon non-surrender of unpaid warrants shall be entitled to encash these warrants which are for the subsequent months and remaining in the custody of the unitholders on the dates of maturity and the amount represented by such Income Distribution Warrants shall be deducted from the repurchase proceeds.

(6) In the event of the death of the unitholder if the sole nominee is eligible to hold units and desires to continue to hold the units, then the sole nominee shall be bound to return all the unencashed warrants for the future months for necessary rectification. However, such a nominee desiring to continue to hold the units shall not be entitled to any interest or any compensation during the period it takes the Trust to rectify the warrants already issued in favour of the deceased unitholder to those in favour of the newly admitted unitholders.

(7) In the event of the death of an applicant where the application is made by an individual for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person, the alternate applicant shall be bound to return all the unencashed Income Distribution Warrants for future months for necessary rectification. However, such alternate applicant shall not be entitled to any interest or/any compensation during the period it takes the Trust to rectify the warrants already issued in favour of the deceased applicant to those in favour of the newly admitted applicant.

(8) Notwithstanding anything contained in the foregoing sub-clause, the Trust reserves its right to make the Income Distribution on a quarterly, half yearly or annual basis as the case may be, should the reasons of expediency cost, interest of unitholders and other circumstances make it necessary for the Trust to do so. In such an event the Trust shall notify the unitholders by a publication in two leading English language daily newspapers. No unitholder shall have a right to claim Income Distribution on monthly basis after the Trust makes a notification as above.

#### B. Cumulative Option

A unitholder exercising his right to participate under this option will at the end of the 5 year period have the units standing to his credit repurchase at a repurchase price of Rs. 20.50/- per unit.

#### Declaration of Bonus Dividend

There will be a Bonus Dividend on the original investment, under both the options, declared at the end of third year (payable on maturity) for all those unitholders who shall continue in the scheme till its termination as given in clause XXV hereto.

9—159GI/93

#### Capital Appreciation on Maturity

Whatever Capital Appreciation is accumulated till the maturity of the scheme will be distributed to the unitholders at the time of closure of the scheme.

#### XXIII. Publication of Accounts

The Trust shall as soon as may be after the 30th June of each year cause to be published in such manner as the Board may decide, accounts in the manner specified by the Board showing the working of the scheme during the period ending as of that date. The Trust shall, on a request in writing received from a unitholder, furnish him a copy of the accounts so published.

#### XXIV. Additions and Amendments to the Scheme

The Board may from time to time add to or otherwise amend this scheme and any amendment/addition thereof will be notified in the Official Gazette.

#### XXV. Termination of the Scheme

The Scheme shall stand finally terminated on 1st February, 1998. All unitholders who have participated in the Scheme for its entire period shall be paid the value of the units at the final repurchase price fixed for the purpose. The Trust shall endeavour to pay the repurchase price proceeds to the unitholders within 3 weeks from the receipt of duly discharged certificates at the Office of issue/the Registrar. Besides receiving the final repurchase price determined no further benefit of any kind either by way of increase in the repurchase value or by way of dividend for any subsequent period shall accrue. The unit certificate received for repurchase shall be retained for cancellation.

#### XXVI. Scheme to be binding on Unitholders

The terms of the scheme including any amendments, changes thereto from time to time should be binding on each unitholder and every other person claiming through him as if he had expressly agreed that they should be so binding notwithstanding anything contained in the provisions of the scheme.

#### XXVII. Benefits to the unitholders

All benefits accruing under the scheme in respect of capital and reserves and surpluses, if any, at the time of the closure of the scheme shall be available only to the unitholders who hold the units for the full term of the scheme till its closure.

#### XXVIII. Copy of Scheme to be made available

A copy of this scheme incorporating all amendments thereto shall be made available for inspection at the offices of the Trust at all times during its business hours and may be supplied by the Trust to any person on application and payment of Rupees five.

#### XXIX. Power to construe provisions

Should any doubt arise as to the interpretation of any of the provisions, Chairman or in his absence the Executive Trustee shall have powers to construe the provisions of the scheme, in so far such construction is not in any manner prejudicial or contrary to the basic structure of the scheme and such decision shall be conclusive.

#### XXX. Relaxation/variation/modification of provisions

The Chairman or in his absence the Executive Trustee of the Trust may in order to mitigate hardship or for smooth and easy operation of the scheme, relax, vary or modify any of the provisions of the scheme in case of any unitholder or class of unitholders upon such terms as may be deemed expedient.

## EMBLEM

## UNIT TRUST OF INDIA

(Incorporated under the Unit Trust of India Act, 1963)  
GROWING MONTHLY INCOME UNIT SCHEME WITH  
BONUS 1992 (II) GMISB-92(II)

(Monthly Income and Cumulative)

## (CLAUSE XI)

## UNIT CERTIFICATE NO.

## NO. OF UNITS

This is to certify that the person/s name in this Certificate is the Registered Holder of

Units, each of the face value of Rupees ten, subject to the provisions of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963), the Regulations framed thereunder and the Growing Monthly Income Unit Scheme WITH BONUS 1992 (II) (GMISB 92 (II)).

Name :

FOR THE UNIT TRUST OF INDIA

Date : CHAIRMAN TRUSTEE  
TRANSFERABLE

FORM OF APPLICATION FOR REPURCHASE OF  
UNITS UNDER GROWING MONTHLY INCOME UNIT  
SCHEME WITH BONUS 1992(II) GMISB-92(II)

Date :

To,

Unit Trust of India,

I/We \_\_\_\_\_ am/are the registered holder(s) of \_\_\_\_\_ units of the Growing Monthly Income Unit Scheme, WITH BONUS 1992 (II) (GMISB92(II)) of Unit Trust of India. I/We \_\_\_\_\_ am/are desirous of selling to the Trust \*all the said units and offer the same for repurchase by the Unit Trust of India at par/at the repurchase price prevailing determined by the Trust in respect of this application.

The price of the units may be paid to me/us by\*\* cash/cheque/bank draft at my own cost.

Signature of witness

Signature/s of holder(s)

1. \_\_\_\_\_

2. \_\_\_\_\_

Signature of witness

Name : \_\_\_\_\_

Occupation : \_\_\_\_\_

Address : \_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

For the use of Office

Acceptance date

\* In case of cumulative option partial repurchases are permitted.

\*\* Delete words inapplicable.

Payment in cash permissible only if the amount does not exceed Rs. 10,000/-.

No. UT/DBDM/2454A/SPD 62/92-93.—The Provisions of the Institutional Investors' Special Fund Unit Scheme formulated under Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 approved by the Executive Committee in the Meeting held on 22nd December 92 and amended in the Executive Committee Meeting held on 7th January 93 are published herebelow.

## UNIT TRUST OF INDIA

## PROVISIONS OF THE INSTITUTIONAL INVESTORS

## SPECIAL FUND UNIT SCHEME

In exercise of the powers conferred by Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963), the Board of Trustees of the Unit Trust of India hereby makes the following Scheme :

## I. Short title and commencement :

(i) This Scheme shall be called the Institutional Investors' Special Fund Unit Scheme (IISFUS).

(ii) It shall come into force on 1st day of March 1993.

## II. Definition :

In this Scheme, unless the context otherwise requires :—

- (1) "acceptance date" with reference to an application made by an applicant to the Unit Trust for sale or repurchase of units by the Unit Trust means the day on which the Unit Trust after being satisfied that such application is in order, accepts the same;
- (2) the "Act" means the Unit Trust of India Act, 1963;
- (3) "Number of units in issue" means the number of units sold and outstanding;
- (4) "Regulations" means the Unit Trust of India General Regulations, 1964 made under Section 43(1) of the Act;
- (5) "Unit" means one undivided share of the face value of Rupees Ten in the unit capital pertaining to this Scheme;
- (6) "Unit Trust" means the Unit Trust of India established under Section 3 of the Act.
- (7) all other expressions not defined herein but defined in the Act shall have the respective meanings assigned to them by the Act.

## III. Face value of each unit :

The face value of each unit shall be ten rupees.

## IV. Application for units :

(1) Applications for units under this Scheme may be made by such applicant or categories of applicants as may be approved by the Chairman.

(2) Every application for purchase of units shall be for a minimum of 10 lakh units i.e. Rs. 1 crore and thereafter in multiples of 1 lakh units with no maximum limit.

(3) Applications shall be made in such form as may be approved by the Chairman/Executive Trustee of the Unit Trust.

(4) (i) All payments for units applied for shall be made by the applicant alongwith the application by way of cash, cheque, draft mail transfer or credit transfer inclusive of the cost of realising the cheque, draft, etc., as the case may be. Cheques and drafts should be drawn only on branches of banks within the city where the UTI Branch Office at which the application is tendered is situated.

(ii) If the amount tendered by way of payment for the units applied for is not sufficient to cover the amount payable for and other charges payable, the applicant shall be issued the number of units, being a multiple of 1 lakh units (subject to a minimum of 10 lakh units) nearest to the number applied for

and the balance, if any, due to the applicant shall be refunded to the applicant at the applicant's cost in such manner as the Unit Trust may deem fit. Also, if any application received is incomplete in any respect or is not tendered in accordance with the provisions of the scheme, the same will be rejected and amount refunded without any interest.

#### V. Sale of Units :

The contract for sale of units by the Unit Trust shall be deemed to have been concluded on the acceptance date. The Unit Trust shall thereafter issue to the applicant one Unit Certificate representing the units sold. The scheme may be kept open throughout the year except in the month of June.

#### \*[V(A) Transfer of Investments from other schemes :

Unitholders under such close/open ended schemes, as may be decided by the Trust, from time to time, shall be permitted to convert their holdings into units of this scheme. The unitholder will be required to hold the units for a minimum period of 3 years in the said scheme to be eligible for conversion.]

[The conversion will be for a minimum of 1 lakh units and in multiples of 1 lakh units thereafter. The balance amount not in multiples of 1 lakh units will be refunded to the unitholders.]

#### VI. Repurchase of units :

- (1) (i) There will be no repurchase of units during one year period from the date of joining. There will be partial repurchase facility after one year when 25% of the face value of units may be repurchased at par on receipt of one month's notice from a unitholder. Provided that repurchase so made should not result in the unitholder holding units other than in multiples of 1 lakh units. Full NAV based repurchase will be allowed at the end of three years.

- (ii) The unitholder shall be under no obligation to offer its units for repurchase as provided in sub-clause 1(i) above and it will be free to hold them as long as it desires during the currency of the Scheme.

(2) Subject to the provisions of sub-clauses (1) hereof, the Unit Trust shall, on request by the unitholder for repurchase, repurchase specified part of the units comprised in the Unit Certificate issued to them, being always a multiple of 1 lakh units, the Unit Certificate so received shall be retained by the Unit Trust for cancellation. The Unit Trust shall, in the case of repurchase of units comprised in the Unit Certificate, issue a new Unit Certificate for the balance of units in multiple of 1 lakh units held by the unitholder.

(3) The contract for repurchase shall be deemed to have been concluded on the acceptance date.

(4) Payments for units repurchased by the Unit Trust shall be made as early as possible after the acceptance date in such manner as the applicant may indicate in the applications. No interest shall, on any account, be payable on the amount due to the applicant, and the of remittance (including postage) or of realisation of cheque or draft sent by the Unit Trust shall be borne by the applicant.

#### VII. Investment Objectives :

(a) The funds mobilised under the scheme will be invested upto 40% in equities and remaining in fixed income securities and money market instruments.

\*Inserted on 7-1-1993.

(b) It shall be the discretion of the Trust to decide about the composition of portfolio subject to restriction on investment and making income distribution having regard to the interest of the investors.

#### VIII. Restrictions on sale and repurchase of units :

Notwithstanding anything contained in any provision of this Scheme, the Unit Trust shall not be under an obligation to sell or repurchase units—

- (i) on such days as are not working days; and
- (ii) during the period when the register of unitholders is closed in connection with (as notified by the Unit Trust) the half yearly/annual closing of the books and accounts.

*Explanation :* For the purposes of this Scheme, the term "working day" shall mean a day which has not been either (i) notified under the Negotiable Instruments Act, 1981, to be a public holiday in the State of Maharashtra or such other States where the Unit Trust has its Offices; or (ii) notified by the Unit Trust in the Gazette of India as a day on which the office of the Unit Trust will be closed.

#### IX. Sale or repurchase to be as on the acceptance date :

Every sale or repurchase of units by the Unit Trust shall be as on the acceptance date at the respective prices prevailing on that day.

#### X. Sale and repurchase prices :

(1) The price at which a unit will be sold by the Unit Trust (hereinafter referred to as "the sale price"), and the price at which a unit will be repurchased by the Unit Trust (hereinafter referred to as the "repurchase price") shall be determined by the Unit Trust at such period or intervals as the Trust may consider appropriate shall apply to sales and repurchases during that period.

(2) The units under this Fund will be sold at Rs. 10/- per unit in the first month of introducing the Fund. Subsequently the sale price of units will be based on the NAV.

(3) The sale price shall be arrived at by dividing the value (determined as hereinafter indicated) as at the close of business on the working day on which the sale price is determined, of the assets pertaining to this Scheme, reduced by liabilities pertaining to this Scheme, not being contingent liabilities or liabilities in respect of the unit capital including reserves, if any, as at the close of business on the said working day, by the number of units in issue as at the close of business on the said day, adding thereto such sum as in the opinion of the Trust is adequate to cover brokerage, commission, taxes, if any, stamp duties, other charges in relation to the acquisition of investments by the Unit Trust and management expenses and adjusting upwards the resulting price by not more than ten paise per unit.

(4) The repurchase price shall be arrived at by dividing the value (determined as hereinafter indicated) as at the close of business on the working day on which the repurchase price is determined, of the assets pertaining to this Scheme, reduced by liabilities pertaining to this Scheme, not being contingent or liabilities in respect of the unit capital including reserves, if any, as at the close of business on the said working day, by the number of units in issue as at the close of business on the said day, deducting therefrom such sum as in the opinion of the Unit Trust is adequate to cover brokerage, commission, taxes, if any, stamp duties and other charges in relation to the realisation of investments by the Unit Trust and adjusting downwards the resulting price by not more than ten paise per unit.

(5) The sale price or the repurchase price of a unit shall be arrived at on the basis of the material available with the Unit Trust on the day on which the sale price, or the repurchase price, as the case may be, is arrived at.

(6) Notwithstanding anything contained to the contrary in sub-clauses (1), (2), (3), (4) & (5) when the Unit Trust is satisfied that in the interest of the Unit Trust, the unitholders and of the continuance and growth of the Scheme, it is necessary or expedient to do so, the Unit Trust may determine the sale price or repurchase price or both at a rate which may not necessarily be in accordance with the provisions of sub-clause (2) or sub-clause (3), as the case may be, and any such determination shall be deemed to be in the interest of the Unit Trust and the unitholders.

(7) Notwithstanding anything contained to the contrary in sub-clauses (1) to (4), if it is in the interest of the Unit Trust to do so, the Unit Trust may determine the sale and repurchase prices on any date/period other than that mentioned herein above and may deem any price fixed by it effective for such period or periods as it deems fit.

#### XI. Publication of sale price and repurchase price :

The Unit Trust shall, as early as possible after the determination of the sale and repurchase prices, publish in such manner as it may deem fit, the sale price and the repurchase price of units.

#### XII. Valuation of assets pertaining to this Scheme :

(1) For the purposes of valuation of the assets under sub-clauses (2) and (3) of Clause X, the assets shall be classified into: (a) cash (b) investments and (c) other assets.

(2) Investments shall be valued by taking :

A. (a) the closing prices on the stock exchange as on the working day on which the valuation is made, of the securities held by the Unit Trust pertaining to this Schemes :

Provided where security is quoted on more than one stock exchange, the manner of determining the price of such security shall be decided by the Trust.

(b) where any investment was not, during the relevant period, dealt in, or quoted on any recognised stock Exchange, such value as the Unit Trust may in the circumstances, consider to be the fair value of such investments; and

#### B. Adding thereto—

(a) in the case of interest earning deposits, interest accrued but not received;

(b) in the case of Government Securities and debentures, interest accrued but not received; and

(c) in the case of preference shares and equity shares quoted ex-dividend, any dividend declared but not received.

(3) Cash and other assets shall be valued at their book value.

#### XIII. Form of unit certificate :

Unit certificates shall be in the Form A annexed hereto. Each unit certificate shall bear a distinctive number, the number of units represented by the certificate and the name of unitholder.

#### XIV. Manner of preparation of unit certificate :

The unit certificates may be engraved or lithographed or printed as the Board may, from time to time, determine and shall be signed on behalf of the Unit Trust by two persons duly authorised by the Unit Trust. Every such signature may either be autographic or may be effected by a mechanical method. No unit certificate shall be valid unless and until it is so signed. Unit certificates so signed shall be valid and binding notwithstanding that, before the issue thereof, any person whose signature appears thereon may have ceased to be a person authorised to sign unit certificates on behalf of the Unit Trust.

Provided that should the unit certificate so prepared contain the signature of an authorised person who however is dead at the time of issue of the certificate, the Unit Trust may by a method considered by it as most suitable, cancel the signature of such a person appearing on the certificate and have the signature of any other authorised person affixed to it. The unit certificate so issued shall also be valid.

#### XV. Procedure when the Unit Certificate is mutilated, defaced, lost etc. :

(1) In case any Unit Certificate shall be mutilated or worn out or defaced, the Unit Trust in its discretion, may issue to the person entitled a new Unit Certificate representing the

same number of units as the mutilated or worn out or defaced Unit Certificate. In case any Unit Certificate should be lost, stolen or destroyed, the Unit Trust may, in its discretion, issue to the person entitled a new Unit Certificate in lieu thereof. No such new Unit Certificate shall be issued unless the applicant shall previously have

(i) furnished to the Unit Trust evidence satisfactory to it of the mutilation, wearing out, defacement, loss, theft or destruction of the original Unit Certificate;

(ii) paid all expenses in connection with the investigation of the facts;

(iii) (in case of mutilation or wearing out or defacement) produced and surrendered to the Unit Trust the mutilated or worn out or defaced Unit Certificate; and

(iv) furnished to the Unit Trust such indemnity as it may require.

The Trust shall not incur any liability for issuing such Unit Certificate in good faith under the provisions of this clause.

(2) Before issuing any Unit Certificate under the provisions of this clause, the Unit Trust may require the applicant for the Unit Certificate to pay a fee of Rupee five per Unit Certificate issued by it together with a sum sufficient in the opinion of the Trust to cover any charges or taxes including postal registration charges that may be payable in connection with the issue and despatch of such Unit Certificate.

#### XVI. Register of unit holders :

The following provisions shall have effect with regard to the registration of unit holders :—

(1) A register of the unitholders shall be kept by the Unit Trust at its Head Office and there shall be entered in the register :

(a) the names and addresses of the unit holders :

(b) the number of units held by every such unit holders; and

(c) the date on which it became the holder of the units standing in its name.

(2) Any change of name or address on the part of any unit holder shall be notified to the Trust, which on being satisfied of such change and on compliance with such formalities as it may require, shall alter the register accordingly.

(3) Except when the register is closed in accordance with the provisions in that behalf hereinafter contained, the register shall during business hours (subject to such reasonable restrictions as the Unit Trust may impose but so that not less than two hours on each business day shall be allowed for inspection) be open to inspection by any authorised representative of the unitholder, without charges.

(4) The register will be closed at such times and for such periods as the Unit Trust may from time to time determine provided that it shall not be closed for more than 60 days in any one year; and the Unit Trust shall give notice of such closure by advertisement in such newspaper as the Board may direct.

(5) No notice of any trust express, implied or constructive, and no lien shall be entered on the register in respect of any unit relating to any person other than the unitholder.

#### XVII. Receipt by unit holder to discharge Unit Trust :

The receipt of the unit holder for any moneys paid to it in respect of the units represented by the Unit Certificate shall be a good discharge to the Unit Trust.

**XVIII. Transfer/pledge of Units :**

No transfer of units issued under this Scheme shall be permissible. There will be no pledgeability of these units either.

**XIX. Investment Limits :**

(1) Investments by the Unit Trust from the fund of the Scheme in securities of any one company shall not exceed 15% of the securities issued and outstanding of such company. Provided that the aggregate of such investments in the capital initially issued by new industrial undertakings shall not at any time exceed 5% of the total amount of the said funds.

(2) The limits prescribed under sub-clause (i) shall not apply to investments by the Trust in bonds and debentures and deposits of a company whether secured or not.

**XX. Rate of Income distribution :**

Dividend at the rate of 16% per annum will be paid on a half yearly basis. Bonus dividend may be declared periodically.

**XXI. Payment to unit holders :**

(1) The income distributable to the unit holders shall be paid, as soon as may be, after the 30th June/31st December each year.

(2) No interest shall be payable by the Unit Trust on such income distributable among the unit holders.

(3) The income distributable among the unit holders shall be paid by cheque or warrant drawn on the Unit Trust's bankers, or, at the option of the unit holder, by a bank draft, the charges for such bank draft being borne by the unit holder.

**\*[XXI(A) Reinvestment of income distribution in further units :**

Subject to such conditions or directions as the Chairman/Executive Trustee may deem fit to impose or issue the unit-holder shall while applying for units or thereafter have the option to reinvest the income receivable in respect of the units held in further units. In the event of an exercise of such an option the whole of the income distributable instead of being paid to the unitholder in the manner provided in Clause XXI hereof shall, after deduction of tax, if any, be reinvested in further units at the sale price prevailing in the month of July/January of the subsequent/same year. A statement detailing the dividend distributable, tax deducted, if any, and the units allotted in lieu thereof shall be forwarded to the unitholder. No unitholder shall be entitled to call for the issue of a unit certificate in respect of the units so allotted. A unitholder who was opted for the reinvestment facility as aforesaid shall on an application in writing and on surrender of the last statement issued be permitted to have the units to its credit repurchased at the repurchased price prevailing then. A unitholder who has repurchased the reinvested units may continue to avail the reinvestment facility in respect of the income distributable for the subsequent years. On a repurchase of the original units the units issued under this facility shall automatically stand repurchased. The units allotted under the reinvestment facility under this clause are not subject to the conditions and stipulations governing the parent units in respect of the minimum holding, repurchase and other matters.]

**XXII. Publication of Accounts :**

The Unit Trust shall as soon as may be after the 30th June of each year cause to be published in such manner as the Board may decide, accounts in the manner specified by the Board showing the working of the scheme during the period ending on the 30th June. The Unit Trust shall, on a request in writing received from a unitholder, furnish a copy of the accounts so published to the unitholder.

**XXIII. Additions and Amendments to the Scheme :**

The Board may from time to time add to or otherwise amend this scheme and any amendment thereof will be notified in the Official Gazette.

\*Inserted on 7-1-93.

**XXIV. Termination of the Scheme :**

The Trust may terminate the scheme at its discretion by giving a notice of not less than six months to the unitholders. On termination of the scheme all outstanding units issued under the scheme shall be redeemed at the final repurchase price determined by the Trust as on the date of termination. Besides receiving the repurchase price determined, on further benefit of any kind either by way of increase in the repurchase value or by way of dividend for any subsequent period shall accrue and the repurchase value will be paid by the Trust as early as possible after the Unit Certificate with the form on the reverse thereof duly completed has been received by it. The Unit Certificate received for repurchase shall be retained by the Trust for cancellation.

**XXV. Scheme to be binding on Unitholders :**

The terms of the scheme, including any amendments thereto from time to time, shall be binding on all unitholders and every other person claiming through it as if he had expressly agreed that they should be so binding.

**XXVI. Copy of Scheme to be made available :**

A copy of this scheme incorporating all amendments thereto shall be made available for inspection at the offices of the Unit Trust at all time during its business hours and may be supplied by the Unit Trust to a unitholder on application.

**XXVII. Power to construe provisions :**

Should any doubt arise as to the interpretation of any of the provisions of the scheme, Chairman or in his absence the Executive Trustee shall have powers to construe the provisions of the scheme, in so far such construction is not in any manner prejudicial or contrary to the basic structure of the scheme and such decision shall be final and conclusive.

**XXVIII. Relaxation/Variation/Modification of provisions :**

The Chairman or in his absence the Executive Trustee of the Trust in order to mitigate hardships or for smooth and easy operation of the scheme, relax, vary or modify any of the provisions of the scheme in case of any unitholder, or class of unitholders upon such conditions as may be deemed expedient.

FORM-A

—EMBLEM—

UNIT TRUST OF INDIA

(Incorporated under the Unit Trust of India Act, 1963)

THE INSTITUTIONAL INVESTORS' SPECIAL FUND  
UNIT SCHEME

(Clause XIII)

Unit Certificate No.

No. of Units

This is to certify that the person named in this Certificate is the Registered Holder of \_\_\_\_\_ units, each of the face value of Rupees Ten, subject to the provisions of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963), the Regulations framed thereunder and the Institutional Investors' Special Fund Unit Scheme.

Name

Place : \_\_\_\_\_

Date : \_\_\_\_\_

For UNIT TRUST OF INDIA

NOT TRANSFERABLE

## FORM OF APPLICATION FOR REPURCHASE OF UNITS

Date \_\_\_\_\_

To,  
The Unit Trust of India

We \_\_\_\_\_

are the registered holder of \_\_\_\_\_ units of the Unit Trust of India and are desirous of selling to the Unit Trust all the said \_\_\_\_\_ units.

@ \_\_\_\_\_ units out of the said \_\_\_\_\_ units and accordingly offer the same for repurchase by the Unit Trust at par/the repurchase price on the Acceptance Day in respect of this application.

The price of the units may be paid to us by \*cheque/bank draft at our cost.

Signature of Witness \_\_\_\_\_

Signature of authorised persons \_\_\_\_\_

Name :  
Occupation :  
Address : \_\_\_\_\_

Signature of Witness \_\_\_\_\_

Present Address : \_\_\_\_\_

Name :  
Occupation :  
Address : \_\_\_\_\_

For the use of the office \_\_\_\_\_

Acceptance Date \_\_\_\_\_

@should be in multiples of 1 lakh units.

\*Delete inapplicable words.

No. UT/DBDM/2954A/SPD 74A/92-93.—The Provisions of the Master Equity Plan 1993 formulated under Section 19(1)(8)(c) of the Unit Trust of India Act, 1963 and the Master Equity Scheme 1993 made under Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 approved by the Executive Committee in the Meeting held on 22nd December 92 and amended in the Executive Committee Meeting held on 7th January 93 are published herebelow.

## UNIT TRUST OF INDIA

## PROVISIONS OF THE MASTER EQUITY PLAN—1993

In exercise of the powers conferred by Section 19(1)(8)(c) of the Unit Trust of India Act, 1963, the Board of Trustees of the Unit Trust of India hereby make the following Plan :

This Plan shall be called "Master Equity Plan 1993" and shall come into force from 15th January, 1993.

The Plan shall be applicable to unit issued under the Equity Linked Savings Unit Scheme—1992 and/or under any other scheme which the Trust may make hereafter and to which it may make the Plan applicable.

## Introduction

In accordance with Section 88 of the Income Tax Act, 1961 investment is made by an assessee being an individual, HUF or an AOP as specified in the said section in units of any Mutual Fund specified under Clause 23(D) of section 10 of the Income Tax Act, 1961 or of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963) under any Plan formulated in accordance with such scheme as the Central Government may by notification in the Official Gazette will qualify for tax rebate of 20% of the amount invested subject to a maximum of Rs. 10,000/-. In other words, 20% of the amount invested subject to maximum of Rs. 10,000/- will be deductible from the tax payable, if any, by the investor.

This Plan has been formulated pursuant to the provisions of Section 88 of the Income Tax Act, 1961 and in accordance with the Equity Linked Savings Scheme, 1992 specified by the Central Government by notification in the Official Gazette.

## (1) Eligibility for Participation

An assessee being—

- (a) A resident adult individual singly or jointly on either or anyone survivor basis.
- (b) a parent, step parent or other lawful guardian on behalf of a resident minor.
- (c) a Hindu undivided family, or
- (d) an association of persons or a body of individuals consisting, in either case, only of husband and wife governed by the system of community of property in force in the state of Goa and Union Territories of Dadra and Nagar Haveli and Daman and Diu.

An adult being a parent, step parent or other lawful guardian of a minor may apply for units and deal with them in accordance with and to the extent provided in sub-section (2A) of Section 21 of the Act and in this Plan. Such adult while applying for the units shall furnish to the Trust in such manner as may be specified proof of age of the minor and his own capacity to hold and deal with units on behalf of the minor.

Provided that the Trust shall be entitled to act on the statements made by such adult in the application form without any further proof.

Any assessee as described above or an applicant as defined under the scheme is hereinafter referred to as "member".

## (2) Offer for Sale of Units

Each intending member under the Plan can apply for units during the period from 15th January, 1993 to 31st March 1993. The face value of unit is Rs. 10/- per unit. Investments under the Plan shall be in multiples of 50 units with the minimum of 50 units (Rs. 500/-).

## (3) Incentive for early investment

Investors joining on or before 22-02-1993 will be eligible for an incentive at the rate of 1.5% on the amount of investment under the Plan. The incentive cheque will be sent along with the Membership/Unit Certificate.

## (4) Payment

(a) The payment made for the units applied for by a member shall be made along with the application in cash, cheque or draft. Cheque and drafts should be drawn on branches of banks within the city where the office at which the application is tendered is situated and be crossed A/c. Payee only. If the payment is made by cheque, the acceptance date will subject to such cheque being realised be the date on which the cheque is received by an office of the Trust or a designated branch of a bank.

If payment is made by draft, the acceptance date will subject to such draft being realised be the date on which the draft is issued provided the application is received by the office of the Trust or branch of the designated bank within a reasonable time.

(b) A suitable acknowledgement or receipt will be issued by the Trust on acceptance of the application form. Where the applications are tendered at a branch of a designated bank, the acknowledgement or receipt shall be issued by the said branch.

(c) The Trust shall as soon as possible, advise each member of his admission into the Plan alongwith his membership no. In all his correspondence with the Trust, a member shall quote his membership number.

(d) A membership or unit certificate shall be issued to a member with respect to units acquired under the Plan.

## (5) Allotment of Units

Units will be allotted as on 31st March, 1993.

There shall be a firm allotment of 2000 units (i.e. Rs. 20,000/-) and thereafter allotment will be at the sole discretion of the Trust taking into account the overall subscription.

**(6) Lock in period**

The investment made by a member under the Plan will be required to be kept for a minimum period of 3 years from the date of allotment of units. This three year period is called the Lock-in-period. No repurchase of units will be allowed during this three year period. However, in the event of the death of the member the legal heirs or the nominee/s registered in the books of the Trust under the Plan shall be able to repurchase the units standing to the credit of the deceased only after the completion of one year from the date of allotment of units to the member.

After the said period of one year and on completion of all formalities in connection therewith the legal heirs/nominee shall be paid the repurchase proceeds of the units standing to the credit of the deceased member at the repurchase price announced by the Trust.

**(7) Repurchase**

The Trust shall announce the repurchase price one year after the date of allotment of units and thereafter on a half yearly basis.

After the period of three years from the date of allotment of units when the repurchase of units would commence the Trust shall declare a repurchase price on the first day of every month on the basis provided in the Scheme or as frequently as may be decided upon.

There will be no repurchase in the month of June when the Register of the members is closed for purposes of accounts.

Repurchases shall be at the repurchase price prevailing on the date of the units are tendered for repurchase.

**(8) Transfer**

Units acquired under the Plan shall be transferred, assigned or pledged after the lock-in period. In the event of the division and/or disintegration of a unitholding HUF, AOP, BOI during the lock in period or thereafter but before the termination of the scheme, nothing contained hereinabove shall be a bar to the applicability for the relevant law with respect to the said division or disintegration except otherwise specifically agreed to or stated and which are not contrary to the said law, if any. The distribution of their income and the division of the unit among the members of HUF, AOP, BOI shall always be governed by the relevant law, if any, in force from time to time.

**8(A) Listing**

Units issued under the scheme shall be listed at major recognized stock exchanges after the lock-in period of 3 years.

**(9) Nomination**

Members being an individual may exercise the right to make or cancel a nomination to the extent provided in the regulations.

Hindu undivided families and association of person or the said body of individuals shall have no right to make a nomination.

**(10) Death of the member**

(a) In the event of the death of the member under the Plan, the nominee shall be the person recognised by the Trust as the person entitled to the amount payable by the Trust in respect of the units standing to the credit of the deceased unitholder.

(b) In the absence of a valid nomination, the executor or administrators of the deceased member or a holder of succession certificate issued under Part X of the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) shall be the only person recognised by the Trust as having any title to the units.

(c) Any person becoming entitled to a unit consequent upon the death of the member may upon producing such evidence as to his title as the Trust shall consider sufficient, be paid the repurchase value of all the units standing to the credit of the deceased (after 1 year from the date of allot-

ment of units) at the repurchase price ruling on the date on which all the formalities in connection with the claim have been complied with by the claimant.

**(11) Duration of Plan**

The provisions of this plan not specifically excepted shall be deemed to have come into force from 15th January 1993 and shall be in operation for a period of 10 years from the date of closure of sales of units i.e. till 31st March, 2003.

**(12) Termination**

The Plan shall be terminated on April 1, 2003 i.e. the 10th year from the date of closure of sales of units under the Plan. However, if 90% or more of the (original amount invested) units under the Plan are repurchased after the lock in period, the Trust shall have the discretion to terminate the Plan even before the stipulated period of 10 years and return the proceeds to the residual unitholders at the final repurchase price to be fixed by the Trust.

**(13) Tax laws applicability**

Under Section 88 of the Income Tax Act, 1961 investment made in the units of MEP-93 will qualify for tax rebate of 20% of the amount invested (subject to a maximum of Rs. 10,000/-). In other words, 20% of the amount invested (subject to maximum of Rs. 10,000/-) will be deductible from the tax payable, if any, by the investor.

Any other income of capital gain from the units will be chargeable to tax as per prevalent tax laws.

Value of investment in the scheme is fully exempt from Wealth Tax.

In case of any dividend payout by the Trust, there will be no deduction of tax at source in respect of individual unitholders.

**(14) Additions and amendments to the Plan**

The Board may from time to time add to or otherwise amend this plan and any amendment thereof will be notified in the official Gazette.

**(15) Plan to be binding on members**

The terms of this Plan including any amendments thereto from time to time, shall be binding on each member as if he had expressly agreed that they should be so binding.

**(16) The Provisions of the Plan to be subject to the provisions of the Scheme**

The provisions of the Plan in respect of any units acquired or held under this Plan for acquisition of interest in units shall be read subject to the provisions of Unit Scheme—1993.

**(17) Copy of Plan to be made available**

A Copy of this Plan incorporating all amendments thereto shall be made available for inspection at the offices of the Trust at all times during its business hours and may be supplied by the Trust to any person on application.

**(18) Power to construe provisions**

Should any doubt arise as to the interpretation of any of the provisions of the Plan, Chairman or in his absence the Executive Trustee shall have powers to construe the provisions of the Plan in so far as such construction is not any manner prejudicial or contrary to the basic structure of the Plan and such decision shall be final and conclusive.

**(19) Relaxation/Variation/Modification of provisions**

Chairman or in his absence the Executive Trustee of the Trust in order to mitigate hardships or for smooth and easy operation of the Plan relax, vary or modify any of the provisions of the Plan in case of any member or class of members upon such conditions as may be deemed expedient.

**UNIT TRUST OF INDIA****PROVISIONS OF MASTER EQUITY SCHEME—1993**

In exercise of the powers conferred by Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963), the Board of the Unit Trust of India hereby makes the following Unit Scheme;

**I. Short Title and commencement**

- (1) The Scheme shall be called the Master Equity Scheme 1993 (MES-93).
- (2) It shall come into force from January 15, 1993 and units under the scheme shall be on sale till March 31, 1993.
- (3) The scheme has been drawn up pursuant to the guidelines issued by the Central Government as mentioned in the Equity Linked Savings Scheme—1992 and Section 88 of the Income Tax Act, 1961.

**II. Definitions**

In this Scheme, unless the context otherwise requires—

- (a) The "Act" means the Unit Trust of India Act, 1963;
- (b) "Acceptance date" with reference to an application made by an applicant to the Trust for sale of units by the Trust means the day on which the Trust, after being satisfied that such application is in order accepts the same;
- (c) "Applicant" under the scheme shall mean and include all those of classes of persons who have been particularly described in Clause IV hereunder;
- (d) "Date of Allotment" will be 31st March 1993.
- (e) "Listed" means the listing of Units for the purpose of trading in Stock Exchanges which are the time being recognised under Securities Contract (Regulations) Act, 1956 (42 of 1956).
- (f) "Lock-in-period" shall be a period of 3 years from the date of allotment of units during which the applicant will be required to keep the units and not tender them for repurchase.
- (g) "Sale period" means the period during which the Trust in pursuance of sub-clause (2) of Clause 1, sells units at the face value of Rs. 10/- (Rupees ten only) each.
- (h) "Trading" means the dealing in, by buying or selling through any of the recognised Stock Exchanges.
- (i) "Number of units" to be issued means the aggregate of the number of units sold and outstanding;
- (j) "Recognised stock exchange" means a stock exchange which is, for the time being recognised under the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956);
- (k) "Unit" means one undivided share of the face value of Rupees ten in the unit capital of this scheme;
- (l) "Regulations" means Unit Trust of India General Regulations, 1964 made under Section 43(1) of the Act;
- (m) All other expressions not defined herein but defined in the Act, shall have the respective meanings assigned to them by the Act.

**III. Face Value of each Unit**

The face value of each unit shall be ten rupees.

**IV. Application for units**

Application for units may be made by the following classes of persons :

- (a) a resident adult Individual singly or jointly upto three individuals on either, anyone or survivor basis.
- (b) a parent, step-parent or other lawful guardian on behalf of a resident minor.
- (c) Hindu Undivided Family.
- (d) An association of persons or body individuals consisting in either case only of husband and wife governed by the system of community or property in force in the State of Goa and union territories of Dadra & Nagar Haveli and Daman & Diu.

The application shall be made in such form as may be approved by the Chairman/Executive Trustee of the Trust.

The number of units applied for shall, in all cases, be in multiples of 50 units subject to a minimum of 50 units aggregating to Rs. 500/-.

The payment for units applied for by an applicant shall be made by him alongwith the applications in cash, cheque, draft. Cheques and drafts should be drawn on branches of banks within the city where the office at which the application is tendered is situated. If the payment is made by cheque, the acceptance date will, subject to such cheque being realised, be the date on which the cheque is received by an office of the Trust or by a branch of a designated bank. If payment is made by draft the acceptance date will, subject to such draft being realised, be the date of issue of such draft provided the application is received by an office of the Trust or a branch of a designated bank within a reasonable time.

**V. Offer for sale of units**

The offer of units under the Scheme shall be open for a period of 76 days commencing from January 15th, 1993 to March 31, 1993 (both days inclusive). The Trust reserves the right to close the offer before the stipulated date. Applications received after the close of business hours of 31st March, 1993 and subsequently at any of the offices of the Trust shall be deemed invalid and rejected. On conclusion of the contract for sale as aforesaid, the Trust shall as soon as possible send the applicant an intimation thereof indicating the number of units allotted. The intimation will be sent by post at the address given by the applicant. The Trust shall not be liable for loss, damage or misdelivery or non-delivery of the intimation so sent.

**VI. Incentive for early investments**

Investors joining on or before 22-02-1993 will be eligible for an incentive at the rate of 1.5% on the investment under the scheme. The incentive cheque will be sent along with the Membership/Unit Certificate.

**VII. Basis of allotment**

There shall be a firm allotment of 2000 units (i.e. Rs. 20,000/-) and thereafter allotment will be at the sole discretion of the Trust taking into account overall subscription.

**VIII. Repurchase Price.**

(1) The Trust shall announce the repurchase price one year after the date of allotment of units and thereafter on a half yearly basis.

(2) After lock-in-period of 3 years from the date of allotment of units the repurchase of units shall commence and the Trust shall declare a repurchase price on the first of every month or as frequently as may be decided by it.

(3) The repurchase price at which a unit will be repurchased by the Trust on any day shall be arrived at by dividing the value (determined as hereinafter indicated) as at the close of the business on the working day immediately preceding the date on which the repurchase price is determined, of the assets reduced by liabilities pertaining to the scheme, not being contingent liabilities or liabilities in respect of the unit capital including reserves, if any, as at the close of business on the said working day, by the number of units in issue as at the close of the business on the said day deducting therefrom such sum as in the opinion of the Trust is adequate to cover brokerage, commission, taxes, if any, stamp duties and other charges in relation to the realisation of investments by the Trust. The repurchase price of unit shall be arrived at on the basis of material available with the Trust on the day on which the repurchase price is arrived at.

In calculating the repurchase price the Trust shall take into account the unrealised appreciation in the value of the investment of the funds of a plan to the extent they deem fit provided that it shall not be less than 50% of such unrealised appreciation while calculating the repurchase price, the Trust may deduct such sums as are appropriate to meet management, selling and other expenses including realisation of assets and such sums shall not exceed 5% per annum of the average Net Asset Value of the Scheme.

Notwithstanding anything to the contrary contained in the foregoing sub-clauses when the Trust is satisfied that, in the interest of the Trust and of the unitholders it is necessary or expedient to do so, it may vary the repurchase price to such extent as it may deem fit.

(4) In the event of termination of the Scheme the Trust shall determine the repurchase price by valuing the assets pertaining to the Scheme as on the close of the business on the date notified for termination reduced by the liabilities pertaining to the Scheme and dividing them by the number of units outstanding and deducting therefrom such sum as in the opinion of the Trust is adequate to cover brokerage, commission, taxes, if any, stamp duties and other charges in relation to the realisation of investments by the Trust and other adjustments and the expenditure in connection with the closure and payment of distribution to the unitholders of the assets in respect of the Scheme. In such an event, the repurchase price shall in addition to the par value bear the other distributable component of the asset per unit arrived at by the Trust in a manner satisfactory to its auditors and as the Board may approve.

#### IX. Restrictions on offer for sale and repurchase of units :

Notwithstanding anything contained hereinabove.

- (a) The Trust shall not sell or repurchase units during such period as the Development Bank may in writing.
- (b) The Trust shall not be under any obligation to sell or repurchase units.
  - (i) on such days as are not working days; and
  - (ii) during the period when the register of unitholders is closed in connection with (as notified by the Trust) the annual closing of the books and accounts.

**Explanation :** For the purpose of this scheme, the term "working day" shall mean a day which has not been either (i) notified under the Negotiable Instruments Act, 1881, to be a public holiday in the State of Maharashtra or such other states where the Trust has its offices; or (ii) notified by the Trust in the Gazette of India as day on which the office of the Trust will be closed.

#### X. Repurchase of units :

Where an application by an applicant for repurchase of units has been accepted by the Trust, the Trust shall as soon thereafter as possible send an acknowledgement thereof and the contract for repurchase shall be deemed to have been concluded on the acceptance date.

Payment for the units repurchased by the Trust shall be made as early as possible after the acceptance date in such manner as the applicant may indicate in his application. No interest on any account, be payable on the amount due to the applicant, and the cost of remittance of realisation of cheque or draft sent by the Trust shall be borne by the applicant.

#### XI. Publication of repurchase/final repurchase price :

The Trust shall, as early as possible after the determination of the repurchase/final repurchase price, publish in such manner as it may deem fit, the repurchase price of units.

#### XII. Investment of the funds under the Scheme :

(a) The funds collected under the Scheme shall be invested in equities, cumulative convertible preference shares and fully convertible debentures and bonds of companies. Investment in partly convertible debentures and bonds including those issued on rights basis will be made subject to the condition that as far as possible the non-convertible portion of the debentures so acquired/subscribed shall be disinvested within a period of twelve months.

(b) It shall be ensured that funds of Scheme shall remain invested to the extent of at least 80% in securities specified in clause (a). The Trust shall strive to invest the funds in a manner stated above within a period of six months from the date of closure of sale of units. In exceptional circumstances,

this requirement may be dispensed with by the Trust in order that the interests of the unitholders are protected.

(c) Pending investment of funds of the Scheme in the above required manner, the Trust shall invest the funds in short term money market instruments or other liquid instruments or both.

(d) After three years of the date of allotment of the units, the Trust may hold upto 20% of net assets of the Scheme in short term money market instruments and other liquid instruments to enable them to repurchase units of those unitholders who would be seeking to tender the units for repurchase.

#### XIII. Investment Limits :

(1) Investments by the Trust from the funds of the Scheme/ Plan in the securities of any one corporation shall not exceed 15% of the securities issued and outstanding of such corporations.

Provided that the aggregate of such investment in the capital initially issued by new industrial undertaking shall not at any time exceed 5% of the total amount of the said funds.

(2) The limits prescribed under sub-clause (1) above shall not apply to investments of the Trust in bonds, deposits and debentures of a company whether secured or not.

#### XIV. Valuation of assets pertaining to this Scheme :

(1) For the purpose of valuation of assets under the scheme, the assets shall be classified into (a) cash, (b) investments, and (c) other assets.

(2) Investments shall be valued by taking :

I. (a) the closing prices on the stock exchange as on the working day in succeeding day on which the valuation is made, of the securities held by the Trust pertaining to this Scheme, Provided where a security is quoted on more than one stock exchange the manner of determining the price of such security shall be decided by the Trust.

(b) where any investment was not, during the relevant period, dealt in, or quoted on any recognised stock exchange, such value, as the Trust may, in the circumstances consider to be fair value of such investment and

#### II. Adding thereto

(a) In the case interest earning deposits, interest accrued but not taken credit for.

(b) In the case of Government securities and debentures, interest accrued but not taken credit for.

(c) In the case of preference shares and equity shares quoted ex-dividend any dividend declared but not received.

(3) Other assets shall be valued at their book value.

#### XV. Form of membership/unit certificate :

Membership/Unit Certificates shall be in Form A annexed hereto or in such form as may be approved by the Trust for smooth operation of the scheme. Each membership/unit certificate shall bear a distinctive number, the number of units represented by the certificate and the name of the unitholder.

#### XVI. Manner of preparation of membership/unit certificate

The Membership/Unit Certificates may be engraved or lithographed or printed as the Board may, from time to time, determine and shall be signed on behalf of the Trust by two persons duly authorised by the Trust. Every such signature may either be autographic or may be effected by a mechanical method. No membership/unit certificate shall be valid unless and until it is so signed. Membership/Unit Certificates so signed shall be valid and binding notwithstanding that, before the issue thereof, any person whose signature appears thereon, may have ceased to be a person authorised to sign membership/certificates on behalf of the Trust. Provided further

that should the membership/unit certificate so prepared contain the signature of an authorised person who however is dead at the time of issue of the certificate; the Trust may by a method considered by it as most suitable, cancel the signature of such a person appearing on the certificate and have the signature of any other authorised person affixed to it. The Membership/Unit Certificate so issued shall also be valid.

**XVII. Trust not to be recognised regarding membership/unit certificates :**

The person who is registered as the unitholder and in whose name a membership/unit certificate has been issued shall be the only person to be recognised by the Trust as the unitholder and as having any right, title or interest in or to such membership/unit certificate and the units which it represents; and the Trust may recognise such unitholder as the absolute owner thereof and shall not be bound by any notice to the contrary or to take notice of the execution of any trust or save as herein expressly provided or as by some court of competent jurisdiction ordered to recognise any Trust or equity or other interest affecting the title to any certificate or the membership to units thereby represented.

**XVIII. Exchange of Membership/Unit Certificate and procedure when the certificate is mutilated, defaced, lost etc. :**

(1) Subject to the provisions of this scheme, every unit holder shall be entitled to exchange any or all of his membership/unit certificates for one or more membership/unit certificates in marketable lots, representing the same aggregate number of units. While applying for such exchange, the unit holder shall surrender to the Trust the membership/unit certificate or certificates to be exchanged and shall pay to the Trust all copies (if any payable thereunder) in respect of the issue of the new membership/unit certificate or certificates.

(2) In case any membership/unit certificate shall be mutilated or worn or defaced, the Trust at its discretion, may issue to the person entitled a new membership/unit certificate representing the same aggregate number of units as the mutilated or worn or defaced membership/unit certificate. In case any membership/unit certificate should be lost, stolen or destroyed, the Trust may, at its discretion issue to the person entitled a new certificate in lieu thereof. No such new certificate shall be issued unless the applicant shall previously have :

- (i) Furnished to the Trust evidence satisfactory to it of the mutilation, wearing out, defacement loss, theft or destruction of the original membership/unit certificate.
- (ii) Paid all expenses in connection with the investigation of the facts. :
- (iii) In case of mutilation or wearing out or defacement produced and surrendered to the Trust and mutilated or worn out or defaced membership/unit certificate; and
- (iv) furnished to the Trust such indemnity as it may require. The Trust shall not incur any liability for issuing such certificate in good faith under the provisions of this clause.

(3) Before issuing any certificate under the provisions of this clause, the Trust may require the applicant for the membership/unit certificate to pay a fee of Rupees one per membership/unit certificate issued by it together with a sum sufficient in the opinion of the Trust to cover stamp duty, if any or other charges or taxes including postal registration charges that may be payable in connection with the issue and despatch of such certificate. Provided that no fee, stamp duty or postal registration charges shall be payable in respect of such issue of membership/unit certificate in the following cases, viz.

- (i) When a membership/unit certificate issued under clause 6 to an applicant or issued under clause 21 (7) to a transferee is tendered for the first time for subdivision.
- (ii) When consolidation of membership/unit certificates is suggested by the Trust and such a suggestion is accepted by the unit holder.

**XIX : Register of unitholders :**

The following provisions shall have effect with regard to the registration of unitholders :—

- (1) A register of unitholders shall be kept by the Trust and there shall be entered in the register :
  - (a) the name and addresses of the unitholders;
  - (b) the distinctive number of the membership/unit certificates and the number of units held by every such person; and
  - (c) the date on which such person became the holder of the units standing in his name.
- (2) (a) No application for registration as a holder shall be entertained unless the application relates to a number of units being a multiple of fifty;
- (b) If a membership/unit certificate stands registered in the name of two persons, such persons shall be deemed to hold the certificates jointly and a discharge by the person first named in the register of the unitholders shall, as regards receipt of amounts due in respect of such units discharge the unit or membership certificates in respect of such amounts.
- (c) Where two individuals, none of them being a minor, apply for issue of a membership/unit certificate in their favour and request in the application that either of them should be permitted to deal with the units, the Trust shall record in its books suitable entries to take note of such requests and when a membership/unit certificate has been issued in such circumstances, then either of the holders shall be entitled to deal with the units represented by such certificate, and a discharge by either of such persons shall, as regards receipt of amounts due in respect of such units, discharge the Trust in respect of such amounts.

Provided that the income distribution declared in respect of the units represented by such certificates shall be paid to the person first named in the register of unitholders.

(3) Any change of name or address on the part of any unitholder shall be notified to the Trust, which, on being satisfied of such change and on compliance with such formalities as it may require, shall alter the register accordingly.

(4) Except when the register is closed in accordance with the provisions in that behalf hereinafter contained, the register shall during business hours (subject to such reasonable restrictions as the Trust may impose but so that not less than two hours on each business day shall be allowed for inspection) be open to inspection by any unitholder without charge.

(5) The register will be closed at such times and for period as the Trust may from time to time determine provided that it shall not be closed for more than 30 days in any one year; the Trust shall give notice of such closure by advertisement in such newspaper as the Board may direct.

(6) No notice of any trust express, implied or constructive shall be entered on the register in respect of any units.

(7) The executors or administrators of a deceased sole unit holder or holder of succession certificate issued under Part X of the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) shall be the only persons who may be recognised by the Trust as having any title to the unit and to any money payable in respect thereof.

**XX. Receipt by unitholder to discharge Trust :**

The receipt of the unitholder for any moneys paid to him in respect of the units represented by the certificate shall be a good discharge to the Trust.

**XXI. Transfer of Units :**

Transfer/pledge/assignment of units shall be allowed under the scheme after the lock in period of three years from the date of allotment of units.

**XXI (A). Listing of units under the scheme :**

Units under the scheme shall be listed at major recognised stock exchanges after the lock in period of 3 years.

**XXII. Distribution of income :**

The Trust may declare and pay dividend under the Scheme if the income from the assets of the Scheme after meeting expenses is sufficient to declare a reasonable dividend.

**XXIII. Nomination by unitholders :**

(1) Unitholders holding units singly or two unitholders holding jointly may exercise the right to make or cancel a nomination to the extent provided in the Regulations.

(2) Unitholder being either parent or lawful guardian on behalf of a minor, an applicant who has applied for units for the benefit of a mentally handicapped person shall have no right to make any nomination.

**XXIV. Publication of accounts :**

The Trust shall as soon as may be after the 30th June of each year cause to be published in such manner as the Board may decide, accounts in the manner specified by the Board, showing the working of the scheme during the period ending on 30th June. The Trust shall, on request in writing received from a unitholder, furnish him a copy of the accounts so published.

**XXV. Termination of the Scheme :**

The scheme shall be terminated on 1st April 2003 that is the 10th year from the year in which the allotment of the unit is made under the scheme.

If 90% or more of the units under any plan and repurchased before minimum of 10 years the Unit Trust and Mutual Fund may at their discretion terminate that plan even before the stipulated period of 10 years and redeem the outstanding units at the final repurchase price to be fixed by them.

**XXVI. Additions and amendments to scheme :**

The Board may from time to time add to or otherwise amend this scheme and any amendment thereof will be notified in the Official Gazette.

**XXVII. Scheme to be binding on unitholders :**

The terms of this scheme, including any amendments thereof from time to time, shall be binding on each unitholder and every other person claiming through him as if he had expressly agreed that they should be so binding.

**XXVIII. Copy of Scheme to be made available :**

A copy of this scheme incorporating all amendments thereto shall be made available for inspection at the offices of the Trust at all times during its business hours on payment of a sum of Rs. 5/- on an application to be made in this regard.

**XXIX. Power to construe provisions :**

Should any doubt arise as to the interpretation of any of the provisions of the scheme, Chairman or in his absence the Executive Trustee shall have powers to construe the provisions of the Scheme, in so far such construction is not in any manner prejudicial or contrary to the basic structure of the Scheme and such decision shall be final and conclusive.

**XXX. Relaxation/Variation/Modification of provisions :**

The Chairman or in his absence the Executive Trustee of the Trust in order to mitigate hardships or for smooth and easy operation of the Scheme, relax, vary or modify any of the provisions of the scheme in case of any unitholder, or class of unitholders upon such conditions as may be deemed expedient.

**FORM—A****—EMBLEM—****UNIT TRUST OF INDIA**

(Incorporated under the Unit Trust of India Act, 1963)

**MASTER EQUITY SCHEME—1993**

(Clause XIII)

Membership/Unit Certificate No. \_\_\_\_\_

No. of Units \_\_\_\_\_

This is to certify that the person/s named in this Certificate is/are the Registered Holders of \_\_\_\_\_

Units, each of the face value of Rupees Ten, subject to the provisions of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 63), the Regulations framed thereunder and the Master Equity Scheme 1993.

Name/s  
For UNIT TRUST OF INDIA

Date : \_\_\_\_\_

The Scheme shall stand finally termination on 1st April, 2003.

**FORM OF APPLICATION FOR REPURCHASE OF UNITS  
MASTER EQUITY SCHEME 1993**

To,  
The Unit Trust of India

I/We \_\_\_\_\_

am/are the registered holder(s) of \_\_\_\_\_ units of the Master Equity Scheme—1993 of the Unit Trust of India.

I/we am/are, desirous of selling to the Trust all the said \_\_\_\_\_ units and offer the same for repurchase by the Unit Trust of India at par/at the repurchase price prevailing/determined by the Trust in respect of this application.

The price of the units may be paid to me by \*cash/cheque/bank draft at my cost.

Signature of Witness \_\_\_\_\_

Signature/s of holder(s)

1. \_\_\_\_\_
2. \_\_\_\_\_

Signature of Witness \_\_\_\_\_

Occupation : \_\_\_\_\_

Address : \_\_\_\_\_

For the use of the office \_\_\_\_\_

Acceptance Date \_\_\_\_\_

\*Delete inapplicable words

Payment in cash permissible only if the amount does not exceed Rs. 10,000/-.

No. UT/DBDM/2454A/SPD 76/92-93.—The Provisions of the Mastergrowth Unit Scheme 1993 formulated under Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 approved by the Executive Committee in the Meeting held on 7th January 93 and amended in the Executive Committee Meeting held on 1st February 93 are published herebelow.

**MASTERGROWTH UNIT SCHEME—1993**

In exercise of the powers conferred by Section 21 of the Unit Trust of India Act 1963 (52 of 1963) the Board of the Unit Trust of India hereby makes the following Unit Scheme :

**I. Short Title and Commencement**

This scheme shall be called the Mastergrowth Unit Scheme—1993 and shall come into force on 18th January 1993.

**II. Definitions**

In this Scheme unless the context otherwise requires—

(a) The 'Act' means the Unit Trust of India Act, 1963.

- (b) 'Applicant' means a person having application for the units under the scheme.
- (c) 'Application' means the form of application prescribed for offer of units for all applicants and containing the terms and conditions for the purpose of unit subscription to the scheme for the investing public.
- (d) 'Allotment' means allotment of units against a valid application in a manner determined by the Trust for the purpose.
- (e) 'Issue' means the total number of units offered and issued under the scheme for subscription under relevant application form as stated in (c) above.
- (f) 'Listed' means the listing of units for the purpose of trading in a recognised Stock Exchange which is for the time being recognised under the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956).
- (g) 'Mastergrowth' means Units as hereinafter defined and the share or unit in the capital of 'Mastergrowth Unit Scheme' or 'Master Growth' as hereinafter defined.
- (h) 'Mastergrowth Unit Scheme' or 'Mastergrowth' means units issued under Mastergrowth Unit Scheme—1993.
- (i) 'Number of units in issue' means the aggregate of the number of units sold and outstanding after the issue is closed.
- (j) 'Offer of Units' means the full offer for sale of units made by the Trust under offer documents to investors to constitute the capital under the Scheme.
- (k) 'Person holding units or unitholder' means a person who holds units for the time being.
- (l) 'Registrars' means a person appointed to act as the Registrar from time to time under the scheme.
- (m) 'Regulations' means unit Trust of India General Regulations, 1964 made under Section 43 (1) of the Act.
- (n) 'Trading' means the dealing in by buying or selling units through any of the Stock Exchange after the first allotment of units.
- (o) 'Unit' means one undivided share of the face value of Rupees Ten.
- (p) 'Unit Capital' means the aggregate of the face value of units issued and allotted under the Scheme.
- (q) Words not defined in this Scheme shall have the meanings assigned to them under the Act.
- (r) Words importing singular shall include the plural and all reference to masculine gender shall include the feminine and vice versa.

### III. Principal Objective :

This Scheme is made with a view to providing an opportunity for common investors to participate and share growth of the corporate securities and market. Long term capital appreciation would be the major goal of the scheme and the emphasis will therefore be on sharing of growth through rights and bonuses rather than through distribution of income by way of dividends.

### IV. Categories of Investors

Application for units may be made by the following classes of persons :—

1. Resident Indians, being adult individuals, either singly or jointly upto three individuals on joint/either or survivor basis.
2. Non-resident Indians on non-repatriable basis on the same terms as above.
3. Minor

On behalf of MINOR, father, mother or the lawful guardian shall be eligible to make the investment.

4. A Body Corporate shall mean and include the Company registered under the Companies Act, 1956, and Societies Registration Act, 1860 or established under

State or Central Law for the time being in force. Such Society being hereinafter referred to as 'the Society'.

5. Eligible Trust shall have the meaning assigned to it under clause (aaa) of Regulation 2.

6. Society shall mean and include as specified in the definition of the Body Corporate as above.

### 7. Partnership Firm :

A partnership firm shall have the meaning respectively assigned to it in the Indian Partnership Act, 1932 but the expression partner shall also include any person who being a minor has been admitted to the benefits of partnership firm.

### 8. Hindu Undivided Family.

### V. Sale of Units :

(a) Units under this Scheme are offered to and open for subscription only by individuals, Companies/bodies corporate established in India.

(b) An individual or individuals not exceeding three number who are adults (on joint or either or survivor basis) may be permitted to apply for units.

(c) A parent, step parent or other lawful guardian may make an application on behalf of a minor.

(d) The face value of units will be Rs. 10/-. Applications shall only be made in the form prescribed in multiples of hundred with a minimum of hundred units. There is no maximum limit of investment.

(e) Duly completed forms of application accompanied by the payment for the units applied for shall be tendered at any of the offices of the Trust or at any authorised Collection Centre during the period the offer for sale is open. In case the application is found to be incomplete, the same will be liable for rejection and refund of such application money will be made by the Trust as soon as possible without any interest whatsoever.

(f) Offer for sale of units shall be open for a period of 22 days commencing from the 18th day January 1993. [The Trust shall have a right to extend the date of the period of offer for sale for such period as it may determine but not exceeding 45 days from 18th January 1993.]

(g) The Trust shall not be obliged under any circumstances to offer for sale units after the offer period or if at its discretion the issue is closed earlier. Applications received after the close of business hours [on the date of closure of issue]. Subsequently at

@ Inserted on 1-2-3

\* Substituted on 1-2-93 for "on 8th February, 1993"

### VI. Investment objective

It shall be the endeavour of the Scheme to invest the capital after defraying all initial preoperative and operational expenses in securities issued by companies listed on the recognised Stock Exchange in India. Investments over a period will be made mainly upto 50% in Public Sector Undertaking equities and remaining in other equities, convertible & non-convertible debentures of companies and other capital and money market instruments. The portfolio composition of investments will be with a view to achieve as far as practicable long term growth by reinvesting capital gains if any and paying out only the current and ordinary income after defraying expenses and making provisions.

(b) It shall be within the discretion of the Trust to decide about the composition of portfolio, subject to restrictions on investments and making income distribution having regard to the growth of the Scheme, the interest of investors and other relevant factors.

### VII. Allotment of Units

(a) Allotment of units on applications shall be at the Trust's sole discretion and as nearly as practicable in the manner stated hereunder :

- (i) The allotment of units will be made on 15th April, 1993. There shall be firm allotment of 2000 Mastergrowth units (Rs. 20,000) and thereafter the allotment will be at the discretion of the Trust taking into account the overall subscription. The manner of and procedure for allotment shall be on such basis as the Trust may consider fair and equitable and the decision of the Trust in this behalf shall be final.

(b) Refund orders will be by bank instruments drawn in the name of the applicant in the case of a sole applicant or in the name of the first applicant in other cases.

### VIII. Application and Transfer forms signed by Attorneys :

If an application or transfer form is signed by a person holding a valid Power of Attorney, the original Power of Attorney or a certified copy duly notarised thereof should be submitted with the application or the transfer form, as the case may be, unless the Power of Attorney has already been registered in the books maintained by the Registrars.

### IX. Registrar of Unitholders :

The following provisions shall have effect with regard to the registration of unitholders :

- (a) A register of unitholders shall be caused to be maintained by the Trust and these will be decided by the Trust. The register shall contain the following particulars :
  - (i) The names and addresses of the unitholders.
  - (ii) The distinctive number of unit certificate or certificates and the number of units held by every such holder; and
  - (iii) The date from which units are held in the name of the holder.
- (b) In the event of death of a holder, any other person being entitled to the said units, upon recognition of the claim in such manner as the Trust may deem necessary such other person may be registered as a unitholder of units which shall always be in multiples of hundred.
- (c) Where a unit certificate is held in the name of two or three persons, such persons shall be deemed to hold the units either jointly or on either or survivor basis :
  - (i) In either case it shall be deemed that the first of such persons is the holder of the units and transfers or other dealings, if any, shall be competent only by the first of such persons.
  - (ii) All payments to the first holder and a receipt thereof shall be a valid discharge to the Scheme.
  - (iii) The Scheme shall for all practical purposes correspond only with the first holder and all communications with the first holder shall be deemed to be valid discharge by the Scheme of its obligations.
  - (iv) In the case of death of a joint holder, survivor(s) shall be the only person recognised by the Scheme as having any title to or interest in units represented by a certificate. Provided that the registration of units in the name of any person shall not affect or prejudice any right which any other person may have against a survivor(s) in respect of the said units.
- (d) Any change in the name and address of a unitholder shall be notified to the Registrars. The Registrars on being satisfied of such change and on compliance with such formalities as may reasonably be required shall alter the register accordingly.

(e) Except when the register is closed as hereinafter provided, the register shall, during the business hours subject to such reasonable restrictions the Registrars may impose, but not less than two hours on each business day, shall be kept open for inspection by any unitholder.

(f) The register will be closed for such time and for such periods as the Trust may determine, so however, the register shall not remain closed for more than 45 days in any one year. In the event of a closure of the register for a period or periods, notice shall be given by advertisements is not less than two leading English and one vernacular newspapers.

(g) The Registrars and the Scheme shall not receive notice of any Trust expressed or implied, constructive nor shall they be bound to enter any such notice in respect of any unit in the register except when so directed by a Court of Competent Jurisdiction.

(h) In the event of death of a unitholder the Executors or Administrators or a holder of Succession Certificate issued under the Indian Succession Act, 1925, or a legal representative shall be the only persons who may be recognised by the Registrar as having any title to the units and shall offer for repurchase at such prices as may be decided by the Trust.

(i) A person becoming entitled to units in consequence of the death, insolvency or winding up of a sole holder or the survivor(s) of joint holders, upon producing evidence to the satisfaction of the Registrar shall be registered as the holder of the units or permitted to transfer the units as the case may be.

(j) Notwithstanding anything contained in Clause (g) above if a unitholder pledges the certificate with a Scheduled Bank the interest of the pledge shall be recorded in the register. If by enforcing the pledge the Scheduled Bank seeks to transfer the units and have it registered in its name, then the Registrar shall comply with the request and the register shall contain such particulars that the bank holds the certificate.

### X. Transfer of units subsequent to issue :

All units issued under the Scheme and outstanding are freely transferable within a period of six months from the date of allotment subject to the following terms :

(a) The unit certificate issued in accordance with the provisions of the scheme is negotiable and can be transferred to the individuals, expressed and such other categories as are mentioned in Clause IV of the provisions of the scheme.

The acceptance of the Transfer Deed and the admittance of the transferee as a unitholder under the scheme will be at the sole discretion of the Trust.

(b) Transfers may be effected only by and between transferors and transferees who are capable of holding units. The Scheme shall not be bound to recognise any other transfer.

(c) All transfers shall be made using the share transfer form, as prescribed by the Stock Exchanges and shall be for a minimum of one hundred units and in multiples of hundred thereafter.

(d) Transfer instruments with the relative unit certificates accompanied by such fee as may be prescribed from time to time by the Scheme shall be lodged with any of the offices of the Registrars appointed for the purpose.

(e) Any transfer deed lodged with or accepted by any of the offices of the Trust shall be forwarded to the nearest office of the Registrars.

(f) Every instrument of transfer shall be signed by the transferor and the transferee and the transferor shall be deemed to hold units until the name of the transferee is entered in the register of holders by the Registrars.

- (g) The Registrars may require such evidence as they may consider necessary in support of the title of the transferor or his right to transfer units.
- (h) The Registrars may subject to compliance with such requirements as may deem necessary dispense with the production of the original unit certificate, should it be lost, stolen or destroyed.
- (i) Upon registration of a transfer of units all instruments of transfer and the unit certificate may be retained by the Registrars.
- (j) The Registrars recognising and registering a transfer may issue the original or fresh unit certificate or certificates to the transferee upon payment and realisation of such charges as are payable in connection with the transfer and issue of such certificate or certificates.
- (k) If a transferee becomes a holder of units in an official capacity, by operation of law or a Scheduled bank upon enforcement of a pledge then the Registrars shall subject to production of such evidence which in their opinion is sufficient, proceed to effect the transfer, if the intended transferee is otherwise eligible to hold units.
- (l) As soon as the Mastergrowth Unit Scheme is listed with the recognised stock exchanges, the transfer/transmission formalities shall be undertaken in accordance with the provisions of listing agreement and guidelines issued in this regard by stock exchanges and as stated in the scheme.

#### *XI. Nomination by Unitholders :*

- (a) Unitholders may make, substitute or cancel a nomination to the extent provided in the Regulations.
- (b) The Registrars subject to such directions and provisions of the Scheme may from time to time issue, shall accept a nomination in the forms prescribed and register the same. They may also subject to such directions permit the variation, modification or changes in such nominations and have them registered.

#### *XII. Publications of Accounts :*

The Trust shall, as soon as may be after the 30th June each year cause to be published in such manner as the Fund may decide accounts in the manner specified by the Board showing the working of the scheme during the period ending out of that date. The Trust shall on a request in writing from a unitholder, furnish with a copy of the accounts so published.

#### *XIII. Period of Holding :*

The scheme will be for a period of seven years from the date of allotment with the option for investors either to redeem at the NAY based price or to continue if the Trust then decides to extend or to switch over to another scheme launched or operative at that time.

#### *XIV. Redemption of Units :*

1. Neither the Trust nor the Mastergrowth Scheme to be established shall be bound to redeem or repurchase the units for a period of 7 years.
2. In exceptional circumstances, the Trust shall have the right to redeem or repurchase the units on terms and conditions as may be decided in this regard even before the period of 7 years.
3. The units redeemed or repurchased by the Mastergrowth Scheme shall be reissued at such price or prices, for such period or periods and on such terms and conditions as the Board may decide in this behalf.
4. In no event the redemption price shall be fixed by the Mastergrowth Unit Scheme at a price less than that arrived by dividing the value of the assets pertaining to the Mastergrowth Scheme reduced by the liability at the close of business on the day the price is determined by the number of units outstanding and deducting therefrom such sums as are

adequate to cover brokerage, commission, takes, stamp duties, and other charges in relation to realisation of investments adding thereto all other expenses and adjusting the price downwards by not more than 1% per unit. The price so determined shall be based on the material available with the Trust.

#### *XV. Distribution of Income to Unitholders*

- (a) The Trust may or may not declare income distribution under the scheme depending upon the income received under the scheme and the expenses accrued thereunder.
- (b) The Trust may decide to make such distribution of income as it consider necessary and transfer such sum or sums as it may deem fit out of the income not distributed to one or more reserve funds. The reserve funds which are not earmarked for application for any specific purpose shall be applied for or use only for the benefit of the unitholders.
- (c) Income distribution to the unitholders shall be made as soon as may be, after the closing of the annual accounts of the Scheme as on 30th June each year.
- (d) Such of the unitholders whose names appear in the register of unitholders as at the close of registers prior to the declaration of income distribution by the Scheme shall be entitled to receive and retain the income so distributed.
- (e) In case the unitholder has transferred the units prior to the declaration of income distribution and the transfer has not taken effect, the transferee shall not be entitled to the income distribution subsequently unless the transferee has lodged the transfer documents with the Registrars 30 days before the closure of the registers preceding the declaration of the income distribution.
- (f) The income distributed shall be paid by the Master Growth Scheme by cheque or warrant drawn on its bankers with appropriate payment facilities.
- (g) It shall be lawful for a unitholder to receive any income distribution, declared by the Scheme in respect of units of which he is a holder notwithstanding that the units have already been transferred by him for consideration unless the transferee who claims the income from the transferor has within 30 days of the date on which his income became due, lodged the certificate and all other documents relating to the transfer.

#### *XVI. Valuation of Assets pertaining to the Scheme*

- (a) Listed securities will be valued at closing prices on the Stock Exchange nearest to the principal place of business of the company whose securities are being valued and if such securities are listed on more than one Stock Exchange, then the Scheme may adopt the closing prices of the securities in the Stock Exchange nearest to the principal place of business of the company as being the fair value. If the securities have not been traded for more than six months prior to the date of valuation, then the Mastergrowth Unit Scheme may value the security in the manner considered by it to be fair in consultation with its Auditors.
- (b) Newly listed equity shares i.e. (the shares listed within the period of one year preceding the date of valuation) will be invariably valued at cost. A reduction or increase in the value of these equity shares will be based on the facts and circumstances which in the opinion of the Scheme appear to have a bearing or effect in such upward or downward valuation.
- (c) Money market instruments and other fixed income bearing instruments including debentures which are not convertible will be valued on the basis of current yield and maturity value of comparable instruments.
- (d) To the value determined as above shall be added the interest accrued in the case of fixed income securities and debentures and the dividend declared but not received in respect of equity shares.
- (e) All other assets not capable of being valued as aforesaid shall be valued at their book value.

**XVII. Publication of the Net Asset Value**

(a) The Net Asset Value of the Mastergrowth Unit Schemes shall be calculated at Bombay in accordance with the provisions of Clause XIV hereinafter given at the close of business on each Thursday for the previous working day (if it is a holiday) after deducting from the said aggregate value the liabilities incurred for the said Mastergrowth Unit Scheme and other expenses on a proportionate basis which in the opinion of the Mastergrowth Unit Scheme is sufficient to cover the stamp duties, taxes and other expenses payable on a deemed realisation of the investment and shall be published in the leading daily newspapers in India. Intimation will also be sent simultaneously to all the Stock Exchanges in India of the said value in a manner most suitable. Valuation so published shall be valid till the next publication of value.

(b) In the event of unforeseen circumstances, if the valuation is not so published for a given week or for one or more such weeks, the Trust shall not be deemed to have violated any of the terms of offer of units by it.

(c) Trading of units over Stock Exchange shall always be deemed between intending buyers and sellers for genuine investment purposes and the Scheme shall have no control over such tradings.

**XVIII. Trading of Units**

(a) The units will be listed in Stock Exchanges at such place/s as may be decided by the Trust within 6 months from the date of allotment. The Trust will announce the net asset value determined on Thursday or the previous working day if it is a holiday and intimate the value to all the Stock Exchanges for the purpose of being quoted.

(b) A unitholder desirous of liquidating his holdings may trade the units through any of the Stock Exchanges.

(c) The Trust will not either directly or in any manner indicate the price or prices at which the units could be bought or sold through the market. However, the last prices at which units were bought or sold at the Stock Exchanges in a trading will be published in leading daily newspapers.

(d) The buyer of units through the market either by himself or through a recognised broker should submit the transfer deed and the relative unit certificates to the Registrars of the Scheme giving effect to the transfer if found in order.

(e) The buying or selling of units through the market at whatever price shall be at the risk of a unitholder or a prospective unitholder. However, for the purpose of determining the stamp duty to be payable on transfer of units the average of the high and low prices that ruled on the date prior to the date of transfer shall be the basis for the charge.

**XIX. Restrictions on Investment**

(a) Investment by the Trust of its investible funds under the Scheme in the securities issued by any one company shall not exceed 10% of the total funds or 15% of the securities issued and outstanding of such company whichever is less.

(b) Investment by the Trust of its investible funds under the Scheme in the securities of any new company shall not exceed 10% of the securities issued by such company and the aggregate of all such investments shall not exceed 30% of the investible funds.

*Explanation:* A new company means a company whose shares have been listed on any Stock Exchange first within one year prior to investment in the shares by the fund.

(c) The Trust may for operational convenience or to seek changes in opportunities keep invested at any time not exceeding 20% of the total funds in any short-term

money market instrument, convertible or non-convertible debentures, bank deposits, bills rediscounted or similar other avenues.

Provided that till the Trust fully employs the funds of the scheme in securities, it may keep the funds not so employed invested in such securities as may be considered expedient including those referred to in Clause (c) above.

(d) The restrictions on investment prescribed shall be applied with reference to circumstances at the time the investments are made and shall not be deemed to have been exceeded, notwithstanding that, by reason of fluctuation in the market price or investments, or by reason of issue of bonus shares or right shares by the company in whose securities investments have been made, the limit is in fact exceeded.

**XX. Form of Unit Certificate**

Unit Certificates shall be in Form A annexed hereto or in such form as may be approved by the Trust for smooth operation of the scheme. Each Unit Certificate shall bear a distinctive number, the number of units represented by the Certificate and the name of the unitholder. Certificate will be issued in marketable lot of 100 Mastergrowth Units upto maximum number of @20 Master growth Certificates (i.e. @Rs. 20,000/-). For any investment beyond @Rs. 20,000/- one consolidated Certificate @ [(21st) Certificate] will be issued (i.e. more than @2000 Mastergrowth Units). This consolidated Certificate will be split, once free of cost, on request from investor and thereafter the split may be allowed on payment of charges as may be decided by the Trust.

**XXI. Manner of preparation of Unit Certificate**

The Unit Certificates may be engraved or lithographed or printed as the Board may, from time to time, determine and shall be signed on behalf of the Trust by two persons duly authorised by the Trust. Every such signature may either be autographic or may be effected by a mechanical method. No Unit Certificate shall be valid unless and until it is so signed. Unit Certificates so signed shall be valid and binding notwithstanding that, before the issue thereof, any person whose signature appears thereon, may have ceased to be a person authorised to sign Unit Certificates on behalf of the Trust. Provided further that should the Unit Certificate so prepared contain the signature of an authorised person who however is dead at the time of issue of the Certificate, the Trust may by a method considered by it as most suitable, cancel the signature of such a person appearing on the Certificate and have the signature of any other authorised person affixed to it. The Unit Certificate so issued shall also be valid.

**XXII. Trust not to be recognised regarding Unit Certificates**

The person who is registered as the unitholder and in whose name a Unit Certificate has been issued shall be the only person to be recognised by the Trust as the unitholder and as having any right, title or interest in or to such Unit Certificate and the Units which it represents; and the Trust may recognise such unitholder as the absolute owner thereof and shall not be bound by any notice to the contrary or to take notice of the execution of any trust or save as herein expressly provided or as by some court of competent jurisdiction ordered to recognise any Trust or equity or other interest affecting the title to any Unit Certificate or the Units thereby represented.

**XXIII. Exchange of Unit Certificate and procedure when the Certificate is mutilated, defaced, lost etc.**

(1) Subject to the provisions of this scheme, every unitholder shall be entitled to exchange any or all of his Unit Certificates for one or more Unit Certificates in marketable lots, representing the same aggregate number of Units. While applying for such exchange, the unitholder shall surrender to the Trust the Unit Certificate or Certificates to be exchanged and shall pay to the Trust all monies (if any payable thereunder) in respect of the issue of the new Unit Certificate or Certificates.

(2) In case any Unit Certificate shall be mutilated or worn or defaced, the Trust at its discretion, may issue to the person entitled a new Unit Certificate representing the same aggregate number of units as the mutilated or worn or defaced Unit Certificate. In case any Unit Certificate should be lost, stolen or destroyed, the Trust may, at its discretion, issue to the person entitled, a new Certificate in lieu thereof. No such new Certificate shall be issued unless the applicant shall previously have :

- (i) Furnished to the Trust evidence satisfactory to it of the mutilation, wearing out, defacement loss, theft or destruction of the original Unit Certificate.
- (ii) Paid all expenses in connection with the investigation of the facts.
- (iii) In case of mutilation or wearing out or defacement produced and surrendered to the Trust and mutilated or worn out or defaced Unit Certificate; and
- (iv) furnished to the Trust such indemnity as it may require. The Trust shall not incur any liability for issuing such Certificate in good faith under the provisions of this clause.

(3) Before issuing any Certificate under the provisions of this clause, the Trust may require the applicant for the Unit Certificate to pay a fee of Rupee One per Unit Certificate issued by it together with a sum sufficient in the opinion of the Trust to cover stamp duty, if any, or other charges or taxes including postal registration charges that may be payable in connection with the issue and despatch of such Certificate. Provided that no fee, stamp duty or postal registration charges shall be payable in respect of such issue of Unit Certificate in the following cases, viz.

- (i) When a Unit Certificate issued under clause 6 to an applicant or issued under clause 21(7) to a transferee is tendered for the first time for subdivision.
- (ii) When consolidation of Unit Certificates is suggested by the Trust and such a suggestion is accepted by the unitholder.

#### XXIV. Scheme to be binding on Unitholders

The terms of this Scheme including any amendments thereof made from time to time (provided such amendments do not vary the basic character and the purpose of this Scheme seeks to achieve) shall be binding on each unitholder and any person or persons claiming through or under him as if he/they had expressly agreed that they should be binding.

#### XXV. Copy of Scheme to be made Available

A copy of this scheme incorporating all amendments thereto shall be made available for inspection at the offices of the Registrar or of the Scheme (when established) at all times during its business hours and may be supplied upon payment of Rs. 5/- to a unitholder.

#### XXVI. Addition and Amendments to Scheme

The Board may from time to time add to or otherwise amend or alter this Scheme and any amendment or alteration thereof will be notified in the Official Gazette.

#### XXVII. Powers to Construe Provisions

Should any doubt arise as to the interpretation of any of the provisions of the Scheme. Chairman or in his absence the Executive Trustee shall have powers to construe the provisions of the Scheme in so far as such construction is not in any manner prejudicial or contrary to the basic structure of the Scheme and such decision shall be final and conclusive.

#### XXVIII. Relaxation/Variation/Modification of Provisions

Chairman or in his absence the Executive Trustee of the Trust in order to mitigate hardships or for smooth and easy operation of the Scheme relax, vary or modify any of the provisions of the Scheme in case of any unitholder or class of unitholder upon such conditions as may be deemed expedient.

#### MASTERGROWTH UNIT SCHEME—1993 UNIT TRUST OF INDIA

13, SIR VITHALDAS THACKERSEY MARG  
(NEW MARINE LINES)

BOMBAY-400 020

THIS IS TO CERTIFY that the person (s) named in this Certificate is/are the Registered Holder(s) of the within-mentioned Mastergrowth bearing the distinctive number(s) herein specified in MASTERGROWTH UNIT SCHEME-1993 subject to the provisions of The MASTERGROWTH UNIT SCHEME-1993. The amount endorsed hereon has been paid up on each Mastergrowth.

MASTERGROWTH EACH ON RUPEES	10/-
AMOUNT PAID UP PER MASTERGROWTH RUPEES	10/-

Certificate No.

Name(s) of Holder(s)

- (1) \_\_\_\_\_
- (2) \_\_\_\_\_
- (3) \_\_\_\_\_

No. of units held

\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_

Distinctive No. (s)

\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_

Given on this \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_ 1993

MASTERGROWTH UNIT SCHEME—1993

CHAIRMAN :

TRUSTEE :